जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, शनिवार 25 अक्टूबर, 2025

हमारे प्रॉडक्ट्स महँगे नहीं
आजकल लोगों को
सेहत सस्ती लगती हैं

आन्दोलन अशुद्ध के विरुद्ध

KEDIA™ Pavitra

ORDER NOW:

शरबती सुपीरियर आटा । देशी चक्की आटा । सूजी । दलिया । बेसन । शरबती गेहूँ । देशी गेहूँ
लाकाडोंग हल्दी पाउडर । मिर्च पाउडर । धनिया पाउडर । जीरा (साबुत) । मसूर दाल । उड़द दाल (छिलका)
उड़द दाल । मूंग दाल । काजू । किशमिश । कैलिफोर्निया बादाम । मामरा बादाम । पिस्ता । अखरोट

COMING SOON:

चावल । कुकिंग ऑयल । खड़े मसाले । चाय

ORDER ON WEBSITE
ORDER ON WHATSAPP
ORDER ON APP

एक्सप्रेस डिलीवरी सिर्फ एक कॉल पर
1800 120 2727

T&C Apply.

विचार बिन्दु

स्वयं प्रकाशित दीप को भी प्रकाश के लिए तेल और बत्ती का जतन करना पड़ता है बुद्धिमान भी अपने विकास के लिए निरंतर यत्न करते हैं। कोई भी व्यक्ति अयोग्य नहीं होता केवल उसको उपयुक्त काम में लगाने वाला ही कठिनाई से मिलता है। –शुक्रनीति

त्योहारी सीज़न में उपभोक्ताओं ने की जमकर खरीदारी

इस वर्ष दिवाली ने देशभर में व्यापार की दुनिया में नया रिकार्ड बनाया है। जीएसटी कटौती के चलते दिवाली सहित त्योहारी सीज़न में उपभोक्ताओं ने जमकर खरीदारी की। उपभोक्ताओं के लिए यह त्योहार खुशियों भरा रहा। कीमतों में स्थिरता और त्योहारी उत्साह ने उन्हें अधिक खर्च करने के लिए प्रेरित किया। महानगरों तथा उभरते बाजारों में त्योहारी मांग 25 प्रतिशत तक बढ़ी है। इस वर्ष दिवाली पर बिक्री के पुराने सारे रिकॉर्ड टूट गए है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की रिपोर्ट के मुताबिक, दिवाली पर देशभर में कुल बिक्री 6.05 लाख करोड़ तक पहुंची, जिसमें 5.40 लाख करोड़ का वस्तु व्यापार और 65 हजार करोड़ का सेवा व्यापार शामिल है। त्योहारी बिक्री में किराना व एफएमसीजी वस्तुओं की हिस्सेदारी 12 प्रतिशत, सोना-चांदी 10 प्रतिशत, इलेक्ट्रॉनिक्स व इलेक्ट्रिकल्स 8 प्रतिशत, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 7 प्रतिशत, रेडीमेड परिधान 7 प्रतिशत, गिफ्ट आइटम 7 प्रतिशत, होम डेकोर व फर्नीचर 10 प्रतिशत, मिठाई-नमकीन 5 प्रतिशत, वस्त्र 4 प्रतिशत, पूजन सामग्री 3 प्रतिशत, फल व मेवे एवं बेकरी-कन्फेक्शनरी प्रत्येक 3 प्रतिशत, फुटवियर 2 प्रतिशत और अन्य विविध वस्तुएं 19 प्रतिशत रहीं। इसी तरह सेवा क्षेत्र में भी इस बार कारोबार 65,000 करोड़ तक पहुंचा। पैकेजिंग, ट्रैवल, हॉस्पिटैलिटी, टैक्सी, इवेंट मैनेजमेंट, डिलीवरी और टेंट-सजावट जैसे क्षेत्रों में मांग में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई। यह देश के व्यापार इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा त्योहारी कारोबार है। पिछले साल के मुकाबले बिक्री में 25 फीसदी का इजाफा हुआ है। पिछली दिवाली पर 4.25 लाख करोड़ का कारोबार हुआ था। दिवाली के अवसर पर कारोबारी गतिविधियों में बढ़ोतरी से लगभग 50 लाख अस्थायी रोजगार सृजित हुए। इनमें से ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों ने कुल व्यापार का लगभग 28 प्रतिशत हिस्सा लिया। इससे यह स्पष्ट है कि न केवल बड़े शहरों बल्कि छोटे शहर और ग्रामीण इलाकों में भी दिवाली के अवसर पर खरीदी में तेजी आई।

त्योहारी सीजन में बाजार ने तूफानी तेजी पकड़ी, लेकिन सबसे ज्यादा तेजी ऑनलाइन बाजार में ही दिखाई दी। आज जिसे देखो वह ऑनलाइन बाजार से खरीददारी के लिए व्यस्त है। इसमें ग्राहक और कंपनियों दोनों का फायदा भी हो रहा है। ग्राहक को घर बैठे मनपसंद सामान मिल रहा है तो वहीं कंपनियों के सामने के लिए एक बहुत बड़ा मार्केट भी बन रहा है। दिवाली के दौरान ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर जबरदस्त खरीदारी देखने को मिली। इस बार ग्राहकों ने न केवल ज्यादा खर्च किया, बल्कि प्रीमियम प्रोडक्ट्स और तुरंत डिलीवरी सेवाओं को भी प्राथमिकता दी। अमेजन, फ्लिपकार्ट, जेप्टो और स्विगी जैसे प्लेटफॉर्म्स पर रिकॉर्ड ऑर्डर दर्ज किए गए। अब त्योहारों की खरीदारी सिर्फ महानगरों तक सीमित नहीं रही, बल्कि छोटे शहरों से भी बड़ी भागीदारी देखने को मिली। डेटम इंटेलिजेंस की रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 में भारत की फेस्टिव ऑनलाइन बिक्री में 27 प्रतिशत की बढ़ोतरी होकर यह 1.2 ट्रिलियन तक पहुंच सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस साल के त्योहारों से साफ है कि अब भारतीय खरीदार तेज डिलीवरी, अच्छी क्वालिटी और प्रीमियम प्रोडक्ट्स को ज्यादा तरजीह दे रहे हैं। एक लोकल सर्वे ने ऑनलाइन शॉपिंग को लेकर सर्वे किया था जिसमें अधिकांश लोगों ने बताया था कि उन्होंने ऑनलाइन शॉपिंग को चुना है। इससे बाजार की भीडभाड से भी राहत मिल रही और लोगों के सामने विकल्प चुनने के भी की ब्रॉड मौजूद थे। इसीलिए विदेशों की तर्ज पर भारत में भी ऑनलाइन शॉपिग तेजी से बढ़ रही है। देश में इ-कॉमर्स का बाजार इन दिनों अपनी बूम पर है। यह सच है, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर कई प्रकार की मनभावक छूट, ऑफर और घर बैठे डिलीवरी की सुविधा मिलती है, यह भी सही है, ऑनलाइन खरीदारी में समय और ऊर्जा की बचत होती है, परंतु नकली प्रोडक्ट्स और डिलेवरी की दिक्कतें भी आम हैं। अब ग्राहकों को सावधानी तो रखनी ही होगी अन्यथा सावधानी हटी और दुर्घटना घटी।

> **एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस साल ऑनलाइन और ऑफलाइन प्लेटफॉर्म पर करीब छह लाख करोड़ रुपए का कारोबार होने का अनुमान है, जिसमें ऑनलाइन पर 1.20 लाख करोड़ रुपए के कारोबार का अनुमान लगाया जा रहा है, जो हमारे देश की जीडीपी का 3.2 प्रतिशत आंका गया है। नामी गिरामी ई-कॉमर्स कंपनियों ने त्योहारी सीज़न और जीएसटी में हालिया बदलाव का फायदा उठाना भी शुरू कर दिया है। उन्होंने पहले ही डिस्काउंट ऑफर देने शुरू कर दिए थे।**

त्योहार के सीजन में लगभग 70 करोड़ ग्राहक बाज़ारों में ख़रीदारी करते हैं और जहां 500 रुपये या उससे कम ख़रीदारी करने वाले लोग हैं वहीं हज़ारों और लाखों रुपये खर्च करने वालों की भी कमी नहीं है और इसीलिए देश में त्योहारी सीजन की महत्ता व्यापार की दृष्टि से बेहद ही महत्वपूर्ण है। त्योहारों पर जिस तरह से विभिन्न प्रकार की चीजों की बिक्री से बाजार गुलज़ार हो रहा है उससे साफ अंदाजा लगा सकते हैं कि आने वाले सभी त्योहारों पर खरीदारी के लिए ग्राहक मन बना चुके हैं। लोग खरीदारी के लिए बाजारों में पहुंच रहे हैं। दुकानें ग्राहकों से गुलजार होने लगी है। बाजारों में चहल पहल व भीड़-भाड़ देखने को मिल रही है। ऑनलाइन शॉपिंग की तरफ लोगों का रुझान बढ़ा हुआ है। दुकानदारों का कहना है कि बाजार में खरीदारी करने वालों की भीड बढ़ रही है और आने वाले दिनों में कारोबार बढ़ने की उम्मीद है। त्योहारी सीजन से इलेक्ट्रॉनिक, कपड़ा, ऑटो मोबाइल, सराफा बाजार में ग्राहकों का रुझान बढ़ा है। पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों की बढ़ती संख्या से न केवल इन स्थलों की रौनक बड़ रही है बल्कि अच्छा कारोबार होने से कारोबारियों के चेहरों पर चमक देखने को मिल रही है। यह त्योहारी सीजन हालाँकि महंगाई की मार से उपभोक्ताओं को राहतभरा नहीं है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस साल ऑनलाइन और ऑफलाइन प्लेटफॉर्म पर करीब छह लाख करोड़ रुपए का कारोबार होने का अनुमान है, जिसमें ऑनलाइन पर 1.20 लाख करोड़ रुपए के कारोबार का अनुमान लगाया जा रहा है, जो हमारे देश की जीडीपी का 3.2 प्रतिशत आंका गया है। नामी गिरामी ई-कॉमर्स कंपनियों ने त्योहारी सीज़न और जीएसटी में हालिया बदलाव का फायदा उठाना भी शुरू कर दिया है। उन्होंने पहले ही डिस्काउंट ऑफर देने शुरू कर दिए थे। कई कंपनियों के विज्ञापन में 50 से 80 प्रतिशत डिस्काउंट का वादा किया। अनुसंधान फर्म 'डेटम इंटेलिजेंस' की एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025 में जीएसटी दरों को आमजन के अनुकूल बनाने से इस साल त्योहारी बिक्री 27 प्रतिशत से बढ़कर 1.20 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सकती है, क्योंकि टैक्स स्लैब को कम करने से कई जरूरी उत्पादों की कीमत में भारी कमी आई।

नई जीएसटी व्यवस्था में अब सिर्फ 5 और 18 प्रतिशत के 2 टैक्स स्लैब रखे गए हैं और कुछ दरों को पूरी तरह से हटा दिया गया है, जिससे ग्राहकों को 10 प्रतिशत तक की बचत होने का अनुमान है। नई जीएसटी व्यवस्था में टीवी, एसी, इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स पर विशेष तौर पर बचत होगी। रिपोर्ट के मुताबिक विगत तीन वर्षों में पहली बार शहरी उपभोक्ताओं के खर्च में वृद्धि देखी गई है। सिर्फ जुलाई महीने में 37.6 प्रतिशत उपभोक्ताओं ने अपने गैर-जरूरी खर्च में वृद्धि की है।

दुकानदार और ऑनलाइन कम्पनियाँ जहां इन त्योहारों में आकर्षक ऑफर तथा डिस्काउंट की पेशकश कर ग्राहकों को रिझाने का प्रयास करते हैं, वहीं ग्राहक भी इन आकर्षक ऑफरों का लाभ उठाकर जमकर खरीदारी करते हैं। ऑनलाइन सेल में सामान सस्ता जरूर मिल रहा है मगर उपभोक्ता को सावधानी रखनी पड़ेगी क्योकि ठगी करने वाले गिरोह भी सक्रीय हो गए है। जो भोले भले लोगों को सस्ते माल के चक्कर में फंसा कर अपना उल्लू सीधा कर रहे है। अधिकृत प्लेटफॉर्म का उपयोग करें। बैंक स्टेटमेंट और पासवर्ड सुरक्षा सुनिश्चित करें। कैशऑन डिलीवरी अपनाएँ और फर्जी ऑफर्स से बचें। ऐसे में लोगों ने सतर्कता नहीं रखी तो सस्ते में माल खरीदना महंगा भी पड़ सकता है। इसलिए कहा जाता है सावधानी हटी तो दुर्घटना घटी। इसी दुर्घटना से बचने के लिए समझदारी और सजगता की जरुरत है।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

चेतावनी : धर्मांतरण के बढ़ते नेटवर्क और बदलता सामाजिक संतुलन

भारत की सांस्कृतिक आत्मा पर धीरे-धीरे होती चोट

रोटेरियन सुनील दत्त गोयल

भारत की सभ्यता हज़ारों वर्षों से विविधता और सहिष्णुता का प्रतीक रही है। यहाँ सनातन संस्कृति ने न केवल अनेक मत-पंथों को जन्म दिया, बल्कि उन्हें सह-अस्तित्व का स्थान भी दिया। परंतु पिछले कुछ दशकों में एक ऐसी प्रवृत्ति ने समाज के भीतर गहरी दरार डालनी शुरू की है – संगठित और योजनाबद्ध धर्मांतरण की प्रक्रिया, जो अब केवल धार्मिक या सामाजिक नहीं रही, बल्कि भू-राजनीतिक रणनीति का भी हिस्सा बन चुकी है।

भारत में धर्मांतरण की बढ़ती प्रक्रिया

स्वतंत्रता के बाद से लेकर आज तक, भारत ने कई बार धार्मिक असंतुलन की झलक देखी है। 1951 की जनगणना में देश में हिंदू जनसंख्या 84.1% थी, जबकि 2011 तक यह घटकर 79.8% रह गई। दूसरी ओर, मुस्लिम जनसंख्या 9.8% से बढ़कर 14.2% और ईसाई जनसंख्या 2.3% से बढ़कर 2.8% तक पहुँची। यह परिवर्तन स्वाभाविक जनसंख्या वृद्धि का परिणाम भर नहीं है; कई राज्यों में संगठित मिशनरी गतिविधियों, विदेशी फंडिंग और स्थानीय प्रशासन की लापरवाही ने इस असंतुलन को गति दी है।

सबसे अधिक प्रभावित राज्य हैं – छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश, असम, नगालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम, केरल और तमिलनाडु। इन राज्यों में या तो आदिवासी जनसंख्या अधिक है, या फिर आर्थिक रूप से पिछड़े समुदायों में धार्मिक सहायता और सामाजिक सेवाओं के नाम पर परिवर्तन की प्रक्रिया तेज़ी से चल रही है।

आदिवासी और ग्रामीण क्षेत्रों में मिशनरियों की पकड़

धर्मांतरण का सबसे गंभीर पक्ष यह है कि यह सीधे सामाजिक-आर्थिक असमानता का उपयोग करता है। जहाँ सरकार की कल्याणकारी योजनाएँ नहीं पहुँच पातीं, वहाँ मिशनरी संस्थाएँ 'सेवा' के नाम पर घर-घर पहुँचती हैं। स्वास्थ्य केंद्र, स्कूल और मुफ्त राशन जैसी सुविधाओं के माध्यम से धीरे-धीरे धार्मिक पहचान बदलने की प्रेरणा दी जाती है। उदाहरण के लिए, छत्तीसगढ़ और झारखंड के बस्तर, सरगुजा और गुमला जिले इस गतिविधि के प्रमुख केंद्र बन चुके हैं। स्थानीय भाषा और संस्कृति को अपनाने वाले प्रचारक आदिवासी समुदायों को यह विश्वास दिलाते हैं कि उनकी मूल पहचान 'हिंदू धर्म' से अलग है – जबकि वास्तविकता में वे सदियों से भारत की सांस्कृतिक धारा का अभिन्न अंग रहे हैं।

दक्षिण और उत्तर-पूर्व भारत में बढ़ती सक्रियता

केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक जैसे राज्यों में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में चर्च-संचालित संस्थाओं की जड़ें बहुत गहरी हैं। इनके माध्यम से न केवल समाजसेवा, बल्कि धार्मिक प्रचार-प्रसार भी एक समानांतर शक्ति बन चुका है। वहीं पूर्वोत्तर भारत, विशेषकर नगालैंड, मिज़ोरम और मेघालय, अब लगभग पूरी तरह से ईसाई-बहुल समाज बन चुके हैं। 1950 में जहाँ ईसाई जनसंख्या नगालैंड में 15% थी, आज वह 90% से अधिक है। यह परिवर्तन केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और राजनीतिक पहचान का भी पुनर्गठन है।

राजस्थान में स्थिति

जब हम धर्मांतरण की बात करते हैं, तो यह विषय केवल दूर के आदिवासी इलाकों या राज्यों तक सीमित नहीं रहा। राजस्थान, हमारा अपना राज्य, इस विषय के केंद्र में आ गया है; यहाँ के अनुभव, घटनाएँ और सरकारी कार्रवाई हमें यह सोचने पर मजबूर करती हैं कि हमारी सांस्कृतिक एकता और सामाजिक समझ कितनी मज़बूत है।

स्थानीय घटनाएँ जहाँ धर्म परिवर्तन का आरोप लगा

उदाहरण के लिए, दौसा जिले में अगापे फैलोशिप चर्च को आरोपों का सामना करना पड़ा कि वहाँ धर्मांतरण की गतिविधियाँ हो रही थीं। स्थानीय लोगों के विरोध और मीडिया रिपोर्ट्स के बाद प्रशासन ने जाँच शुरू की। एक और मामला बांसवाड़ा का है, जहाँ एक नाबालिग लड़की ने आरोप लगाया कि प्रेम जाल और प्रेग्नेंसी के बाद उस पर जबरन धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया गया। पुलिस ने मामले को दर्ज किया है।

मीडिया रिपोर्ट्स में प्रलोभन या प्रलोभन द्वारा धर्म परिवर्तन के आरोप अक्सर सामने आते हैं, लेकिन जांच की प्रगति, न्यायालयिक कार्यवाही या दोष सिद्धि की दर बहुत कम पायी जाती है।

धर्मांतरण विरोधी बिल पास और केसों की संख्या

सितंबर 2025 में राजस्थान विधानसभा ने Rajasthan Prohibition of Unlawful Religious Conversion Bill, 2025 पारित किया। इस बिल के बाद सरकार ने स्वीकार किया है कि पिछले पाँच वर्षों में राज्य में केवल 13 धर्मांतरण मामले दर्ज हुए हैं। सरकार का दावा है कि "love jihad" नाम से कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है। यह संख्या अपेक्षाकृत कम है, जो दिखाती है कि व्यापक, हिंसात्मक या जबरन धर्मांतरण की कथित घटनाएँ (जो अक्सर मीडिया या राजनीति में बड़ी बातें बन जाती हैं) वास्तविक घटनाओं की तुलना में कम हों।

कानून की सख्ती और दंड का प्रावधान

नया कानून प्रत्येक अनौचित या जबरन धर्मांतरण को अपराध मानता है। यदि विवाह केवल धर्मांतरण के उद्देश्य से किया गया हो, तो विवाह को अवैध माना जाएगा। बल, प्रलोभन, छल आदि के माध्यम से किए गए परिवर्तन पर 7-14 साल जेल और 5-10 लाख जुर्माना जैसे प्रावधान हैं। मास / समूह धर्मांतरण की स्थिति में सजा और भी ज़्यादा है, और विशेष रूप से अनुसूचित जाति / जनजाति / नाबालिगों की सुरक्षा के लिए कठोर प्रावधान हैं। नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश और इंडोनेशिया के उदाहरण भारत के पड़ोसी देशों में भी यह रुझान दिखाई देता है।

नेपाल: जहाँ कभी हिंदू राष्ट्र की पहचान थी, वहाँ 2015 में नया संविधान धर्मनिरपेक्ष घोषित किया गया, और इसके बाद से मिशनरियों की गतिविधियों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

श्रीलंका: तमिल-बहुल इलाकों में चर्च नेटवर्क का विस्तार हुआ, जिसने स्थानीय सामाजिक ढाँचे को प्रभावित किया।

बांग्लादेश: 1971 के बाद से इस्लामीकरण की नीति ने हिंदू जनसंख्या को 20% से घटाकर 8% से भी कम कर दिया।

इंडोनेशिया: यहाँ मुस्लिम बहुल शासन व्यवस्था के बीच ईसाई प्रचार पर नियंत्रण के बावजूद बाहरी NGO फंडिंग से कुछ क्षेत्रों में जनसंख्या संतुलन बदलने के प्रयास हुए हैं।

लेबनान: कभी एक ईसाई, आधुनिक, उदार और सांस्कृतिक रूप से जीवंत मध्य – पूर्वी देश हुआ करता था – सन् 1970 तक वहाँ का समाज धार्मिक सहिष्णुता और सामाजिक खुलापन का प्रतीक माना जाता था। उस दौर में मुस्लिम शरणार्थियों को पनाह देने वाला लेबनान, धीरे-धीरे कट्टरपंथ और बाहरी राजनीतिक हस्तक्षेप का शिकार बन गया। परिणाम स्वरूप ईसाईयों को अपना देश छोड़ना पड़ा और आज यह आतंकवादियों का पसंदीदा देश है।

काबुल: इसी तरह, सन् 1990 से पहले का काबुल भी एक आज़ाद और आधुनिक शहर था – जहाँ महिलाएँ आधुनिक वस्त्र पहनकर सड़कों पर बेझिझक घूमती थीं, विश्वविद्यालयों में शिक्षा लेती थीं, और कला-संस्कृति का माहौल गहराई से बसा था। इतना ही नहीं, उस समय बॉलीवुड की कई फिल्मों की शूटिंग भी इन देशों में होती थी। लेकिन कुछ ही वर्षों में ये सभी शहर कट्टर विचारधारा, विदेशी फंडिंग और धार्मिक राजनीति के केंद्र बन गए – और आज वहाँ की स्थिति हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि अगर समाज समय रहते नहीं चेता, तो सभ्यता के केंद्र भी कट्टरता की गिरफ्त में आ सकते हैं।

इन सभी देशों में एक समानता है – धर्मांतरण को भू-राजनीतिक शक्ति के रूप में प्रयोग करना, ताकि सांस्कृतिक पहचान को कमजोर कर राजनीतिक और रणनीतिक प्रभाव स्थापित किया जा सके।

अंतर्राष्ट्रीय राजनीति और भारत की चुनौती

धर्मांतरण अब केवल धार्मिक परिवर्तन का विषय नहीं रहा। यह एक वैश्विक सॉफ्ट-पावर टूल बन चुका है।अमेरिका, यूरोप और कुछ अंतरराष्ट्रीय NGO नेटवर्क, रिलीफ एंड फेथ बेस्ड डेवलपमेंट के नाम पर भारत में अरबों डॉलर की विदेशी सहायता भेजते हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, FCRA (Foreign Contribution Regulation Act) के तहत 2022-23 में भारत में कुल 23,000 करोड़ से अधिक विदेशी चंदा आया, जिसमें से धर्म आधारित NGO को सबसे अधिक हिस्सा मिला। मेरा केंद्र सरकार के प्रति सुझाव है कि सभी ट्रस्ट, एनजीओ और सोसाइटीज़ जो कानून के तहत पंजीकृत हैं, उनकी आयकर विभाग द्वारा नियमित और आवश्यक स्क्रूटिनी की जानी चाहिए। इस तरह सरकार को पता चलेगा कि पैसा किस स्त्रोत से आ रहा है, किस उद्देश्य के लिए प्राप्त किया गया है और क्या वह देश की अखंडता के लिए खतरा बनता है। साथ ही यह भी जांचा जाना चाहिए कि प्राप्त धन का अंतिम उपयोग किस प्रकार से हो रहा है। इन फंडों का दीर्घकालिक उद्देश्य सांस्कृतिक प्रभाव क्षेत्र का विस्तार करना होता है। यही कारण है कि कई बार इन गतिविधियों के परिणामस्वरूप स्थानीय भाषाएँ, परंपराएँ और लोक-आस्था धीरे-धीरे समाप्त होती जाती हैं – और उसके स्थान पर पश्चिमी या अरबी प्रभाव वाला जीवन-दर्शन पनपता है।

सांस्कृतिक असंतुलन और सामाजिक तनाव

धर्मांतरण केवल धार्मिक आँकड़ों का विषय नहीं है। यह समाज में सांस्कृतिक असंतुलन और आपसी अविश्वास की जड़ें बोता है। जब एक ही गाँव, परिवार या समुदाय के लोग अलग-अलग धार्मिक पहचान अपना लेते हैं, तो पीढ़ियों की एकता टूट जाती है। यह विभाजन राजनीतिक लाभ का साधन बनता है – स्थानीय चुनावों में धर्म आधारित मतदाता ध्रुवीकरण के रूप में। असम, झारखंड और छत्तीसगढ़ में कई बार देखा गया कि जहाँ धर्मांतरण तेज़ हुआ, वहीं सांप्रदायिक टकराव, हिंसा और जनसंख्या असंतुलन के खतरे भी बढ़े। कुछ जिलों में स्थानीय आदिवासी अब खुद को हिंदू न कहकर मूल निवासी या सरना पहचान से जोड़ रहे हैं – जिसे अलग धर्म घोषित करने की मांग भी उठ रही है। यह स्थिति भारत की सांस्कृतिक एकता के लिए गंभीर संकेत है।

आने वाले दशकों की दिशा

यदि यह प्रवृत्ति इसी गति से चलती रही, तो आने वाले 30-40 वर्षों में कई क्षेत्रों में धार्मिक जनसांख्यिकी पूरी तरह बदल सकती है। भारत में धर्मांतरण के विरुद्ध कई राज्य जैसे उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, उत्तराखंड पहले ही कड़े कानून बना चुके हैं। परंतु इन कानूनों के प्रभाव को धरातल पर लागू करना अब भी चुनौती है – क्योंकि गतिविधियाँ अब डिजिटल, आर्थिक और अंतरराष्ट्रीय रूप में फैली हुई हैं।

आवश्यक उपाय और आत्म-पुनरावलोकन

स्थानीय डेटा संग्रह और पारदर्शिता

जिले-स्तर पर मामलों की संख्या, पुलिस रिपोर्ट, आरोपों की प्रकृति (प्रलोभन, विवाह, बल आदि) सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होनी चाहिए। यह मीडिया या सामाजिक संगठनों की रिपोर्ट पर निर्भर नहीं होना चाहिए, बल्कि सरकारी रिकॉर्ड और न्यायालयीन प्रकरणों से समर्थित होना चाहिए।

पुलिस और न्यायालयीन प्रक्रिया में त्वरितता और निष्पक्षता

स्थानीय पुलिस को ऐसे मामलों में तेजी से कार्रवाई करनी चाहिए; पीड़ितों को न्यायालयीन प्रक्रिया में सुरक्षा और कानूनी मदद सुनिश्चित हो; झूठे आरोपों की जाँच हो; झूठे मामलों में कानूनी निष्कर्ष तक पहुँचने की संभावनाएँ हों।

सामाजिक सेवाओं का क्षेत्रीकरण

शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय कार्यक्रमों की पहुँच उन स्थानों पर जहाँ आर्थिक-शैक्षिक पिछड़ापन अधिक है, जैसे आदिवासी इलाकों, पिछड़े ब्लॉकों में। यदि लोगों को शिक्षा या स्वास्थ्य सुविधा के कारण धर्म परिवर्तन करना पड़ता है, यह संकेत है कि मूल आवश्यकता पूरी नहीं हो रही।

कानूनी सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा

नया कानून प्रभावी है, पर इसे लागू करते समय धार्मिक स्वतंत्रता, संविधान की आस्था-स्वतंत्रता की गारंटी, और निजी जीवन की रक्षा का ध्यान रखना चाहिए। साथ ही इस तरह के कानूनों के दुरुपयोग की आशंका को कम करने के लिए शपथ पत्र, गवाह, दस्तावेज़ आदि की सख़्त जाँच हो।

समुदाय आधारित जागरूकता अभियान : लोकतांत्रिक होने के नाते हमें गाँवों, मोहल्लों, स्कूलों में इस विषय पर संवाद खोलना चाहिए – धर्म परिवर्तन के आरोपों की सच्चाई क्या है, अधिकार क्या हैं, कानूनी चुनौतियाँ क्या हैं। धार्मिक नेतृत्व (ग्राम धर्मगुरु, पुजारी, मौलवियों) को इस संवाद में शामिल करना चाहिए ताकि समाज के विश्वास टूटने से पहले संबोधन हो सके। यह विषय केवल सरकार या सुरक्षा एजेंसियों के लिए नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए आत्मचिंतन का प्रश्न है। हमें यह समझना होगा कि धर्मांतरण की जड़ें केवल बाहर से नहीं आतीं – वे वहीं उगती हैं जहाँ गरीबी, असमानता, शिक्षा और स्वास्थ्य की कमी है। यदि हम इन बुनियादी समस्याओं का समाधान नहीं करेंगे, तो कोई भी कानून इस प्रवृत्ति को नहीं रोक सकेगा। हमें शिक्षा और सेवा के क्षेत्र में अपने स्वयंसेवी संगठनों को सशक्त बनाना होगा। गाँवों, पहाड़ी और जनजातीय इलाकों में ऐसे प्रयास होने चाहिए जो धर्म नहीं, बल्कि मानवता के आधार पर सेवा दें। सांस्कृतिक जागरूकता को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़ना, युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों से परिचित कराना – यही इस चुनौती का स्थायी उत्तर है। भारत की ताकत उसकी विविधता और सहिष्णुता में है, परंतु यह तभी टिक सकती है जब उसकी जड़ें मज़बूत रहें। धर्मांतरण की यह बढ़ती लहर हमें यह सोचने पर विवश करती है कि क्या हम अपनी सांस्कृतिक आत्मा की रक्षा कर पा रहे हैं?

यह समय है आत्मपरीक्षण का – धर्म के आधार पर नहीं, बल्कि उस सभ्यतागत चेतना के आधार पर जिसने भारत को सदियों तक एकता में बाँधे रखा है।

–रोटेरियन सुनील दत्त गोयल,
महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री

किसान ने स्मार्ट फार्मिंग से अमरूद की खेती कर लाखों का मुनाफा कमाया

10वीं पास किसान ने खेती के लिए खुद सोशल मीडिया से जानकारी जुटाई

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहां किसान ने स्मार्ट फार्मिंग से अमरूद (सफेदा) की खेती कर 10 लाख का मुनाफा कमाया है। उन्होंने इसकी खेती के लिए खुद सोशल मीडिया से जानकारी जुटाई। जैविक खेती के जरिए 1 बीघा में 90 क्विंटल अमरूद उगाए इसके बाद धीरे-धीरे उत्पादन बढ़ाते हुए साढ़े चार बीघा में 10 टन अमरूद उगा रहे हैं। अब व्यापारी सीधे खेत से ही 50 किलो के अमरूद खरीदने आते हैं। किसान मनोहर लाल बताते हैं कि पारंपरिक खेती से मुनाफा कम होता है। पहले एक बीघा फिर साढ़े चार बीघा पर अमरूद की जैविक खेती शुरू की।

- **जैविक खेती के जरिए 1 बीघा में 90 क्विंटल अमरूद उगाए, इसके बाद धीरे-धीरे उत्पादन बढ़ाते हुए साढ़े चार बीघा में 10 टन अमरूद उगा रहे हैं**

उन्होंने यूट्यूब पर अमरूद की खेती के बारे में देखना और आसपास इसकी जानकारी जुटाना शुरू किया। अमरूद की खेती से जुड़े वीडियोज भी देखे। पौध मंगाने के लिए हरियाणा के हिसार में बालाजी नर्सरी से संपर्क किया। मनोहर बताते हैं कि यहां से उन्होंने सफेदा अमरूद की फोर्ड वैरायटी के पौधे मंगवाए। जैविक खाद का इस्तेमाल कर उन्होंने पौधे लगाए। करीब 2 साल बाद पौधों पर फल लगने शुरू हुए और पहले ही साल में 10 लाख रुपए की कमाई हो गई। अब एक बीघा से करीब 90 क्विंटल अमरूद का उत्पादन होता है। साढ़े चार बीघा में कुल करीब 10 टन अमरूद तैयार होता है। मनोहर बताते हैं कि व्यापारी खुद खेत पर आकर 50 किलो के हिसाब से अमरूद खरीदते हैं। मनोहरलाल का अमरूद श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ सहित पूरे राजस्थान में सप्लाई होता है।

मनोहरलाल ने बताया कि सफेदा अमरूद में नरम बीज होते हैं, जिसे आसानी से खाया जा सकता है। यह किस्म सबसे मीठे अमरूद देती है और इसमें कीड़े भी नहीं लगते। फल चिकने और चमकदार होते हैं। पकने पर बाहर से हल्का पीला और अंदर से सफेद गूदा होता है। एक फल का औसत वजन 150-200 ग्राम होता है।

श्रीगंगानगर से अमरूद लेने आए व्यापारी नानक सिंह ने बताया कि सफेदा अमरूद खाने में सबसे बेस्ट है। इसके बीज नरम होने के कारण इसकी खरीदारी ज्यादा होती है। सीधे खेत से अमरूद लेने में फायदा होता है। ताजा अमरूद पौधों से तोड़कर, इसे पेटियों में पैक कर बेचने के लिए ले जाते हैं। यह अमरूद पूरी तरह से जैविक है और इसमें कीड़े, मच्छर, मक्खी वगैरह भी नहीं लगते।

मनोहर ने बताया कि सफेदा अमरूद की किस्म साल भर फल दे सकती है, लेकिन मुख्य फसल सर्दियों में आती है। एक पौधे से कम से कम 100 से 150 किलो फल हर साल प्राप्त होते हैं। फलों की शेल्फ लाइफ अच्छी होती है, जो ट्रांसपोर्ट और बाजार के लिए अच्छी है। यह किस्म अमरूद की खेती के लिए शुरुआती किसानों के लिए भी आसान है, क्योंकि यह कम रखरखाव वाली है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 25 अक्टूबर, 2025

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, चतुरथी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, अनुराधा नक्षत्र प्रातः 7:52 तक, शोभन योग प्रातः 6:45 तक, वणिज करण दिन 2:34 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-तुला, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-तुला, बुध-वृश्चिक, गुरू-कर्क, शुक्र-कन्या, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज रवियोग प्रातः 2:52 से आरम्भ होगा। भद्रा दिन 2:34 से रात्रि 3:49 तक रहेगी। आज विनायक चतुर्थी, दुर्वा गणपति व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 8:00 से 9:23 तक, चर 12:11 से 1:35 तक, लाभ अमृत 1:35 से 4:22 तक।

राहूकालः 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:36, सूर्यास्त 5:46

मेष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

वृष
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति एवं आय में वृद्धि होगी।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिलेगी।

कर्क
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है।

कन्या
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। वास्थ्य ठीक रहेगा।

धनु
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है।

मकर
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेगी। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 83 प्रभात जयपुर, शनिवार 25 अक्टूबर, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत
Metro
Rashtradoot

ARBIT

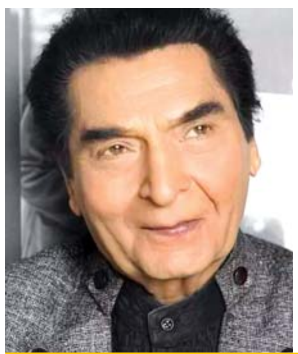

Jaipur Ka Ladka Tujhe Alvida
With his Hitler-like moustache, barking orders at the prisoners, "aadhe idhar jao, aadhe udhar jao, aur baaki hamare saath aao," made Asrani iconic

Vedas And Ayurveda Recommend Karnavedha

The Ancient Tradition of Ear Piercing in Hindu Culture

समस्तीपुर रैली में नीतीश कुमार मोदी का हाथ पकड़ कर मंच पर बैठे थे

उन्हें पूर्ण विश्वास था कि मोदी उनका हाथ पकड़ कर ऊँचा करेंगे, और नीतीश हमारे मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार हैं, की घोषणा करेंगे

- श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर। नीतीश कुमार और जदयू को उम्मीद थी कि महागठबंधन द्वारा तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करने के बाद, भाजपा कुमार को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करेगी, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज समस्तीपुर की एक रैली में उनकी ऐसी तमाम अपेक्षाओं पर पानी फेर दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तर बिहार के इस जिले में कुमार के साथ रैली को संबोधित करते हुए, पार्टी की उसी लाइन पर बने रहे, जिसका उल्लेख कुछ दिन पहले गृह मंत्री अमित शाह ने किया था। प्रधानमंत्री ने कहा, "इस बार बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए, सभी पिछले रिकॉर्ड तोड़ेगा। बिहार एनडीए को अपना अब तक का सबसे बड़ा जनादेश देगा।"

- **पर ऐसा कुछ नहीं हुआ, मोदी ने भी अमित शाह की बात को दोहराया कि चुनाव के बाद विधायक मुख्यमंत्री चुनेंगे।**
- **गत बीस वर्षों में नीतीश बिहार का राजनीतिक चेहरा रहे हैं और हर चुनाव में राजनीतिक नेतृत्व उनके हाथ में रहा है, चाहे जदयू, एनडीए के साथ रही हो या महागठबंधन के।**
- **उनके नेतृत्व को शायद ही किसी ने चुनौती दी, पर, इस बार की उनकी राजनीतिक स्थिति में परिवर्तन सबको नज़र आ रहा है।**

यह स्थिति गृह मंत्री द्वारा पहले दी गई लाइन से अलग नहीं है, जब उन्होंने कहा था कि "वे मुख्यमंत्री का उम्मीदवार घोषित करने वाले कौन होते हैं, क्योंकि नेता के चुनाव पर तो निर्वाचित विधायक ही निर्णय लेंगे।

जदयू नेताओं को उम्मीद थी कि प्रधानमंत्री नीतीश कुमार की मुख्यमंत्री पद की उम्मीदवारी को ज्यादा स्पष्ट कर देंगे। मंच पर, कुमार प्रधानमंत्री का हाथ थामे दिखाई दिये, शायद इस उम्मीद में, कि मोदी उनके हाथ को उठाकर यह प्रतीकात्मक रूप से दर्शा देंगे कि वे एनडीए की जीत की स्थिति में मुख्यमंत्री बने रहेंगे। हालांकि, प्रधानमंत्री की ओर से ऐसा कोई समर्थन या पुष्टि नहीं मिलने पर, महागठबंधन के नेताओं को एनडीए के भीतर के मनमुटाव पर खेल खेलने का अवसर मिल गया है, विशेष रूप से भाजपा द्वारा कुमार को अलग करने के प्रयासों के संदर्भ में।

भाजपा नेतृत्व ने अब तक केवल इतना ही कहा है कि एनडीए का चुनाव अभियान नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ा जा रहा है। यही स्थिति मोदी ने समस्तीपुर में दोहराई, जब उन्होंने याद दिलाया कि 2005 में बिहार ने "जंगल राज" से मुक्ति पाई और "कुमार के नेतृत्व में एनडीए का सुशासन शुरु हुआ।" पिछले 20 वर्षों में, कुमार बिहार का एकदम राजनीतिक चेहरा बने रहे, चाहे जदयू एनडीए के साथ रहा हो, या महागठबंधन के साथ। उनकी नेतृत्व पर कभी सवाल नहीं उठा। लेकिन इस चुनाव में उस स्थिति में एक महत्वपूर्ण बदलाव दिखाई दे रहा है।

राजस्थान को दूसरा स्थान मिलने पर मुख्यमंत्री ने बधाई दी

जयपुर, 24 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राष्ट्रीय पोषण माह-2025 में राजस्थान को देशभर में द्वितीय स्थान प्राप्त होने पर बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि जनसहभागिता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं की निष्ठा व मेहनत तथा राज्य सरकार की दूरदर्शी नीतियों का परिणाम है। यह कीर्तिमान सम्पूर्ण प्रदेश के लिए गर्व का विषय है।

- **उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पोषण माह-2025 में यह उपलब्धि जन सहभागिता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व सहायिकाओं की मेहनत से मिली है।**

उन्होंने कहा कि प्रदेश में पोषण के क्षेत्र में सुधार हेतु नवाचार किए गए हैं, जिसके तहत पोषण माह 2025 में जागरूकता, सामुदायिक सहभागिता, गृह भ्रमण, पौष्टिक आहार वितरण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य परामर्श के लिए व्यापक गतिविधियां आयोजित की गईं।

मुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, आशा सहयोगियों और स्थानीय संगठनों का उनके योगदान के लिए आभार भी व्यक्त किया।

अमेरिका के आर्थिक प्रतिबंध का व्यापक असर रूस के ऑयल निर्यात पर दिख रहा है

रूस के टॉप इकोनॉमिक एडवाइज़र दिमीत्रिएव को अमेरिका भेजा गया, वहाँ के वरिष्ठ इकोनॉमिक स्पेशलिस्ट से बात करने

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर। डॉनल्ड ट्रंप द्वारा रूसी तेल कंपनियों पर लगाए गए प्रतिबंधों का असर दिखना शुरू हो गया है।

रूस की प्रमुख तेल कंपनियों के साथ व्यापार पर प्रतिबंध की घोषणा के तुरंत बाद, रूस के शीर्ष आर्थिक सलाहकार, अमेरिकी आर्थिक मामलों के वरिष्ठ विशेषज्ञों के साथ आधिकारिक स्तर की वार्ता करने के लिए अमेरिका पहुँच गए हैं।

रूसी अर्थशास्त्री किरिल दिमीत्रिएव, जो राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को सलाह दे रहे हैं, वॉशिंगटन पहुँच गए हैं। उनका यह अमेरिकी दौरा कई जटिल व्यवस्थाओं के साथ सफल हो पाया। दिमीत्रिएव पूर्व में रूस के एक महत्वपूर्ण व्यक्ति और पुतिन व उनके परिवार के मित्र माने जाते रहे हैं और उन पर रूस से बाहर अमेरिका की यात्रा करने पर पाबंदी थी।

अमेरिकी विदेश विभाग को दिमीत्रिएव पर लगे प्रतिबंधों में छूट देनी पड़ी, ताकि प्रशासन उन्हें वाशिंगटन यात्रा के लिए वीज़ा जारी कर सके। इन लोगों को लगा कि दिमीत्रिएव यात्रा इतनी महत्वपूर्ण थी कि उन्हें इस तरह की छूट दी जानी चाहिए। दिमीत्रिएव का जन्म सोवियत यूक्रेन में समाजवादी युग के दौरान हुआ था और उन्होंने रूस में, उसके बाद अमेरिका के हार्वर्ड और फिर स्टैनफर्ड विश्वविद्यालय में शिक्षा प्राप्त की। एक तरह से, दिमीत्रिएव को पश्चिमी वित्तीय जगत का अंदरूनी जानकार कहा जा सकता है। उन्होंने मैकिन्से कंसल्टेंसी विंग के साथ काम किया था और उसके बाद गोल्डमैन सैक्स में निवेश बैंकर के रूप में काम किया। वे निजी क्षेत्र से आने वाले ट्रम्प प्रशासन के कई अधिकारियों जैसी ही भाषा बोलते हैं।

- **दिमीत्रिएव हार्वर्ड व स्टैनफर्ड विश्वविद्यालयों में पढ़े हैं, मैकिन्से कंसल्टेंसी और गोल्डमैन सैक्स इनवेस्टमैंट बैंकर कंपनी में भी काम कर चुके हैं।**
- **वे वो ही भाषा बोलते हैं, जिसका उपयोग ट्रंप के निकटतम इकोनॉमिक अधिकारी भी करते हैं। अमेरिका ने भी दिमीत्रिएव की यात्रा को महत्वपूर्ण मानते हुए वीसा की औपचारिकताएँ ढीली करीं।**
- **रूस के लिए ऑयल का निर्यात अतिमहत्वपूर्ण है और इसी से प्राप्त धन से वो यूक्रेन युद्ध को फायनैंस कर पाता है।**
- **रूस की कोशिश है कि जब तक रूस के तेल को बेचने के लिए नये रास्ते नहीं बन जाते, तब तक अमेरिका के सैंक्शन्स पर कुछ ढिलाई रहे।**

व्लादिमीर पुतिन तेल प्रतिबंधों के महत्व को समझते हैं और उन्होंने इस फैसले की निंदा की है। रूसी तेल कंपनियाँ यूक्रेन में पुतिन के युद्ध की जीवनरेखा हैं, क्योंकि इन्हीं से लंबे समय तक चलने वाले इतने महंगे युद्ध के लिए धन जुटाया जा रहा है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आँध्र प्रदेश में चलती बस में आग लगी, 20 ज़िंदा जले

हैदराबाद से बैंगलूरु जा रही बस से एक बाइक टकरा गई, जिससे फ्यूल टैंक का ढक्कन खुल गया और आग लग गई

कुरनूल, 24 अक्टूबर। आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले के चिन्नातेकुर के निकट एक निजी बस में दोपहिया वाहन से टक्कर के बाद आग लग गई। इस हादसे में 20 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मरने वालों में बाइक सवार एक व्यक्ति भी शामिल है। हादसे पर पीएम मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शोक जताया है।

प्रारंभिक सूचना के अनुसार, बंगलूरू से हैदराबाद जा रही बस में हादसे के समय करीब 41 लोग सवार थे। इसमें कहा गया है कि टक्कर के बाद मोटरसाइकिल बस के नीचे आ गयी और इसके ईंधन टैंक का ढ क्कन खुल गया, जिससे आग लग गई।

कुरनूल के जिला कलेक्टर डॉ ए सिरी ने बताया, यह दुर्घटना सुबह 3 से 3:10 बजे के बीच हुई, जब बस एक बाइक से टकरा गई, जिससे ईंधन रिसाव हुआ और आग लग गई। कुल 41 यात्रियों में से 21 को सुरक्षित बचा लिया गया है। बाकी 20 में से 11 के शवों की ही अब तक पहचान हो पाई है। बाकी शवों की पहचान के प्रयास जारी हैं। कुरनूल संभाग के पुलिस उप महानिरीक्षक कोया प्रवीण ने बताया, 19 यात्री, दो बच्चे और दो चालक इस दुर्घटना में बाल-बाल बच गए। पुलिस ने बताया कि शॉर्ट सर्किट के कारण बस का दरवाजा जाम हो गया और कुछ ही

- **हादसा कुरनूल के चिन्नाटेकुर के पास अल सुबह 3:30 बजे हुआ। प्राइवेट बस में 40 यात्री सवार थे। अभी 11 शवों की ही पहचान हो पाई है, अधिकांश यात्री हैदराबाद के बताए जा रहे हैं।**
- **पुलिस ने बताया कि आग लगने से शॉर्ट सर्किट हुआ और बस के दरवाजे जाम हो गए और कुछ ही मिनटों में बस जलकर खाक हो गई।**
- **पुलिस ने बताया, हादसे में 21 यात्रियों को बचा लिया गया है, जिनमें दो बच्चे व दोनों ड्राइवर शामिल थे। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के निर्देश पर हैल्पलाइन शुरु की गई है।**
- **राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घटना पर शोक जताया। प्रधानमंत्री ने मृतकों के परिजनों को 2 लाख रूपए व घायलों को 50,000 रूपए सहायता राशि देने की घोषणा की।**
- **आँध्र प्रदेश पुलिस सूत्रों ने बताया, दोनों फरार ड्राइवर हिरासत में ले लिए गए हैं।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल ने सीताराम केसरी को पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी

नयी दिल्ली, 24 अक्टूबर। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पार्टी के पूर्व अध्यक्ष स्व. सीताराम केसरी को उनकी 25वीं पुण्यतिथि पर शुक्रवार को नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

- **25 साल में पहली बार है जब राहुल गांधी ने सीताराम केसरी को श्रद्धांजलि दी है। बिहार के दिग्गज नेता रहे केसरी 1996 से 1998 तक कांग्रेस अध्यक्ष रहे थे।**

गांधी ने यहां पार्टी मुख्यालय 24 अकबर रोड में केसरी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। केसरी लंबे समय तक कांग्रेस के कोषाध्यक्ष रहे। पूर्व केन्द्रीय मंत्री सीताराम केसरी 1996 से 1998 तक कांग्रेस अध्यक्ष भी रहे। उनका निधन 24 अक्टूबर 2000 को हुआ था।

केसरी बिहार कांग्रेस के दिग्गज नेताओं में से एक रहे हैं। बिहार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी ने बेगुसराय की रैली में कांग्रेस व आरजेडी के ग्रुप को "लट्ठबंधन" बताया

उन्होंने यह भी कटाक्ष किया कि बिहार को आरजेडी की लालटेन (चुनाव चिह्न) की जरूरत नहीं हैं, क्योंकि अब सबके मोबाइल में फ्लैश लाईट की सुविधा है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर। प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को बिहार में चुनाव प्रचार की शुरुआत की, जहाँ उन्होंने समस्तीपुर और बेगुसराय में दो सार्वजनिक रैलियों को संबोधित किया।

बेगुसराय में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि बिहार में चुनावी लड़ाई एनडीए और "लठबंधन" के बीच है।

उन्होंने कहा कि जंगल राज के नेताओं को केवल अपनी परिवारों की चिंता थी और उन्होंने बिहार के युवाओं के जीवन को नष्ट कर दिया, जबकि वर्तमान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अगुवाई में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने राज्य को समृद्ध किया।

- **मोदी ने इसी आक्रामक स्वर में आगे यह भी कहा, रैली में, कि आरजेडी ही जिम्मेदार है बिहार के युवाओं के बिहार से पलायन के लिए।**
- **मोदी ने यह भी कटाक्ष किया रैली में, कि गत दो दशकों में आरजेडी ने कोई चुनाव नहीं जीता है, पर, अभी भी उनका अभिमान आसमान छू रहा है और इसी के कारण झारखंड मुक्ति मोर्चा ने महागठबंधन की सदस्यता छोड़कर चुनाव में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया है।**

बिहार के बेगुसराय में अपनी दूसरी रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्य के लोगों को अब लालटेन (राजद का चुनाव चिन्ह) की जरूरत नहीं है, क्योंकि उनके पास अब मोबाइल फोन में टॉर्च है। उन्होंने कहा कि राजद बिहार से युवाओं के पलायन के लिए भी जिम्मेदार है।

उन्होंने कहा कि एनडीए ने जंगल राज को समाप्त किया और राज्य में अच्छे शासन को लाया। उन्होंने कहा कि इस बार बिहार में मुकाबला सत्तारूढ़ "गठबंधन और महागठबंधन" के बीच है। प्रधानमंत्री ने कहा, "आप सभी को याद रखना चाहिए कि राजद-कांग्रेस का नाम लेते ही निवेशक भाग जाते हैं। जो लोग नौकरियों के नाम पर गरीबों से ज़मीनें छीनते हैं, वो कभी आपको रोजगार नहीं देंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अगुवाई वाले झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के बिहार चुनाव से अपने छह उम्मीदवारों को वापस लेने के फैसले को लेकर भी आरजेडी पर हमला बोला और कहा, झामुमो ने लालू प्रसाद यादव की पार्टी के अहंकार और अक्खड़पन के कारण महागठबंधन छोड़ दिया।

जानकारी के लिए बता दें कि झामुमो ने छह उम्मीदवारों को मैदान में उतारा था, लेकिन अब उसने कहा है कि राजद और कांग्रेस की राजनीतिक साजिश के कारण अब वह चुनाव नहीं लड़ेगा। झामुमो ने यह भी घोषणा की है

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संक्षिप्त

ट्रैक्टर-ट्रोली जप्त

टोंक। अति. पुलिस अधीक्षक बृजेन्द्र सिंह भाटी के निर्देशन में वृत्ताधिकारी पीपलू अरविन्द कुमार एवं थानाधिकारी पीपलू के नेतृत्व में गठित पीपलू थाना पुलिस टीम ने पीपलू क्षेत्र में लडाई-झगडा करने व शान्ति भंग करने वाले 6 आरोपियों को बीएनएसएस एक्ट में गिरफ्तार किया गया है। इन आरोपियों में रामजीलाल, सोनू, बाबु पुत्र श्री किशोर गुर्जर, सीताराम पुत्र देवीलाल गुर्जर, श्योजी पुत्र हरिराम माली व कजोडमल नायक पुत्र मांगीलाल नायक समस्त निवासी कस्बा पीपलू शामिल है। इसी प्रकार थाना पीपलू पुलिस टीम ने अवैध बजरी परिवहन में कार्यवाही करते हुए एक ट्रेक्टर-ट्रोली व रैकी में प्रयुक्त लावारिस व संदिग्ध अवस्था में खडी एक मोटरसाईकिल को जप्त किया है। इस दौरान टीम ने ग्राम गहलोद में अवैध रूप से बजरी परिवहन करते हुये बजरी से भरे हुये एक ट्रेक्टर-ट्रोली को जब्त किया है। इस दौरान ट्रेक्टर चालक मौके से फरार हो गया जिसके खिलाफ प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है। इस कार्यवाही में रैकी में प्रयुक्त लावारिस व संदिग्ध अवस्था में खडी एक मोटरसाईकिल को भी जब्त किया गया है।

भक्तों ने पाई अन्नकूट की प्रसादी

राजगढ़। कस्बे के बस स्टैंड के समीप मानसरोवर कॉलोनी स्थित शिव मंदिर में शुक्रवार को विशाल अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु महिला पुरुषों ने प्रसाद ग्रहण कर धर्म लाभ कमाया। इससे पूर्व रात्रि से ही आयोजन को लेकर मानसरोवर कॉलोनी के आयोजन से जुडे आदिवासी सेवा संस्थान के अध्यक्ष से रामकिशन आदूका, बीएल मीणा, रामनिवास मीणा एवं प्रेम नारायण जांगिड सहित कार्यकर्ता मंदिर परिसर में प्रसादी बनाने में जुटे रहे। इस आयोजन में कढी, बाजरा, चावल मूंग एवं सब्जी सहित अन्य व्यंजन बनाए गए। शिव मंदिर में पूजा अर्चना एवं महा आरती के बाद प्रसाद वितरण का कार्य शुरू हुआ। देर सायं तक प्रसादी ग्रहण करने वाले लोगों का आवागमन चलता रहा। इस दौरान भारी संख्या में आसपास के लोग भी मौजूद रहे।

करीब 40 विद्युत कनेक्शन काट

निवाई। विद्युत विभाग द्वारा बकाया बिल राशि वसूली अभियान के तहत शहर में करीब 30-40 विद्युत कनेक्शन काटे गए एवं करीब ढाई लाख रुपए की वसूली की गई। विभाग के सहायक अभियंता कैलाशचन्द माली ने बताया कि बकाया बिल वसूली अभियान को लेकर बिर कॉलोनी, बापू नगर, 80 फीट रोड, अहिंसा सर्किल, झिलाय रोड, जिरात रोड, भगत सिंह कॉलोनी, दीनदयाल कॉलोनी व श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलोनी के आस पास के क्षेत्र में विद्युत के करीब 3 लाख रुपए बकाया चल रहे थे। उपभोक्ताओं द्वारा राशि जमा नहीं करवाने पर करीब 30-40 विद्युत कनेक्शन काटे गए है।

56 पव्वे जब्त

निवाई। निवाई थाना पुलिस ने अवैध देशी शराब परिवहन करने के मामले में एक जने को गिरफ्तार किया है। जिससे 56 पव्वे अवैध देशी शराब के जब्त किए हैं। थानाधिकारी रामजीलाल बैरवा ने बताया कि गांव डांगरथल में सार्वजनिक स्थान पर अवैध देशी शराब का परिवहन कर रहे आरोपी कानाराम सफेरा पुत्र गुलाबचन्द सफेरा निवासी डांगरथल को गिरफ्तार किया है।

हतीजर में खूनी संघर्ष, पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्ष झगड़े

भरतपुर (निस)। हलैना थाना क्षेत्र के गांव हतीजर में पुरानी रंजिश और भैर बाबा मेला में हुए विवाद को लेकर अंकुर और दीवान सिंह में झगड़ा हो गया। झगड़े में दोनों गुटों से एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। पुलिस व ग्रामीणों ने घायलों को हलैना अस्पताल में भर्ती कराया जहां से 9 जनों को भरतपुर रैफर कर दिया।

पुलिस हमलावरों की गिरफ्तारी में जुटी हुई है।जानकारी के अनुसार गांव हतीजर में अंकुर व दीवान पक्षों में अज्ञात कारणों से रंजिश चल रही थी। जिसके चलते शुक्रवार की सुबह तकरीबन 8 बजे एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के घरों पर हथियारों से लैस होकर हमला कर दिया।

हमले में एक दर्जन से ज्यादा महिला-पुरुष घायल हो गए। जिन्हें लहुलुहान अवस्था में हलैना अस्पताल में भर्ती कराया जहां से चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद तकरीबन एक दर्जन लोगों को जिला अस्पताल रैफर कर दिया जिनमें दो महिला शामिल है। फिलहाल उक्त मामले की किसी भी पक्ष ने प्राथमिकी दर्ज नहीं कराई है।

हलैना में झगड़े में दोनों गुटों से एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। जिनका अस्पताल में उपचार जारी है।

- झगड़े में दोनों गुटों से एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। पुलिस व ग्रामीणों ने घायलों को हलैना अस्पताल में भर्ती कराया

पुलिस हमलावरों की गिरफ्तारी में जुटी हुई है। थानाधिकारी रामावतार मीणा ने बताया कि हतीजर में दो पक्षों में झगड़ा हुआ है।

जिसमें एक दर्जन महिला-पुरुष घायल हुए हैं। गंभीर घायलों को जिला अस्पताल के लिए रैफर किया गया है।

500 मेट्रिक टन गोदाम की रखी नींव

शाहपुरा। शाहपुरा क्रय विक्रय सहकारी समिति लिमिटेड में समिति अध्यक्ष प्रभु दयाल जाट व मुख्य व्यवस्थापक प्रकाश जीजवाडिया ने समिति सदस्यों व पदाधिकारियों की मौजूदगी में शुक्रवार को बजट घोषणा के अंतर्गत योजना अंतर्गत 500 मेट्रिक टन के गोदाम निर्माण की नींव रखी।इस अवसर पर मुख्य व्यवस्थापक प्रकाश चंद जीजवाडिया ने बताया कि गोदाम का निर्माण सहकारी क्षेत्र में विश्व की सबसे बडी अन्न भंडारण योजना के अंतर्गत करवाया जा रहा है।

गोदाम निर्माण कार्य चार माह में पूरा कर लिया जाएगा।उन्होंने बताया कि गोदाम निर्माण से खाद्यान्न भंडारण क्षमता बढ़ेगी और किसान आत्मनिर्भर बनेंगे। समिति अध्यक्ष प्रभुदयाल जाट ने बताया कि केंद्र सरकार की इस योजना से कृषि सहकारी समितियां सशक्त बनेगी।वहीं किसान अपनी उपज तब बेच सकते है जब उन्हें अच्छा मूल्य मिल रहा हो जिससे वे दबाव में बिक्री करने से बच सकेंगे।

सार-समाचार

मूंगफली सहित कई जिंसे की बिक्री हुई

निवाई। दीपावली त्यौहार के बाद 7 दिन बाद कृषि मंडी में व्यापार पुनः शुरू होने के साथ ही करीब 5000 मूंगफली के कट्टे बिकने के लिए पहुंचे। व्यापार मंडल के संरक्षक ताराचन्द बोहरा ने बताया कि दीपावली के त्यौहार को लेकर कृषि मंडी में 17 से 23 अक्टूबर तक व्यापार बंद रहा।शुक्रवार को शुभ मुहुर्त में लक्ष्मीनारायण मंदिर में विधिवत पूजा अर्चना के बाद व्यापार पुनः शुरू हुआ। उन्होंने बताया कि व्यापार शुरू होने के साथ ही मंडी में करीब 5 हजार कटटे मूंगफली की आवक के साथ ही तिल, उडद, मूंग, ग्वार, कंडीशन, बाजरा, उडद व सरसों की भी आवक हुई। उन्होंने बताया कि मूंगफली 3500 से 5000, सरसों 6700 व बाजरा का भाव 2600 रूपए रहा। इस दौरान व्यापारियों ने जिंसो की बोली लगाई। इस अवसर पर अध्यक्ष ओमप्रकाश चंवरिया, आदित्य कटारिया, शिवप्रकाश पारीक, ओमप्रकाश कोलाडा, कमल पहाडी, अमित कटारिया, संजय भाणजा, रामअवतार घाटी, केदार खंडेलवाल, रवि अठावाल, मुरारीलाल पण्डा, राजेन्द्र चौधरी, सुरेश माधोराजपुरा, राहुल बोहरा, पवन चंवरिया, दीपक गुप्ता, गोपेश टोडवाल व विशाल गुप्ता सहित कई व्यापारी मौजूद थे।

'ईमानदारी का धन देता है सुख शांति'

सांभरझील। श्री प्रेम हंस वेदांत आश्रम हचूकड़ा के संत श्री श्री 108 हीरानंद जी महाराज ने कहा कि ईमानदारी और कठोर परिश्रम से किया गया धन अर्जित ही परिवार को सुख शांति देता है। आर्य समाज के सामने स्कूल रोड पर स्थित कुमावत मैरिज गार्डन का फीता काट कर शुभारंभ करते हुए उन्होंने कहा कि समर्पण, बेहतर सेवा कार्य से मिलने वाली संतुष्टि और धन हमेशा चिर स्थाई होता है। उन्होंने यह भी कहा कि अपनी कमाई का कम से कम 2 प्रतिशत हिस्सा गरीबों के कल्याण के लिए खर्च करने पर वह धन और फलीभूत होता है। इस मौके पर श्री गोपाल गौशाला के अध्यक्ष मुन्नालाल शर्मा ने आयोजक हनुमान प्रसाद कुमावत, रामरतन कुमावत, अश्वनी कुमावत, कमल कुमावत को अपनी ओर से ढेर सारी शुभकामनाएं दी तथा गौमाता की सेवा में भी सामर्थ्य अनुसार अपना योगदान किए जाने का आवाहन किया। इस मौके पर टेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष नाथूलाल तंवर, विश्व हिंदू परिषद के प्रखंड मंत्री सुनील शर्मा, कायस्थ समाज के शैलेश माथुर, अब्दुल सईद, कुलदीप परेवा, मुकेश कुमार, एडवोकेट अरविंद सिंह खंगारोत, महेश कुमार, आशीष कुमार साहू, आशीष गर्ग, सहित अनेक ने संत हीरानंद जी से आशीर्वाद लिया।

अन्नकूट महोत्सव 26 को

अलवर। अलवर न्यू प्रीत विहार विकास समिति के अध्यक्ष निरंजन सैनी ने बताया गोवर्धन के उपलक्ष में सभी कॉलोनी वासियों के सहयोग से न्यू प्रीत विहार कॉलोनी ब्लॉक नंबर 1 के पास जीवन की दुकान के पास ठ्याडड में ट्रांसपोर्ट नगर में 26 अक्टूबर विशाल अन्नकूट महोत्सव मनाया जा रहा है जो सुबह 10-00 बजे भगवान का भोग लगाकर भक्तों को प्रसाद खिलाया जाएगा एवं घर के लिए प्रसाद वितरण किया जाएगा सभी भक्तों से निवेदन है अन्नकूट महोत्सव में समय पर पहुंचकर भगवान का आशीर्वाद लेकर प्रसाद ग्रहण करें।

ओबीसी,एससी,एसटी समाज की महापंचायत 26 को

अलवर। अलवर में ओबीसी, एससी, एसटी और माइनॉरिटी वर्ग के प्रतिनिधियों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर न्यायपालिका, प्रशासन और सामाजिक घटनाओं पर चिंता जताई। प्रतिनिधियों ने कहा- देश में न्याय और संवैधानिक व्यवस्था पर लगातार असर पड़ रहा है।

सीजेआई पर जूता फेंकने की घटना को लेकर नाराजगी जताई गई। वक्ताओं ने कहा कि ऐसा कृत्य न्याय प्रणाली की गरिमा पर हमला है और इसमें शामिल लोगों पर देशद्रोह का मामला दर्ज होना चाहिए। ग्वालियर की अदालत में आंबेडकर मूर्ति से छेड़छाड़ और सहजपुर रामगढ़ में 2017 में मूर्ति हटाने की घटना का भी विरोध किया गया। मांग रखी गई कि रामगढ़ में बाबा साहब की अष्टधातु की मूर्ति लगाई जाए। प्रतिनिधियों ने आईपीएस पूरण की आत्महत्या का मामला भी उठाया। प्रतिनिधियों ने कहा कि यह प्रशासनिक दबाव और अन्यायपूर्ण माहौल का परिणाम है। बरेली में हरिओम वाल्मीकि हत्या मामले की सीबीआई जांच और आरोपियों को फांसी की सजा देने की मांग की गई। प्रतिनिधियों ने कहा कि जब सरकार चुप है तो समाज को आगे आना होगा।

पावटा पहुंची रेजांगला पवित्र माटी कलश यात्रा

- यादव महासभा पावटा द्वारा किया गया भव्य स्वागत
- कस्बे के चौक-चौराहों व प्रमुख स्थानों पर की पूजा-अर्चना, स्वागत के लिए उमड़ी भीड़
- स्वागत-सत्कार से पहले रेजांगला पवित्र माटी कलश यात्रा अलवर तिराया, विराटनगर, सोठाना, ठिकरिया, जयसिंहपुरा, बड़नगर, बावड़ी लाडाकाबास, बागावास पुलिया, पावटा सब्जी मंडी कट पहुंची। जहाँ लोगों ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का भव्य स्वागत किया। इस दौरान कई वक्ताओं ने संबोधित किया। वक्ताओं ने कहा- अहीर रेजिमेंट समाज का अधिकार है। उन्होंने बताया कि समाज के लोग खेतों में मेहनत करते हैं

पावटा। अखिल भारत वर्षीय यादव महासभा के राष्ट्रीय रेजांगला पवित्र माटी कलश यात्रा शुक्रवार की शाम पावटा पहुंची। इस दौरान शहर के चौक-चौराहों व प्रमुख स्थानों पर पवित्र माटी कलश की पूजा-अर्चना कर यात्रा में शामिल लोगों का जोरदार स्वागत किया गया। इसके लिए अखिल भारत वर्षीय यादव महासभा ने पहले से ही व्यापक तैयारी की थी। यादव समाज के साथ विभिन्न सामाजिक संगठन के लोगों ने भी यात्रा का जोरदार स्वागत किया। पावटा में यादव महासभा के नेतृत्व में यात्रा का स्वागत किया गया।

इस दौरान स्वागत के लिए भारी भीड उमडी। यहां से स्वागत-सत्कार से पहले रेजांगला पवित्र माटी कलश यात्रा अलवर तिराया, विराटनगर, सोठाना, ठिकरिया, जयसिंहपुरा, बडनगर, बावडी लाडाकाबास, बागावास पुलिया, पावटा सब्जी मंडी कट पहुंची। जहाँ लोगों ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का भव्य स्वागत किया। इस दौरान कई वक्ताओं ने संबोधित किया। वक्ताओं ने कहा- अहीर रेजिमेंट समाज का अधिकार है। उन्होंने बताया कि समाज के लोग खेतों में मेहनत करते हैं, वहीं उनके जवान सीमाओं पर देश की रक्षा करते हैं। इस दौरान रेजांगला के शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई और कलश यात्रा में लाई गई पवित्र मिट्टी के महत्व पर प्रकाश डाला गया। अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा द्वारा निकाली गई।

इस कलश यात्रा का उद्देश्य देशभर में भारत माता के वीर सपूतों की वीरता की दास्तान जन जन तक पहुंचानें के साथ साथ अलग से अहीर रेजिमेंट की स्थापना की मांग बुलंद करना भी है। इस दौरान पूर्व गृह राज्यमंत्री राजेन्द्र सिंह यादव, प्रदेशाध्यक्ष यादव महासभा राजस्थान महेन्द्र यादव, पूर्व प्रधान सुवालाल यादव, ब्लाक अध्यक्ष महादेव यादव, यादव महासभा पावटा अध्यक्ष भैरू लाल हुल्डा, पूर्व तहसीलदार रामनिवास यादव, मदन यादव, राजश्री स्कूल निदेशक राजेन्द्र यादव, जी एल यादव, डॉ .सुरेन्द्र यादव, विकास यादव, राहुल कुनेड सहित यादव समाज के लोग, जनप्रतिनिधि व ग्रामीण मौजूद रहे।

महिला से चेन झपटी

पावटा। प्रागपुरा पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत पावटा कस्बा स्थित बस स्टैंड पर एक महिला राजसमंद जाने के लिए अपने पति के साथ बस का इंतजार कर रही थी। बस में चढ़ते समय एक लड़की ने उसकी चेन झपट ली। प्रागपुरा निवासी अर्चना अपने पति विपिन कुमार शर्मा ज्यों कि राजसमंद एक सरकारी विद्यालय में थर्ड ग्रेड शिक्षक के पद पर कार्यरत है के साथ अपने गांव प्रागपुरा त्यौहार मनाने के लिए आई थी। शनिवार को छुट्टियां समाप्त होने पर अपने गांव प्रागपुरा से अपने कार्यस्थल राजसमंद रवाना होने के लिए, सुबह करीब 10 बजे पावटा बस स्टैंड पहुंचे। जहां कुछ देर इंतजार करने के बाद राजसमंद जाने वाली कोटपुतली डिपो की बस आई। जैसे ही रोडवेज बस आई तो वह बस में चढने लगे। इसी दौरान करीब एक 13- 14 साल की लडकी ने भीड का फायदा उठाकर महिला के गले से सोने की 4- 5 तोले की की चेन झपट ली और भाग गई। घटना से बस स्टैंड पर अफरा-तफरी मच गई। महिला के अनुसार यह घटना बस स्टैंड पर घटी, महिला ने तत्काल शोर मचाया, परंतु तब तक लडकी भीड़ का फायदा उठाकर मौके से फरार हो चुकी थी। स्थानीय लोगों ने महिला व उसके पति को समझाया और थाना प्रागपुरा जाकर घटना की शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी।

आबकारी पुलिस ने अवैध शराब के शक में पकड़ा एक कंटेनर

- करीब 80 किमी तक किया पीछा, कंटेनर में नहीं मिली शराब
- कंटेनर में डिजिटल लॉक होने के कारण पुलिस उसका दरवाजा नहीं खोल पाई। बाद में चालक से कोड डलवा कर कंटेनर का गेट का खोला और तलाशी ली। लेकिन कंटेनर में ऑनलाइन पार्सल का सामान भरा हुआ मिला

निवाई। आबकारी थाना पुलिस ने अवैध शराब का परिवहन करने का शक होने पर करीब 80 किलोमीटर तक पीछा कर टोंक सवाई माधोपुर रोड पर स्थित टोल नाके पर एक कंटेनर को पकड लिया।

कंटेनर में डिजिटल लॉक होने के कारण पुलिस उसका दरवाजा नहीं खोल पाई। बाद में चालक से कोड डलवा कर कंटेनर का गेट का खोला और तलाशी ली। लेकिन कंटेनर में ऑनलाइन पार्सल का सामान भरा हुआ मिला। आबकारी थानाधिकारी रामकृष्ण मीणा ने बताया कि सूचना मिली थी कि जयपुर की ओर से कंटेनर आ रहा है जिसमें जिसमें अवैध शराब भरी हुई है।

पुलिस ने पीओ अशोक कुमार के नेतृत्व में थानाधिकारी रामकृष्णमीणा, जमादार सुरेंद्र जाखड, सिपाही पृथ्वी सिंह, गिरवर सिंह, मनोहर सिंह, हरद्वारी मेघवंशी व बाबूलाल गुंसी चौकी पर पहुंचकर कंटेनर को रुकवाया। लेकिन चालक उसे भगाकर ले गया। पुलिस ने उसका पीछा किया।

कंटेनर चालक कंटेनर चालक तेज गति से चलाते हुए बरोनी, टोंक, घास, ककोड, उस्मानपुरा व गुमानपुरा के नाकों को पार करते हुए सवाई माधोपुर-उनियारा रोड पर स्थित टोल प्लाजा रुका जहां आबकारी पुलिस ने पहुंचकर उसे पकड लिया। पुलिस कंटेनर को निवाई में 80 फीट रोड पर स्थित आबकारी थाने पर लेकर आई। उन्होंने बताया कि कंटेनर डिजिटल लॉक होने के कारण खुल नहीं पाया। इसके बाद चालक से कोड लगवा कर कंटेनर का दरवाजा खोला और उसकी तलाशी ली।

कंटेनर में अवैध शराब नहीं पाई गई। बल्कि ऑनलाइन सामान के पार्सल भरे हुए थे। इससे आबकारी पुलिस की मेहनत बेकार हो गई।

त्योहारों पर यात्रियों के लिए जोधपुर-बान्द्रा स्पेशल ट्रेन

फुलेरा। त्योहारों के अवसर पर यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उत्तर पश्चिम रेलवे की ओर से जोधपुर-बान्द्रा टर्मिनस-जोधपुर के बीच एक ट्रिप विशेष सुपरफास्ट रेलसेवा चलाई जाएगी। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशिकिरन के अनुसार गाडी संख्या 04833 जोधपुर-बान्द्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल 26 अक्टूबर 2025 को जोधपुर से सुबह 6.45 बजे रवाना होकर जयपुर 12.00 बजे पहुंचेगी व 12.10 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन अगले दिन सुबह 7.00 बजे बान्द्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन मार्ग में मेडता रोड, डेगाना, मकराना, कुचामन सिटी, फुलेरा, जयपुर, दुर्गापुरा, सवाईमाधोपुर, कोटा, रतलाम, सूरत, वलसाड, वापी, बोरीवली सहित प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी। इस रेलसेवा में कुल 21 कोच होंगे, जिनमें एसी, स्लीपर व सामान्य श्रेणी के डिब्बे शामिल है।

हेड कांस्टेबल लालचंद का सैनिक सम्मान से अंतिम संस्कार

पावटा। पावटा प्रागपुरा नगरपालिका क्षेत्र के ढाणी माधोकाबास निवासी सीआरपीएफ जवान लालचंद यादव का असामयिक निधन हो गया। जब लालचंद के निधन की सूचना ग्रामीणों को लगी तो समूचे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

जवान का पार्थिव शरीर सबसे पहले प्रागपुरा थाना पुलिस परिसर में पहुंचा, जहां प्रागपुरा पुलिस थाना परिसर से प्रागपुरा थाना पुलिस की अगुवाई में मुख्य मार्गों से घर तक विशाल तिरंगा यात्रा निकाली गई। जवान का पार्थिव शरीर पैतृक गांव ढाणी माधोकाबास पहुंचा तो अंतिम दर्शन के लिए भारी संख्या में लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा।

सेना के जवानों और जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। जानकारी के मुताबिक लालचंद यादव सीआरपीएफ में हेड कांस्टेबल पद पर कार्यरत थे। उनके माता-पिता का पहले ही देहांत हो चुका है। अब उनके घर में उनके तीन भाई प्रकाश, बाबूलाल, रामनिवास, पुत्र राकेश यादव, पुत्री पिंकेश, बहन संतरा देवी व पत्नी कमला देवी है। परिजनों के मुताबिक जवान लालचंद बीमारी से ग्रसित थे और उनका इलाज आर्मी अस्पताल में चल रहा था। उपचार के दौरान गत दिवस जवान लालचंद ने दम तोड़ दिया।

वहीं सीआरपीएफ सेना की टुकड़ी द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर देकर सलामी दी गई। बेटे राकेश यादव ने चिता को मुखाग्नि दी। सेना के जवानों व क्षेत्रीय विधायक प्रतिनिधि आशीष धनकड, रामनिवास यादव, राजश्री स्कूल निदेशक राजेंद्र यादव, प्रागपुरा थाना प्रभारी कश्मीर सिंह सहित जनप्रतिनिधियों, पुलिस अधिकारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने पुष्प चक्र व फूल-मालाएं अर्पित कर जवान लालचंद को भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

सड़क हादसे में एक की मौत व दो युवक गम्भीर घायल

टोंक। बरौनी थाना क्षेत्र के सोहेला में गुरुवार रात्रि जिला अस्पताल टोंक में भर्ती पिता को खाना देकर वापस गांव लौट रहे बाइक सवार युवक की सड़क हादसे में अज्ञात वाहन द्वारा टक्कर मारने से मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरूवार रात्रि को ताहिर उम्र 25 साल अपने पिता मुजीब कलंदर जो कई दिनों से सआदत अस्पताल में भर्ती था, घटना के दौरान ताहिर बाइक से अपने पिता को खाना देने के बाद गांव के लिए वापस जा रहा था, तभी उसे सोहेला में अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिसे राहगीरो व ग्रामीणो ने गम्भीर हालत में एम्बुलेंस बुलाकर सआदत अस्पताल टोंक भर्ती करवाया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

एक वर्ष से फरार वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

- मारपीट के आरोप में एक वर्ष से चल रहा था फरार

कोटपूतली। जिले की हरसौरा थाना पुलिस ने वांछित अपराधियों के खिलाफ कार्यवाही करते हुये करीब एक वर्ष से फरार वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया हैं। एसपी देवेन्द्र कुमार बिश्नोई ने जानकारी देते हुये बताया कि वांछित मुल्जिमानों के खिलाफ चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत एएसपी वैभव शर्मा के सुपरविजन व बानसूर डीएसपी दशरथ सिंह के निर्देशन एवं थानाधिकारी प्रकाश सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने मारपीट के आरोप में एक वर्ष से फरार वांछित आरोपी सुनिल कुमार सैनी को गिरफ्तार किया हैं।

उल्लेखनीय हैं कि 06 नवम्बर 2024 को परिवादी छाजुराम पुत्र कन्हैयालाल माली निवासी पंडावाली ढाणी, हरसौरा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 03 नवम्बर 2024 को रात्रि करीब 09.30 बजे हम खाना खाकर अपने रिहायशी मकान में सो रहे थे तभी अचानक एकराय होकर कृष्ण पुत्र शीशराम गुर्जर निवासी रायली व 5-6 व्यक्ति जिन्होंने कपडा से मुंह बांध रखा था, जिनके हाथों में लोहे के सरिये नुकिला, आधुनिक हथियार लाठियों में नुकिली किले, लोहे की राड कुल्हाडी से मेरे रिहायशी मकान में घुस आये और आते ही मेरे पुत्र सोनू व पिन्टू के साथ मारपीट करने लगे, मेरे पुत्र चिल्लाये तो मैं व मेरी पत्नी बीच बचाव करवाने गये तो मेरे व मेरी पत्नी के साथ भी मारपीट की। जिससे मेरे दोनों पुत्रों व मेरा पैर फैक्चर हो गया।

इस पर पुलिस ने गहनता से अनुसंधान करते हुये घटना स्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरों को खंगालकर सैल आईण्डी ली जाकर बीटीएस प्राप्त कर संदिग्ध आरोपियान के मोबाईल नम्बर प्राप्त कर कॉल डिटेल व लोकेशन प्राप्त कर गहनता से विश्लेषण कर मुल्जिमानों को चिन्हित कर तलाश की। इसी दौरान आरोपी सुनिल कुमार पुत्र कैलाश चन्द सैनी निवासी मालियों की ढाणी टसकोला थाना प्रागपुरा को गिरफ्तार कर लिया।

घर में घुसकर मारपीट करने का आरोपी गिरफ्तार

कोटपूतली। जिले की हरसौरा थाना पुलिस ने वांछित मुल्जिमानां के खिलाफ चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत आपसी रंजीश को लेकर घर में घुसकर मारपीट करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। एसपी देवेन्द्र कुमार बिश्नोई ने जानकारी देते हुये बताया कि अभियान के तहत एएसपी वैभव शर्मा के सुपरविजन व डीएसपी बानसूर दशरथ सिंह के निर्देशन एवं थानाधिकारी प्रकाश सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने मारपीट में फरार वांछित मुल्जिम कर्मवीर गुर्जर को गिरफ्तार किया है। उल्लेखनीय है कि विगत 14 सितम्बर को परिवादी संजय पुत्र पप्पूराम स्वामी निवासी उखलेडा थाना हरसौरा ने दर्ज कराया था की वो बैठक में लेट रहा था तभी राहुल पुत्र खन्ना जाति चमार निवासी उखलेडा मेरे बारे में जानकारी जुटाकर करीब 09.30 बजे कर्मवीर सुद, दशरथ माडली व राहुल तीनों एक बाईक पर सवार होकर आये और घर में घुसकर मारपीट कर घायल कर दिया। इस पर पुलिस ने गहनता से अनुसंधान करते हुये घटना स्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरों को खंगाला।

फुलेरा उप कारागृह का औचक निरीक्षण, व्यवस्थाएं मिली संतोषजनक

- अधिकारियों ने बंदियों से वकील की सुविधा, भोजन, चिकित्सा व अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली
- निरीक्षण के दौरान किसी भी बंदी या स्टाफ द्वारा कोई शिकायत नहीं बताई गई

फुलेरा। नरेना रोड स्थित उप कारागृह भवन का शुक्रवार को जिला एवं सत्र न्यायाधीश जयपुर ग्रामीण अजीत सिंह हीगर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव (एडीजे) पवन कुमार जीनवाल ने औचक निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बंदियों से वकील की सुविधा, भोजन, चिकित्सा व अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव (एडीजे) पवन कुमार जीनवाल ने औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान किसी भी बंदी या स्टाफ द्वारा कोई शिकायत नहीं बताई गई। सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। निरीक्षण के दौरान उप कारापाल भरतलाल मीणा, मुख्य प्रहरी रामरतन, किशनलाल, पैरा लीगल वॉलेंटियर्स शिवरतन, कालूराम चूला, शंकरलाल छंदवाल, नरसिंग अधिकारी ताराचंद प्रजापति व लीगल एड असिस्टेंट चान्दमल सांभरिया सहित समस्त जेल स्टाफ मौजूद रहे।

बैठक आयोजित

अलवर। अतिरिक्त जिला कलक्टर शहर श्रीमती बीना महावर की अध्यक्षता में आज कलक्ट्रेट सभागार में खनिज विकास, पर्यावरण संरक्षण एवं अवैध खनन निगरानी समिति तथा जिला स्तरीय नार्को कोर्डिनेशन समिति की बैठक का आयोजित हुई।

बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर शहर ने निर्देशित किया कि अंतर विभागीय समन्वय से संवेदनशील क्षेत्रों में अवैध खनन व निर्गमन की रोकथाम हेतु प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित करते हुए कार्रवाई की जाए। उन्होंने ओवरलोड वाहनों के आवागमन पर भी गश्ती दलों द्वारा सघन जांच कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

वहीं नार्को कोआर्डिनेशन समिति की बैठक में उन्होंने निर्देश दिए की जिले को ड्रग्स फ्री बनाने के लिए भारत सरकार द्वारा तैयार किए गए मानस नारकोटिक्स कंट्रोल हेल्पलाइन-1933 का व्यापक स्तर प्रचार प्रसार किया जाए। जिस पर किसी भी व्यक्ति द्वारा नारकोटिक्स से संबंधित शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देश दिए।

पहली बार संभागीय आयुक्त संभालेंगे जयपुर, जोधपुर और कोटा के नगर निगमों की कमान

राज्य सरकार ने अधिसूचना जारी कर तीनों संभागीय आयुक्त को सौंपी जिम्मेदारी

जयपुर (कासं)। राज्य सरकार ने जयपुर, जोधपुर और कोटा में कांग्रेस सरकार द्वारा बनाए गए 2-2 नगर निगमों को मर्ज करने के बाद अब प्रशासक नियुक्त कर दिए हैं। इन निगमों के बोर्ड का कार्यकाल 9 नवंबर को पूरा होगा। इसके बाद तीनों जगहों पर संभागीय आयुक्त बतौर प्रशासक इन निकायों का कामकाज संभालेंगे।

संभवतः ऐसा पहली बार हुआ है, जब शहरी सरकार की कमान प्रशासक के तौर पर सीनियर अधिकारी यानी संभागीय आयुक्तों को सौंपी है। अब तक यह काम जिला कलेक्टर या नगर निगम के कमिश्नर को दी जाती थी।

ज्ञात रहे कि प्रदेश में ''सरकार वन स्टेट, वन इलेक्शन'' के तहत चुनाव करवाने पर काम कर रही है। इसी के तहत प्रदेश में कई शहरी निकायों में वर्तमान में प्रशासक लगे हुए है। फरवरी 2026 तक प्रदेश की सभी नगरीय निकायों में बोर्ड का कार्यकाल पूरा हो जाएगा। संभावना है कि सभी निकायों में एक साथ चुनाव करवाए जाएंगे।

स्वायत्त शासन निदेशालय के सूत्रों के मुताबिक इस साल दिसंबर में 50 नगरीय निकायों का कार्यकाल पूरा होगा। जबकि अगले साल जनवरी में 90 और फरवरी में एक निकाय का कार्यकाल पूरा होगा।

साल 2019 में तत्कालीन गहलोत सरकार ने जयपुर, जोधपुर और कोटा में वार्डों का पुनर्गठन करते हुए दो-दो नगर निगम बनाए थे। उसके बाद प्रदेश में उस समय 196 नगरीय निकाय हो गए थे। इन्हीं सभी नगरीय निकायों में साल 2019 से 2021 तक चुनाव भी कराए गए। इसके बाद सरकार ने जनसंख्या के आधार पर कई ग्राम पंचायतों को नगरीय निकायों में क्रमोन्नत कर दिया। तब से अब तक 116 नए निकाय बनाए गए, जबकि 3 निकाय को खत्म करने की अधिसूचना कुछ माह पहले जारी की गई। इनमें जयपुर, जोधपुर और कोटा का एक-एक निकाय है। इस तरह अब कुल 309 निकाय हो गई, जिनमें इस साल के आखिरी या अगले साल चुनाव करवाए जाएंगे।

- **ज्ञात रहे कि 9 नवंबर को इन तीनों जगहों बोर्ड का कार्यकाल पूर्ण होने के बाद संभागीय आयुक्त कामकाज शुरू करेंगे**
- **चर्चाएं है कि फरवरी तक प्रदेश में सभी 309 निकायों का कार्यकाल पूरा हो जाएगा, इसके बाद सरकार एक साथ इन जगहों पर चुनाव करवाएगी**

महापौर-सभापति के सीधे चुनाव के अनुभव सही नहीं : मंत्री खर्रा

जयपुर। राजस्थान में नगरीय निकायों (नगर पालिका, नगर परिषद, नगर निगम) में चुनाव करवाने को लेकर चर्चाएं तेज हो गई है। सबसे ज्यादा चर्चाएं इस बात की है कि, निकाय प्रमुख यानी अध्यक्ष, सभापति और मेयर का चुनाव कैसे होगा। परंतु इन चर्चाओं को शुक्रवार को यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने काफी हद तक विराम दे दिया। उन्होंने इस बार भी निकाय मुखिया के चुनाव अप्रत्यक्ष करवाने के संकेत दिए। मीडिया से बात करते हुए मंत्री खर्रा ने कहा कि, हमारे पास 2 तरह के विचार आए थे। एक समय हमने सीधे चुनाव करवाने का निर्णय करते हुए सीधे चुनाव भी करवाए थे, लेकिन उसमें बड़ी दिक्कत सामने आई थी। मुखिया किसी और अन्य विचारधारा का निर्वाचित हो गया। बोर्ड किसी अन्य विचारधारा वाला निर्वाचित हो गया। इस कारण उनमें पूरे पांच साल खींचतान चलती रही। अगर इस खींचतान का कोई समाधान निकलेगा तो हम उस पर विचार करेंगे अन्यथा वर्तमान में जो प्रक्रिया चल रही है उसी पर काम करेंगे। ज्ञात रहे कि वर्ष 2009 डायरेक्ट इलेक्शन करवाए गए थे। तब प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी। नगरीय निकायों में मुखिया के चुनाव प्रत्यक्ष (सीधे जनता द्वारा चुनने की प्रक्रिया) तौर पर करवाए थे। इस दौरान जयपुर नगर निगम में बोर्ड तो भाजपा का निर्वाचित होकर आया, लेकिन मेयर उस समय कांग्रेस की जीती थी। तब बोर्ड और मेयर में जबरदस्त विवाद रहा था। इस कारण तब लम्बे समय तक नगर निगम में संचालन समितियां नहीं बन सकी थी।

- **मंत्री खर्रा ने निकाय प्रमुख के अप्रत्यक्ष चुनाव के संकेत कहा कि ''पूर्व में जब सीधे चुनाव हुए तो मुखिया और बोर्ड अलग-अलग विचारधारा वाले आए, जिससे 5 साल खींचतान रही''**

निम्बाहेडा-मगंलवाड फोर लेन सड़क के लिए 260 करोड के ऋण को मंजूरी दी

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शुक्रवार को राजस्थान स्टेट रोड डवलपमेन्ट कोर्पोरेशन की 129वीं बोर्ड बैठक की अध्यक्षता की।

जयपुर (कासं)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शुक्रवार को राजस्थान स्टेट रोड डवलपमेन्ट कोर्पोरेशन की 129वीं बोर्ड बैठक की अध्यक्षता करते हुए निम्बाहेडा-मगंलवाड सडक फोरलेनकरण कार्य के लिए नाबार्ड से लिए जा रहे 260 करोड रुपए के लोन को मंजूरी प्रदान की। इसके साथ उन्होंने उन्होंने कम ब्याज दरों के कारण हुडको से नाबार्ड को शिफ्ट किए जा रहे 175 करोड़ रुपये के लोन की शिफ्टिंग को भी मंजूरी दी।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आरएसआरडीसी सभागार में आयोजित बैठक में आरएसआरडीसी के टर्न ओवर एवं लाभ में वृद्वि की सराहना करते हुए अधिकारियों से कहा की,कोस्ट सेन्ट्रिक अप्रोच के साथ काम कर प्रोजेक्ट वाइज कोस्टशीट तैयार करके उसका परीक्षण करे ताकि हर प्रोजेक्ट की वास्तविक लागत ,लाभ-हानि की सही जानकारी मिल सके।

आरएसआरडीसी की वित्तीय स्थिति की समीक्षा करते हुये उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये है कि अन्य राज्यों जैसे महाराष्ट्र व मध्यप्रदेश के रोड कॉर्पोरेशन के मॉडल की स्टडी करें ताकि आरएसआरडीसी को वित्तीय रूप से मजबूत किया जा सके। उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों के कॉर्पोरेशन जो बेहतरीन काम कर रहे है उनकी बेस्ट प्रेक्टिसेज को प्रदेश में लागू किया जाये। उपमुख्यमंत्री ने आरएसआरडीसी के कार्यो में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने की बात कहते हुये क्वालिटी कन्ट्रोल विंग को सुदृढ़ करने के निर्देश दिये।

उन्होंने कहा कि जो भी परियोजनाऐं संचालित की जा रही है वे निश्चित समय अवधि में पूरी होनी चाहिए। इस दौरान विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव आयोजना भवानी सिंह देथा, शासन सचिव वित्त नवीन जैन, शासन सचिव पीडब्ल्यूडी डीआर मेघवाल सहित सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं आरएसआरडीसी के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

डीजीपी ने दी पुलिसकर्मियों को दीपावली की बधाई

पुलिस मुख्यालय में शुक्रवार को आयोजित दीपावली स्नेह मिलन समारोह में पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने अधिकारियों और कर्मचारियों को मिठाईयां भेंट करते हुए दीपावली की बधाई दी।

जयपुर । पुलिस मुख्यालय में शुक्रवार को आयोजित दीपावली स्नेह मिलन समारोह में पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने अधिकारियों और कर्मचारियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं तथा उन्हें नई ऊर्जा, समर्पण और विश्वास के साथ कर्तव्यों का निर्वहन करने का आव्हान किया।

इस अवसर पर डीजीपी शर्मा ने कहा कि दीपावली केवल प्रकाश का पर्व नहीं बल्कि सकारात्मकता, विश्वास और सद्भाव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी चुनौतीपूर्ण क्यों न हों, यदि हमारे भीतर विश्वास और संकल्प की ज्योति जलती रहे तो कोई भी अंधकार स्थायी नहीं रह सकता। शर्मा ने कहा कि यह दीपावली पुलिस संगठन के लिए एक नए युग की शुरुआत है, क्योंकि देश में लागू हुए नवीन आपराधिक कानूनों के साथ न्याय प्रणाली में नई सोच और नई दिशा आई है। उन्होंने कहा कि इन कानूनों का उद्देश्य केवल दंड देना नहीं बल्कि न्याय को अधिक मानवीय, त्वरित और नागरिक-केंद्रित बनाना है। डीजीपी ने हाल ही में आयोजित नव विधान-न्याय की पहचान प्रदर्शनी का उल्लेख करते हुए कहा कि यह आयोजन केवल एक प्रदर्शनी नहीं था बल्कि पुलिस विभाग की तैयारी, प्रतिबद्धता और आत्मविश्वास का परिचायक था। इस प्रदर्शनी ने यह सिद्ध किया कि जब परंपरा और तकनीक साथ चलते हैं तो पुलिसिंग और भी आधुनिक और प्रभावी बनती है।

परिणय जैन पहुंचे इंडियन आइडल सीजन 16 के टॉप 30 में

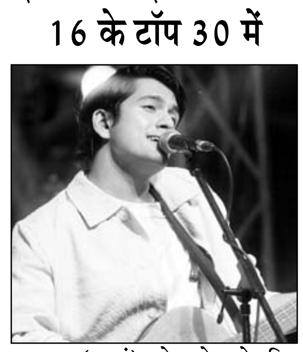

जयपुर (कासं)। देश के लोकप्रिय रिएलिटी शो 'इंडियन आइडल सीजन 16' में पिंक सिटी के युवा गायक परिणय जैन बाकलीवाल ने अपनी मधुर आवाज और उम्दा प्रस्तुति के साथ टॉप 30 में अपनी जगह बनाकर एक बार फिर जयपुर का मान बढ़ाया है। हाल ही में प्रसारित एपिसोड में उनकी ऊर्जावान परफॉरमेंस ने जजों को मंत्रमुग्ध कर दिया और प्रसिद्ध गायिका व शो की जज श्रेया घोषाल ने उनकी गायकी की सराहना करते हुए कहा कि उनकी आवाज़ में गहराई और भावनाओं का अद्भुत संतुलन है।'' गायन के साथ-साथ परिणय गिटार, की-बोर्ड, ड्रम्स और ढोलक जैसे वाद्य यंत्रों में भी पारंगत हैं। परिणय के दादा राजा बाबू बाकलीवाल बस्सी वाले ने बताया कि संगीत की प्रारंभिक शिक्षा उन्होंने अपनी मां श्वेता बाकलीवाल और उसके उपरांत डॉ. विजेन्द्र गौतम से शास्त्रीय संगीत सीखा है। जिनेश कुमार जैन ने बताया परिणय रेडियो सिटी जूनियर सुपर सिंगर, जयपुर आइडल और सुर संगम जैसी प्रतियोगिताओं में पुरस्कार जीत चुके हैं।

पहली बार किसी सरकारी सेवा पर उपभोक्ता दे सकेंगे ''स्टार रैटिंग''

विद्युत सेवाओं में सुधार के लिए जयपुर विद्युत वितरण निगम की पहल

डिस्कॉम्स चेयरमैन डिस्कॉम्स आरती डोगरा ने शुक्रवार को सभी जोनल मुख्य अभियंताओं तथा अधीक्षण अभियंताओं के साथ बैठक की।

जयपुर । जयपुर विद्युत वितरण निगम ने अपनी विद्युत सेवाओं में सुधार कर इसे कंज्यूमर फ्रेंडली, जवाबदेह एवं पारदर्शी बनाने की दिशा में अनूठी पहल की है। इस प्रक्रिया में जयपुर डिस्कॉम नया घरेलू कनेक्शन लेने वाले उपभोक्ताओं से फीडबैक लेने जा रहा है। प्रदेश में आमजन से जुड़ी सेवाएं प्रदान करने वाले किसी राजकीय निगम अथवा विभाग ने पहली बार निजी सेवा प्रदाता कंपनियों की तरह उपभोक्ताओं से फीडबैक लेने की ऐसी शुरूआत की है। फिलहाल नए घरेलू कनेक्शन को इसके दायरे में लिया गया है। धीरे-धीरे निगम की अन्य सेवाओं को भी इसके दायरे में लाया जाएगा। चेयरमैन डिस्कॉम्स आरती डोगरा ने शुक्रवार को सभी जोनल मुख्य अभियंताओं तथा अधीक्षण अभियंताओं के साथ फीडबैक मैकेनिज्म की तैयारियों की समीक्षा की और सोमवार से इसे प्रारंभ करने के निर्देश दिए। अब जो भी नए घरेलू कनेक्शन जारी होंगे उनमें फीडबैक देने की यह व्यवस्था प्रभावी रहेगी। निगम का प्रयास है कि 1 अक्टूबर से जो घरेलू कनेक्शन दिए गए हैं, उनमें भी ऐसा फीडबैक लिया जाए। नया घरेलू कनेक्शन जारी होने के बाद आवेदक को मोबाइल एप्लीकेशन 'बिजली मित्र 'डाउनलोड करने का एसएमएस प्राप्त होगा। एप्लीकेशन डाउनलोड करते ही 'के' नम्बर डालने पर उपभोक्ता को फीडबैक पॉप अप दिखाई देने लगेगा। इस पॉप अप पर क्लिक करते ही उपभोक्ता कनेक्शन प्राप्त करने के अपने अनुभव 1 से 5 स्टार रेटिंग के जरिए प्रदान कर सकेंगे। इस दौरान वे अन्य वैकल्पिक टिप्पणियां भी जोड़ सकेंगे। एक से 2 स्टार रेटिंग के मामलों में अधिकारी नियमित समीक्षा करेंगे और सेवा में सुधार के उपाय सुनिश्चित करेंगे। डिस्कॉम द्वारा इनकी नियमित मॉनीटरिंग की जाएगी। वृत्त तथा सब डिविजन स्तर पर प्रत्येक माह समीक्षा होगी। इसके आधार पर अधीक्षण अभियंता तथा सहायक अभियंता कार्यालयों की भी रैंकिंग तय होगी।

इस प्रक्रिया से निचले स्तर तक मॉनीटरिंग आसान होगी। कनेक्शन जारी करने में कई बार देरी की शिकायतें सामने आती हैं। ऐसे में स्वतंत्र फीडबैक लेने से वास्तविक स्थिति सामने आ पाएगी। इससे सेवाओं को त्वरित, बेहतर, पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने में डिस्कॉम प्रबंधन को मदद मिलेगी। उन अधिकारियों अथवा कार्मिकों की भी मॉनीटरिंग हो सकेगी जो आम आदमी से जुड़ी सेवाओं की अदायगी में लापरवाही बरतते हैं अथवा उन्हें लटकाते हैं।

उल्लेखनीय है कि जयपुर विद्युत वितरण निगम ने कुछ दिन पूर्व ही बिजली कनेक्शन को लेकर उपभोक्ताओं से फीडबैक लेने में हैल्पलाइन सेवा 181 का भी सहयोग लिया था। इस प्रक्रिया में 1 अप्रैल, 2025 से 15 अगस्त 2025 के दौरान विद्युत कनेक्शन लेने वाले 75 हजार 746 उपभोक्ताओं को मोबाइल पर कॉल किए गए। जिन 41 हजार 815 उपभोक्ताओं ने कॉल रिसीव किए।

सार-समाचार

ऑर्गेनिक फूड मार्केट का शुभारंभ

जयपुर, (कासं)। राज्य में जैविक खेती से जुड़े उत्पादों को उपभोक्ताओं तक पहुंचाने तथा उपभोक्ताओं को प्रमाणित जैविक उत्पाद उपलब्ध करवाने की दृष्टि से कृषि एवं कृषि विपणन विभाग द्वारा राज्य कृषि प्रबंध संस्थान, दुर्गापुरा, जयपुर में ऑर्गेनिक फूड मार्केट की स्थापना की गई है। ऑर्गेनिक फूड मार्केट की स्थापना का मुख्य ध्येय जैविक उत्पादकों को अपने उत्पाद का प्रचार-प्रसार करने हेतु प्लेट फार्म उपलब्ध कराना एवं उपभोक्ताओं को प्रमाणित जैविक उत्पाद उपलब्ध कराना हैं। ऑर्गेनिक मार्केट का संचालन राज्य कृषि प्रबंध संस्थान, दुर्गापुरा, जयपुर में साप्ताहिक आधार पर प्रत्येक शनिवार व रविवार को प्रातः 10 बजे से सांय 6 बजे तक किया जा रहा है। राजस्थान बीज एवं जैविक प्रमाणिकरण संस्था द्वारा जारी स्कॉप-सर्टिफिकेट धारी जैविक उत्पादक इस मार्केट में अपने उत्पाद विक्रय हेतु ला सकते हैं। ऑर्गेनिक फूड मार्केट में जैविक उत्पादों के लिए 10 स्थान उपलब्ध हैं। इस मार्केट में उत्पादकों को निःशुल्क स्थान उपलब्ध करवाया गया है इच्छुक प्रमाणित जैविक उत्पादक निदेशक, राज्य कृषि प्रबंध संस्थान, दुर्गापुरा को ऑर्गेनिक मार्केट में स्थान आवंटन हेतु आवेदन कर सकते हैं।

कर्मचारी संघ का अधिवेशन 26-27 को

जयपुर। राजस्थान आवासन बोर्ड कर्मचारी संघ का 11वां प्रान्तीय अधिवेशन 26 व 27 अक्टूबर को सामुदायिक केन्द्र सेक्टर 8 अरावली मार्ग मानसरोवर जयपुर में आयोजित होगा। संयुक्त महासचिव एवं प्रचार प्रसार समिति संयोजक गोविन्द नाटाणी ने बताया कि अधिवेशन के प्रथम दिवस 26 अक्टूबर को प्रातः 9.15 बजे झण्डारोहण के साथ प्रदेश अध्यक्ष दशरथ कुमार के अध्यक्षता में कार्यक्रम का शुभारम्भ किया जायेगा। अधिवेशन के प्रथम अधिवेशन में नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा, प्रमुख शासन सचिव नगरीय विकास एवं आवासन विभाग एवं आवासन मण्डल अध्यक्ष डॉ. देबाशीष पृष्टी, आवासन आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा, सचिव गोपाल सिंह, वित्तीय सलाहकार रोहिताश्व यादव, अखिल राजस्थान राज्य संयुक्त कर्मचारी संघ के प्रदेशाध्यक्ष महावीर प्रसाद शर्मा सहित विभिन्न कर्मचारी संगठनों के अध्यक्षों सहित आवासन मण्डल के पूर्व अध्यक्षों को आमंत्रित किया गया है। प्रथम दिवस के प्रथम चरण में कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री प्रदीप शर्मा द्वारा कर्मचारी संघ के किये गये कार्यो की रिपोर्ट का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जायेगा। दूसरे चरण में प्रदेशभर से आये शाखा अध्यक्षों सहित मण्डल के कर्मचारियों के द्वारा खुला मंच में मण्डल एवं कर्मचारियों के बारे में विस्तृत चर्चा करने के साथ ही महामंत्री के प्रतिवेदन पर चर्चा की जायेगी। अधिवेशन के द्वितीय दिवस में प्रान्तीय अध्यक्ष के चुनाव अधिकारी टी.एस. मीणा को नियुक्त एवं सहायक चुनाव अधिकारी आर.पी. शर्मा एवं जगमोहन सिंह राठौड को नियुक्त किया गया।

बंदूक की नोंक पर नगदी-जेवरात लूटे

जयपुर। मुहाना थाना इलाके में शुक्रवार को एक घर में अकेली महिला से लूट की वारदात होने का मामला सामने आया है। लोगों ने पुलिस कंट्रोल रूम को लूट की सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस और एसीपी मानसरोवर मौके पर पहुंच कर घटनाक्रम की जानकारी ली। फिलहाल पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है। पुलिस के अनुसार पीड़ित शंकर सिंह ने मामला दर्ज करवाया है कि वह मुहाना मंडी में व्यापार करता है और रोज की तरह वह व्यापार के लिए घर से निकला था। शुक्रवार सुबह जब करीब 10 बजे घर पहुंचा तो पत्नी रो रही थी। पत्नी ने बताया कि दो लड़के और एक लड़की जबरन घर में घुस आए और बंदूक दिखाकर उसे डरा कर घर में रखी नकदी और जेवरात लूटे और मौके से फरार हो गए। बदमाशों ने एक-एक करके समय लेकर घर से निकले। ताकि किसी को उन पर शक न हो। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर एफएसएल टीम को बुलाया है। कॉलोनी में लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशों की पहचान की जा रही है। पुलिस की कुछ टीमें संदिग्धों से इस संबंध में पूछताछ कर रही हैं।

कैडर पुनर्गठन के निर्देश जारी हुए

जयपुर । वित्त (ग्रुप 3) विभाग ने वर्ष 2025-26 में की गई बजट घोषणा के अनुरूप मंत्रालयिक संवर्ग के कर्मचारियों के विभागों में कैडर पुनर्गठन के निर्देश जारी किए हैं । निर्देशानुसार सभी संबंधित विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव, शासन सचिव आदि अधिकारियों को उनके अधीनस्थ विभागों में वित्त विभाग की अर्द्ध शासकीय टिप्पणी 16 अक्टूबर में निर्धारित मानदंडों के अनुरूप मंत्रालयिक कर्मचारियों के पदोन्नित के पद पुनर्गठन के आदेश जारी करने के निर्देश दिए हैं। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ एकीकृत के प्रदेश अध्यक्ष गजेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि कर्मचारी महासंघ एकीकृत द्वारा बजट घोषणाएं वर्ष 2025-26 की क्रियान्वित के लिए निरंतर आंदोलन किया जा रहा है तथा कार्मिक शासन सचिव शुचि त्यागी द्वारा दीपावली से पूर्व प्राथमिक वार्ता भी की गई थी । इसी क्रम में आज यह निर्देश जारी किए गए हैं। अब मंत्रालयिक कर्मचारियों के पदोन्नित के पदों का प्रतिशत संस्थापन अधिकारी 1.6 प्रतिशत, प्रशासनिक अधिकारी 4.5 प्रतिशत, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी 10 प्रतिशत एवं सहायक प्रशासनिक अधिकारी के 17 प्रतिशत पद निर्धारित किए गए हैं जबकि यदि किसी विभाग में कुल संख्या 35 से या उससे अधिक हुई तो उसमें भी कम से कम एक संस्थापन पदाधिकारी तथा 20 या उससे अधिक होने पर एक प्रशासनिक अधिकारी का पद क्रमोन्नत किया जाएगा। पुनर्गठन में प्रतिशत 0.5 प्रतिशत की आवश्यक अधिक होने पर एक पद माना जाएगा। सरकार को संविदा कर्मचारियों के लिए कार्मिक विभाग के अधीन एक संस्था गठित करने के लिए विभागों से सूचना मांगे जाने का भी स्वागत किया है। राजस्थान राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री एवं महासंघ के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरूका ने महासंघ के मंत्रालयिक कर्मचारियों को दूसरी पदोन्नित पर 4200 ग्रेड पे दिए जाने सहित 22 सूत्री मांग पत्र पर भी शीघ्र वार्ता कर त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

हर जिले में एक ब्लॉक विकसित बनाने के लिए सरकार ने शुरू की 'गुरु गोलवलकर आकांक्षी ब्लॉक विकास योजना'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अभिनव पहल से ''विकसित राजस्थान'' का संकल्प हो रहा साकार

जयपुर (कासं)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के सिद्धांत पर चलते हुए प्रदेश में आकांक्षी जिलों और आकांक्षी ब्लॉक्स का समावेशी एवं सतत विकास सुनिश्चित हो रहा है। प्रधानमंत्री की इस मुहिम को आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने की दिशा में प्रदेश के सभी 41 जिलों के एक-एक ब्लॉक में गुरु गोलवलकर आकांक्षी ब्लॉक विकास योजना भी शुरू की है।

उदयपुर के जनजाति बहुल खेरवाड़ा ब्लॉक में तैयार कंगारू मदर केयर वार्ड।

अविकसित जिलों के उत्थान के लिए जनवरी 2018 में आकांक्षी जिला कार्यक्रम (एडीपी) 112 जिलों में शुरू किया गया। इसके अन्तर्गत राजस्थान के पांच जिलों बारां, धौलपुर, जैसलमेर, करौली और सिरोही में स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा, कृषि एवं जल संसाधन, वित्तीय समावेशन एवं कौशल विकास और बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के लिए कार्य किया जा रहा है। इसके तहत अब तक बारां को 17.51 करोड़ रुपये, धौलपुर को 15.82 करोड़ जैसलमेर को 9.62 करोड़, करौली को 9.05 करोड़ और सिरोही को 4.81 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि प्राप्त हो चुकी है।

आकांक्षी जिला कार्यक्रम से जिलों में आए सकारात्मक बदलाव, सफलता और विकास को ब्लॉक स्तर तक पहुंचाने के लिए जनवरी 2023 में आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम की शुरूआत की गई। इस कार्यक्रम के तहत राजस्थान के 27 ब्लॉक किशनगंज, बसेड़ी, फतेहगढ़, मासलपुर, आबूरोड, नीमराना, सज्जनगढ़, रामसर, वैर, कोटड़ी, कोलायत, केशवरायपाटन, निम्बाहेडा, राजगढ़, रामगढ़ पचवारा, झोंथरी, संगरिया, अहोर, खानपुर, शेरगढ़, जायल, रानी, पीपलखूंट, भीम, गंगापुर सिटी, पीपलू और खेरवाड़ा शामिल हैं। इन ब्लॉक में स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा, कृषि एवं संबद्ध सेवाएं, बुनियादी ढांचा और कौशल विकास के क्षेत्र में काम किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बताया कि गुरु गोलवलकर आकांक्षी ब्लॉक विकास योजना के जरिए सभी चिन्हित ब्लॉकों में स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा, कृषि एवं संबद्ध सेवाएं, आधारभूत संरचना, कौशल विकास एवं सामाजिक विकास जैसे प्रमुख क्षेत्रों में नवाचार आधारित कार्यक्रम को बढ़ावा दिया जाएगा। इसकी मॉनिटरिंग के लिए 39 प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों को आधार बनाया गया है। इस योजना की विभिन्न स्तर पर निगरानी की जाएगी। राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर पर समितियां कार्यक्रमों की नियमित समीक्षा करेंगी। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समिति और जिला क्लक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय एवं ब्लॉक स्तरीय समितियां बनाई गई हैं।

वित्त वर्ष 2025-26 के राज्य बजट में आकांक्षी ब्लॉक्स के विकास के लिए 75 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसमें प्रत्येक ब्लॉक के लिए 1.5 करोड़ रुपये (अनटाइड निधि) का प्रावधान शामिल है। योजना से संबंधित 30 ब्लॉकों से प्लान ऑफ एक्शन प्राप्त हो चुके हैं। योजना में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले ब्लॉकों को प्रोत्साहन स्वरूप वार्षिक पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। पहला स्थान प्राप्त करने ब्लॉक को 50 लाख रुपये, दूसरे स्थान को 35 लाख, तीसरे स्थान को 25 लाख रुपये की पुरस्कार राशि दी जाएगी।

गुरु गोलवलकर आकांक्षी ब्लॉक विकास योजना में भिनाय, रामगढ़, सिणधरी, गढ़ी, शाहबाद, चौहटन, मसूदा, भूसावर, करेड़ा, बीकानेर, तालेड़ा, गंगरार, चूरू, सिकंदरा, पहाड़ी, सैपऊ, नावा, गलियाकोट, भादरा, चाकसू, सम, जालौर, झालरापाटन, झुंझूनूं, सेखाला, करौली, तिजारा, लाडपुरा, बानसूर, मेड़ता, बाली, आऊ, धमोतर, कुंभलगढ़, खंडार, सराड़ा, खंडेला, पिंडवाड़ा, सादुलशहर, उनियारा, कोटड़ा ब्लॉक शामिल हैं। योजना के क्रियान्वयन के लिए अब तक सभी चयनित ब्लॉकों द्वारा बेसलाइन डाटा संग्रहण का कार्य पूर्ण किया जा चुका है एवं सभी चयनित ब्लॉकों से ब्लॉक विकास रणनीति प्राप्त हो चुकी है।

उदयपुर जिले का जनजाति बहुल खेरवाड़ा ब्लॉक कठिन भौगोलिक परिस्थितियों, सीमित स्वास्थ्य सुविधाओं और जनजागरूकता की कमी के कारण 2 साल पहले तक कुपोषण और कम प्रसव पूर्व देखभाल (एएनसी) पंजीकरण सहित मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियों से जूझ रहा था। आकांक्षी ब्लॉक विकास कार्यक्रम में जुड़ने के बाद संपूर्णता अभियान, एएनसी खोजो अभियान, स्वस्थ धरोहर शिविरों जैसी गतिविधियों और कंगारू मदर केयर जैसे अभिनव नवाचारों ने खेरवाड़ा ब्लॉक में स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा दी है।

एएनसी खोजो अभियान चलाकर प्रत्येक गर्भवती महिला की पहचान व 12 सप्ताह के भीतर उनका पंजीकरण सुनिश्चित किया गया, जिसका परिणाम यह हुआ कि 2023 में जहां एएनसी पंजीकरण दर 60 प्रतिशत थी, वहीं 2025 तक यह 90 प्रतिशत तक पहुंच गई। पंचायत स्तर पर महिलाओं को सुरक्षित प्रसव के लिए प्रेरित किया गया जिससे संस्थानिक प्रसवों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई। साथ ही, कुपोषण और एनीमिया के मामलों में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई।

स्वस्थ धरोहर शिविरों के माध्यम से उच्च रक्तचाप, मधुमेह और अन्य असंचारी रोगों की जांच की गई। खेरवाड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में राजस्थान का पहला कंगारू मदर केयर लाउंज स्थापित किया गया, जहां कम वजन वाले शिशुओं (1800-2500 ग्राम) को उनकी माताओं के साथ त्वचा से त्वचा सम्पर्क में रखा जाता है। इससे शिशु का तापमान नियंत्रित रहता है और उसका वजन भी तेजी से बढ़ता है।

- **प्रदेश के 5 जिले और 27 ब्लॉक में समावेशी और समग्र विकास हो रहा सुनिश्चित**

Honouring Creativity: International Artist Day

International Artist Day celebrates the vision, talent, and impact of artists across the globe. Observed to acknowledge the vital role artists play in shaping culture, inspiring communities, and sparking dialogue, the day encourages people to appreciate all forms of creative expression, from painting and sculpture to music, dance, and digital art. It also highlights the importance of supporting artists and providing platforms for emerging talent. Workshops, exhibitions, and performances often mark the occasion, fostering creativity and collaboration. International Artist Day reminds us that art is not just a form of expression, but a bridge connecting humanity and imagination.

#KARNAVEDHA

Vedas And Ayurveda Recommend Karnavedha

The Ancient Tradition of Ear Piercing in Hindu Culture

Ear piercing, known in Sanskrit as *Karnavedha*, is one of the oldest and most revered rituals in Hindu culture, with roots tracing back thousands of years. Far beyond being a mere cosmetic practice, it has been considered a sacred rite of passage, intertwined with health, spirituality, and cultural identity. Ancient Hindu scriptures, including the Vedas and Ayurvedic texts, mention ear piercing as a vital ceremony that influences both physical well-being and the spiritual growth of an individual. Traditionally performed on infants and young children, Karnavedha is viewed as a way to harmonize the body, mind, and soul.

In the context of Ayurveda, ear piercing is believed to stimulate specific points on the earlobes that correspond to nerve endings connected to various organs. These points are thought to promote hearing, improve brain function, and maintain balance in the body's energy channels, or *nadis*. Beyond health, ear piercing is deeply symbolic. It signifies the child's initiation into social and religious life and is often accompanied by blessings for protection, longevity, and wisdom. In many Hindu communities, the ceremony is celebrated with prayers, offerings, and festive gatherings, reflecting the communal and spiritual importance of the practice. Historically, ear piercing was also associated with beauty, social identity, and marital symbolism. Earrings, often made of gold, silver, or precious stones, were believed to enhance the wearer's energy and attract positive vibrations. In some regions, the type of orna-

ment worn during and after the piercing could indicate family heritage, social status, and adherence to cultural traditions. The ritual was equally significant for both boys and girls, though the styles and ornaments differed according to gender and regional customs.

Over centuries, Karnavedha has retained its significance, blending ancient wisdom with contemporary practice. While modern parents may approach ear piercing primarily as an aesthetic choice, the traditional understanding emphasizes its holistic benefits. By aligning the ceremony with auspicious timings, mantras, and blessings, Hindu families continue to honour the ancient belief that ear piercing nurtures physical health, spiritual growth, and social belonging.

In essence, ear piercing in Hindu tradition is not merely an act of adorning the ears; it is a profound expression of cultural continuity, spiritual mindfulness, and respect for the body as a sacred vessel. The practice endures as a testament to the wisdom of ancient Indian thought, where even seemingly simple rituals carry layers of meaning, linking the individual to both community and cosmos.

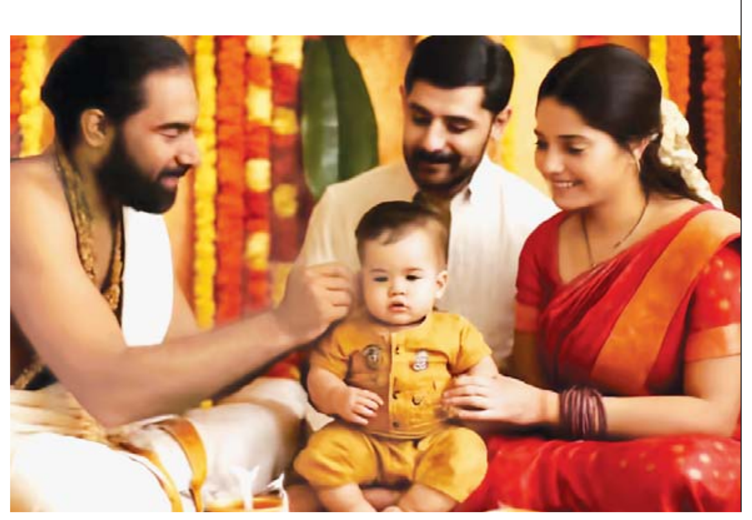

As a child, Asrani would dream of becoming an actor. While cycling around Man Prakash and Prem Prakash cinemas, he would look at the large film posters and tell his friends that one day, they would see him in such posters and hoardings. His dream came true. On the same wall of the same theatre hung the poster of his debut film *Hare Kaanch Ki Chudiyan*. His face appeared in the large hoarding with stars like Vishwajeet, Naina Sahu, Helen, and Rajendra Nath. It was the first sparkle that gave him joy and confidence.

#OBITUARY

Jaipur Ka Ladka Tujhe Alvida

Prakash Bhandari
The writer is a senior journalist

The lights were a little dim for Jaipur this time, as on Diwali, it lost one of its smiliest sons, Govardhan Asrani.

He left Jaipur in 1962 to join the newly set-up Film & Television Institute of India (FTII) in Pune and enrolled in the acting course. The good-looking Jaipur lad, who graduated in Arts from Rajasthan College, aspired to be a hero in films. But in tinsel town, Mumbai, barring two films, Govardhan Asrani found a career as a comedian.

He made a mark for himself at a time when the late Mehmood was the comedy king of Bollywood. Mehmood was no doubt a very talented actor, but in the eighties and early nineties, he became known for delivering double-meaning dialogues, which were nothing but vulgarity and earned cheap applause from the audience, something that escaped the eyes of the censor.

Asrani did not go down the Shakti Kapoor-Kader Khan route. Instead, he made people laugh with his own inimitable sense and style of humour. Asrani was versatile enough to play roles that showed his inner talent as an actor, something visible right from his early performances in films like Satyakam (1969) and Mere Apne (1971), among many others.

Asrani was very enthusiastic about appearing in a play titled *Baap Ka Baap*, a comedy drama scheduled to be staged at the Rajasthan International Centre (RIC). He was teamed up with Padmini Kolhapure in the play directed by Naveen Bawa. Padmini's husband, Tutu Sharma, son of the late Jagan Sharma, who produced the film Chaar Diwari, starring Shashi Kapoor and Nanda and directed by Krishna Chopra, wanted the play to be staged in Jaipur because of his and Asrani's connection with the Pink City.

I organised a meeting of Tutu Sharma with the RIC Director N. C. Goyal, but due to date issues, the show could not be held. It was suggested to be staged on November 9, but the RIC auditorium was already booked, and soon after, Asrani took ill and could never recover. His ambition to appear in a comedy play in his hometown remained unfulfilled.

In the year 2000, Asrani came to Jaipur when he was honoured by the Sangeet Natak Academy. The idea of honouring him came from the then Chairman of the Academy, Ramesh Borana of Jodhpur. During this award ceremony, where the then Chief Minister Ashok Gehlot was the Chief Guest, Asrani became emotional after receiving the award from Gehlot. Teary-eyed, he asked Borana if he could bring his old mother, who had come to witness the programme, onto the stage. Borana had barely agreed when Asrani stepped down from the podium, located his mother, lifted her, brought her to the stage, and placed the award at her feet.

Asrani grabbed the microphone and, with a heavy voice, said he was doubly honoured to receive the award in his hometown. He said that although he had received numerous awards, including the Filmfare Award, this was one he would cherish all his life. He dedicated the award to his mother amidst thunderous applause.

At the repeated request of the audience, he met the large crowd at Ravindra Manch by repeating his famous Sholay dialogue when he acted as the jailor.

I interviewed him at Khasa Kothi as he sipped his beer (second bottle). The interview revealed a lot about him as he talked about his journey from Jaipur to Mumbai via the Film & Television Institute in Pune.

Born into a Sindhi family of Thakurdas Asrani, which migrated from Pakistan's Sindh region to India during Partition, Asrani's early years in Jaipur were filled with struggle and determination. His father, Thakurdas, worked tirelessly, taking up multiple jobs before finally running a small saree business near Panch Batti. The store was known as Laxmi Saree Store.

Asrani studied at the Sindhi Panchayat School and later joined St. Xavier's School. He once attended a programme of the St. Xavier's alumni and talked about his younger days and his elder brother Hariram's association with the school, where he worked as a librarian. Asrani graduated from Rajasthan College in Arts, where his fascination with theatre and acting began to bloom.

While presenting a programme for Vividh Bharti, Asrani talked about his passion for acting and how he would mimic people and depict scenes through narration, talking about his experiences buying cinema tickets in crowded lines. The hilarious narrations were in typical Jaipuri language.

Asrani had to struggle, but gifted with a good voice, he worked as a casual artist at All India Radio, Jaipur, and also did radio plays under Nand Lal Sharma. He worked as an announcer for Rs. 15 per day.

> Asrani studied at the Sindhi Panchayat School and later joined St. Xavier's School. He once attended a programme of the St. Xavier's alumni and talked about his younger days and his elder brother Hariram's association with the school, where he worked as a librarian. Asrani graduated from Rajasthan College in Arts.

In 1962, when the first batch of the Film Institute started, he was selected for the acting course, where Ravindranath Kaul (Mani) was his junior. Mani Kaul also belonged to Jaipur. He was trained by the Director of the institute, Jagat Murari, and also by Roshan Taneja. But even after graduating from the FTII, he could not get any role and worked as a junior instructor at FTII, where he trained actresses like Jaya Bhaduri and Shabana Azmi. Jaya respected Asrani and treated him like her elder brother. When Jaya married Amitabh Bachchan, Asrani performed the rituals of Jaya's brother.

In 1973, Asrani teamed up with Amitabh and Jaya in Hrishikesh Mukherjee's *Abhimaan*, where he acted as Amitabh's secretary-cum-friend. In this film, he excelled in his cameo role.

During the interview, Asrani remembered the late Rajendra Golcha, who helped him join FTII and also supported him financially. Golcha was his schoolmate.

As a child, Asrani would dream of becoming an actor. While cycling around Man Prakash and Prem Prakash cinemas, he would look at the large film posters and tell his friends that one day, they would see him in such posters and hoardings. His dream came true. On the same wall of the same theatre hung the poster of his debut film *Hare Kaanch Ki Chudiyan*. His face appeared in the large hoarding with stars like Vishwajeet, Naina Sahu, Helen, and Rajendra Nath. It was the first sparkle that gave him joy and confidence.

He talked at length about his role as the jailor in Sholay. The film, currently celebrating its 50th year, is remembered not just for its leads, Dharmendra, Amitabh Bachchan, Hema Malini, Jaya Bhaduri, Sanjeev Kumar, but also for its villain, played gloriously by Amjad Khan, and the *Angrezon-ke-zamaane-ke-jailor,* played by Asrani.

With his Hitler-like moustache, barking orders at the prisoners, "aadhe idhar jao, aadhe udhar jao, aur baaki hamare saath aao," it was the kind of line that became instantly iconic. It has taken its place among the great one-liners written by Salim-Javed for this all-time classic. Asrani revealed that for this role, he had watched old footage of both Charlie Chaplin and Hitler and learned the dialogue delivery by minutely observing Hitler's war speeches, particularly his 'Ha' accent. He was paid Rs. 5,000 for his jailor's role by Ramesh Sippy.

Hrishikesh Mukherjee was Asrani's most favourite director, and he gave him several good roles where Asrani displayed his immense talent as an actor. Mukherjee always praised Asrani for his strong histrionic ability.

Asrani was married to Manju Bansal of Delhi, an actress active in the 1970s and 1980s. Both fell in love while working in *Aaj Ki Taaza Khabar* and *Namak Haraam*. Manju acted in a dozen films and later became a producer and director.

Asrani even tried his hand at playing a villain, in Gulzar's *Koshish* (1972), he played Jaya Bhaduri's evil brother who was responsible for her child's death, but it didn't work out. He tried to break away from the constant comic roles by becoming a hero in *Chala Murari Hero Banne* (1977), but the film didn't do well despite sincere performances and starry cameos. Some say his short height became a hindrance to becoming a hero. He was highly successful in producing Gujarati films and, for many years, remained an icon of Gujarati cinema. His jodi with Rajesh Khanna, they did more than 20 films together, including *Bawarchi* (1972), *Namak Haraam* (1973), and *Aap Ki Kasam* (1974), was among the most beloved. In November 2024, during an event in Ajmer, Asrani spoke words that captured the grit of his Sindhi heritage and the humility of his upbringing. Standing before a cheering crowd, he said with a proud smile:

"Have you ever seen a Sindhi beggar in any country? No, right? Because Sindhis never beg. We sold marbles, traded clothes, sold pakodas, but never begged. That's our biggest identity."

The audience applauded when he added, "You won't find a Sindhi bandit or terrorist anywhere in the world, but you'll surely find a businessman."

He had almost retired from films but made a comeback after a long gap in a web series *The Trial,* where he played the role of a canny Parsi lawyer.

rajeshsharma1049@gmail.com

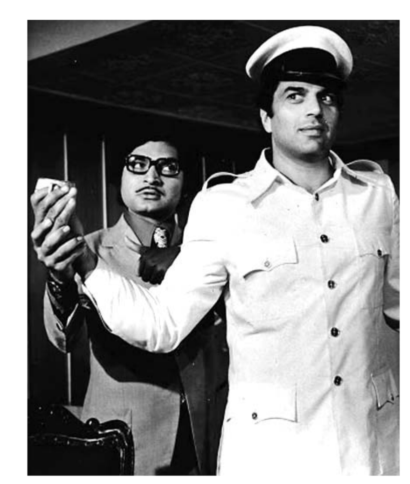

#HIGHLIFE

Shinrin-yoku, The New De-stress

Forest bathing or taking in the forest, embracing nature for health and well-being

Forest bathing, also known as forest therapy or shinrin-yoku, is a therapeutic practice that involves immersing oneself in natural forest environments to promote physical, mental, and emotional well-being. Originating in Japan during the 1980s, the term shinrin-yoku literally translates to 'taking in the forest atmosphere' or 'forest bathing.' This concept was developed as a way to counterbalance the rising stress and health problems associated with urbanization by encouraging people to reconnect with nature.

Unlike a simple walk or hike in the woods, forest bathing is a mindful practice that invites participants to engage all their senses, sight, sound, smell, touch, and sometimes even taste, while slowly and intentionally moving through a forest environment. The goal is to deepen the connection with the natural world, creating a restorative experience that fosters relaxation, reduces stress, and boosts overall health.

One of the key aspects of forest bathing is the use of the forest's natural elements, such as the scent of pine trees, the sound of rustling leaves, and the texture of bark and moss. Scientific studies have shown that exposure to these natural stimuli can lower cortisol levels (the body's primary stress hormone), reduce blood pressure, and enhance immune function. Certain compounds released by trees, known as phytoncides, have antibacterial properties and may improve immune responses when inhaled during forest bathing sessions.

Forest therapy has also been linked to improvements in mood and mental clarity. Spending time in green spaces is known to reduce anxiety and depression, enhance focus, and increase feelings of happiness. For people living in busy cities or stressful environments, forest bathing offers a chance to unplug from technology and daily worries, encouraging mindfulness and presence in the moment. Certified forest therapy guides often lead sessions to help individuals fully experience and benefit from forest bathing. These guides design activities that encourage slow walking, sensory awareness, and quiet contemplation, helping participants to reconnect with nature in a meaningful way. This structured approach distinguishes forest bathing from ordinary outdoor recreation by emphasizing healing and mindfulness.

With growing awareness of the health benefits of nature immersion, forest bathing is gaining popularity worldwide. Many parks and natural reserves now offer guided forest therapy programs, and the practice is being integrated into wellness routines and even clinical treatments.

In a world where stress and disconnection from nature are common, forest bathing provides a simple yet powerful way to restore balance and well-being. By stepping into the forest and truly experiencing it with all the senses, individuals can find peace, vitality, and a renewed appreciation for the natural world.

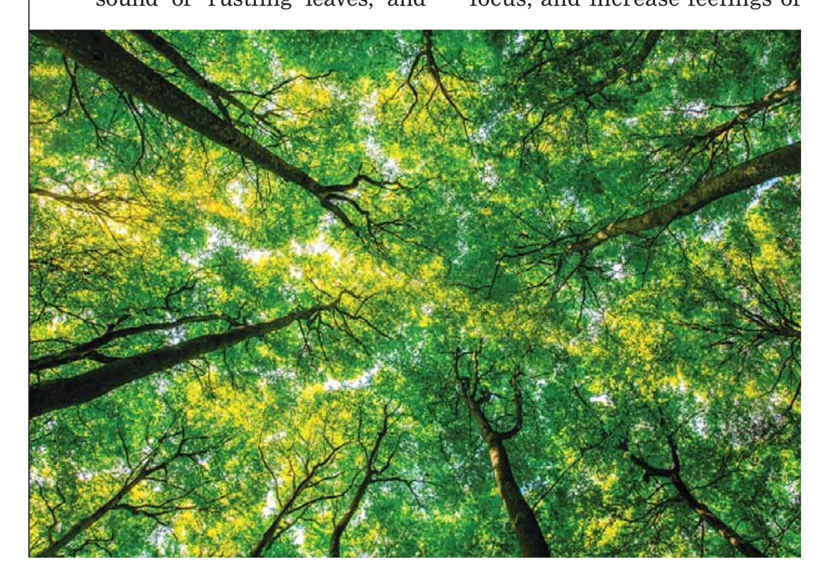

THE WALL

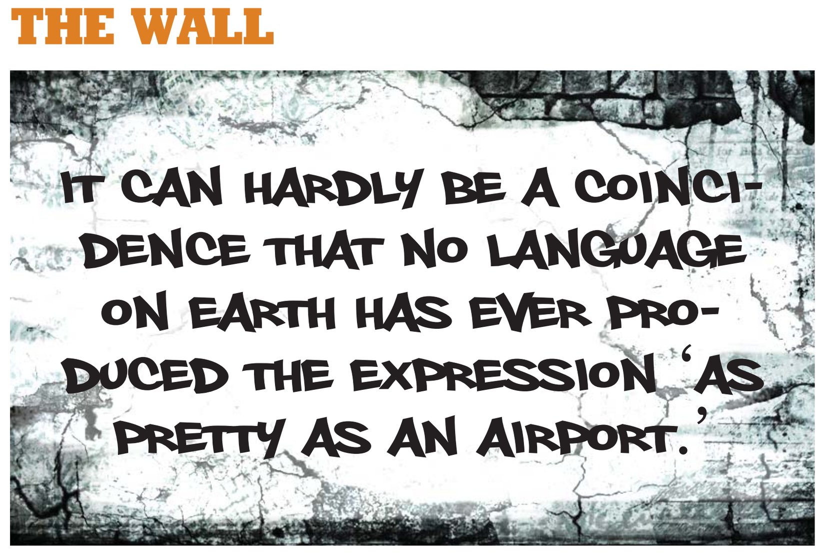

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

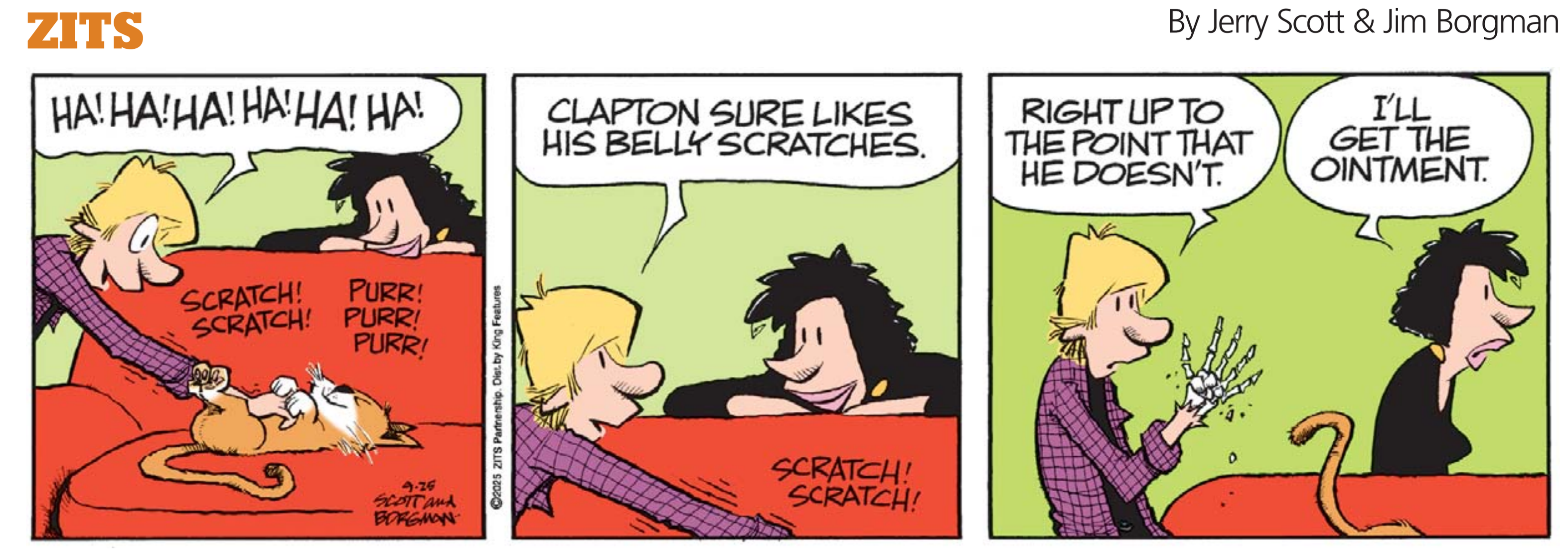

बीकानेर पूर्व राजघराने का संपत्ति विवाद : राज्यश्री कुमारी को जूनागढ़ में प्रवेश से रोका

राजश्री कुमारी को पैत्रिक मंदिर के दर्शन प्रवेश से रोकने के लिये पुलिस का जाब्ता भी बुलाया

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर पूर्व राजघराने का सम्पत्ति विवाद शुक्रवार को फिर चर्चा में आ गया है, जब राजश्री कुमारी को जूनागढ़ स्थित उनके पैत्रिक मंदिर के दर्शन प्रवेश से रोक लिया गया। इतना ही नहीं उन्हें रोकने के लिये पुलिस का जाब्ता भी बुलाया गया। कोटगेट थानाधिकारी विश्वजीत सिंह भी मौके पर पहुंचे, लेकिन राज्यश्री कुमारी, उनके विधि सलाहकार एडवोकेट कमल नारायण पुरोहित और अविनाश व्यास को प्रवेश की आज्ञा नहीं दी गई। प्रवेश को लेकर करीब एक घंटे तक दोनों पक्षों की ओर से वाद-प्रतिवाद चलता रहा। वहीं राजश्री कुमारी के अधिवक्ताओं की ओर से 13 अक्टूबर को न्यायालय की ओर से सुनाए गये फैसले की कॉपी भी पुलिस को दिखाई, किन्तु पुलिस ने किसी प्रकार से प्रवेश नहीं दिया गया। तो सिद्धिकुमारी के अधिवक्ता अशोक व्यास ने ऐसे किसी प्रकार के फैसले को सही नहीं बताया, जिसके चलते राज्यश्री कुमारी को वापस लौटना पड़ा।

राज्यश्री का तर्क था कि मंदिर दर्शन करने के आने की सूचना दी गई थी। राज्यश्री कुमारी ने कहा कि हमें न्याय मिलेगा। उन्होंने कहा कि जूनागढ़ किले में हमारे मंदिर हैं, अगर मुझे मंदिर में ही जाने पर रोका गया तो गलत है। आज ही पूर्व महाराजा नरेंद्र सिंह की पुण्यतिथि है, लेकिन आज ही के दिन उनकी बहन को किले में बने मंदिर में प्रवेश करने से रोका गया।

राज्यश्री के निजी सचिव गोविंद सिंह ने कहा कि एडीजे कोर्ट तीन ने राज्यश्री कुमारी के प्रशासक होने और सम्पतियों पर कब्जा व हिसाब-किताब का नियंत्रण होने के तथ्य को सही मानते हुए राज्यश्री के प्रार्थना पत्र को स्वीकार किया है। साथ ही चल अचल संपत्तियों के संचालन के योग्य माना है। इसी निर्णय के आधार पर राज्यश्री का स्टाफ जूनागढ़ पहुंचा था। जहां उनके आने की सूचना पहले पहुंच गई। ऐसे में प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड और पुलिस ने राज्यश्री व उनके स्टाफ को अंदर जाने से रोक दिया था।

बीकानेर पूर्व से भाजपा विधायक सिद्धि कुमारी पर राज्यश्री कुमारी ने पहले भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका आरोप है कि सरकार और विधायकी के दबाव में मनमानी कर रही है, जिसके चलते आज मंदिर के दर्शनार्थ भी पुलिस बुलाई गई है ताकि

पूर्व राजघराने के संपत्ति विवाद मामले में राज्यश्री कुमारी को जूनागढ़ में प्रवेश से पुलिस ने रोक दिया

वे मंदिर में प्रवेश न कर सके। उन्होंने कानून व्यवस्था पर भरोसा जताया और कहा कि उन्हें न्याय जरूर मिलेगा। हालांकि सिद्धि कुमारी की ओर से अभी तक इस मामले में कोई बयान जारी नहीं किया गया है।

डॉ. करणी सिंह की वसीयत में उनकी संपत्ति से जुड़े ट्रस्टों की देखरेख के लिए कुल 5 प्रशासक बनाए गए थे। इनमें डॉ. करणी सिंह की पत्नी सुशीला कुमारी, राजसिंह डूंगरपुर, अरविंद सिंह मेवाड़, मानेकशा और राज्यश्री बतौर प्रशासक रहे। जब तक सुशीला कुमारी जीवित थी, तब तक इसका संचालन उन्होंने ही किया। पांच में से चार प्रशासक की मृत्यु के बाद राज्यश्री अकेली प्रशासक रही हैं। इसी को आधार बनाते हुए सिद्धि कुमारी ने उनके प्रशासकशिप को ही चुनौती दी थी। सुशीला कुमारी की मृत्यु के बाद उनकी बेटी सिद्धि कुमारी ने संपत्तियों पर अपना अधिकार जताया। बाद में सिद्धि कुमारी ने अदालत में केस दायर कर दिया। कोर्ट से मिले स्टे को राज्यश्री कुमारी ने अपने पक्ष में माना पूर्व राजमाता सुशीला कुमारी के देहांत के

- **राज्यश्री कुमारी, उनके विधि सलाहकार एडवोकेट कमल नारायण पुरोहित और अविनाश व्यास को प्रवेश की आज्ञा नहीं दी गई**

बाद सिद्धि कुमारी ने जिला न्यायाधीश संख्या तीन में एक वाद प्रिंसेस राज्यश्री कुमारी व प्रिंसेस मधुलिका कुमारी समेत अन्य के खिलाफ केस दायर किया। इसमें सिद्धि कुमारी ने राज्यश्री के नियंत्रण से संपत्तियों, हिसाब-किताब का नियंत्रण और कब्जा मांगा था। इस पर राज्यश्री ने कोर्ट में कहा कि सिद्धि कुमारी मान रही है कि सम्पतियों का नियंत्रण व हिसाब-किताब प्रशासक के रूप में उनके पास है, तो फिर सिद्धि कुमारी अवैध रूप से इन संपत्तियों को खुर्द-बुर्द करने का प्रयास कर रही है। ऐसे में कोर्ट ने कहा कि जब तक केस में फैसला नहीं होता, तब तक स्टे रहेगा। इस स्टे को राज्यश्री ने अपने पक्ष में माना है। इसके बाद राज्यश्री ने फिर से ट्रस्ट पर स्वयं के अधिकार का दावा किया है।

महाराजा करणी सिंह के समय और इसके बाद कुछ ट्रस्ट गठित किए गए। इनमें महाराजा गंगा सिंह ट्रस्ट, महाराजा राय सिंह ट्रस्ट, करणी सिंह फाउंडेशन, करणी चैरिटेबल ट्रस्ट और महारानी सुशीला कुमारी ट्रस्ट का गठन किया गया। इन पांचों ट्रस्ट को पहले करणी सिंह की बेटी राज्यश्री कुमारी ही देखती थीं। महाराजा करणी सिंह ने राज्यश्री को कुछ अधिकार दिए थे। इसके बाद अधिकांश ट्रस्ट में राज्यश्री ही सर्वेसर्वा रही।

वर्तमान में गंगा सिंह ट्रस्ट के अधीन लालगढ़ पैलेस और लक्ष्मी निवास पैलेस हैं। ये दोनों फाइव स्टार होटल के रूप में संचालित हो रहे हैं। लालगढ़ और लक्ष्मी निवास की मौजूदा कीमत अरबों रुपए में आंकी जा रही है। दोनों पैलेस एक ही परिसर में कई बीघा जमीन पर हैं। बीकानेर पूर्व की विधायक सिद्धि कुमारी लालगढ़ के ही एक हिस्से में रहती हैं। पहले पूर्व राजमाता सुशीला कुमारी (पूर्व महाराजा करणी सिंह की पत्नी) भी लालगढ़ के इसी हिस्से में रहती थी। उनके निधन के बाद से सिद्धि कुमारी यहां रहती हैं।

शादी के 27 दिन बाद ही युवती की मौत

पिता ने बेटी की मौत डेंगू से होना बताया, किसी तरह का शक जाहिर नहीं किया

बीकानेर, (निसं)। जिले के छत्तरगढ़ में रहने वाली एक नव विवाहिता की शादी के 27 दिन बाद ही मौत हो गई। युवती के पिता ने बेटी की मौत डेंगू से होना बताया है और किसी तरह का कोई शक जाहिर नहीं किया है। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है।

बीकानेर के पाबू बारी क्षेत्र में रहने वाले गोपाल दास सोनी की बेटी पूजा सोनी की छत्तरगढ़ से बीकानेर लाते हुए रास्ते में मौत हो गई। पूजा की शादी महज 27 दिन पहले ही छत्तरगढ़ के चुन्नीलाल सोनी के साथ हुई थी। शादी के बाद ही वो बीमार हो गई। डॉक्टर ने डेंगू बताया तो उसे इलाज के लिए बीकानेर लाने का निर्णय किया गया। छत्तरगढ़ से बीकानेर आते समय रास्ते में पूजा ने दम तोड़ दिया। उसका शव छत्तरगढ़ के सरकारी अस्पताल में रखा गया। जहां पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द किया गया। शादी के महज 27 दिन बाद ही मौत होने के कारण पुलिस ने पोस्टमॉर्टम करवाया है। पिता गोपाल दास सोनी ने पुलिस को दी मर्ग में लिखा है कि बेटी की मौत डेंगू से हुई है और किसी तरह का कोई शक नहीं है।

बाइक चोर गिरफ्तार

बीकानेर, (निसं)। पुलिस ने मोटर साइकिल चोरी के मामले में एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है। ये युवक बांद्रा बास क्षेत्र का रहने वाला है और इससे कुछ और चोरियों के राज खुलने की उम्मीद की जा रही है। सदर थाना प्रभारी दिगपाल सिंह ने बताया कि मोनू पुत्र फारुख को गिरफ्तार किया गया है। महज 24 साल के इस युवक ने विजय शॉपिंग मॉल के अंडरग्राउंड में खड़ी मोटरसाइकिल चोरी कर ली थी। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर छानबीन करके उसे गिरफ्तार कर लिया गया। अब उससे शहर में चोरी हुई अन्य मोटर साइकिल के बारे में भी पूछताछ की जा रही है। उम्मीद की जा रही है कि उससे कुछ और चोरियों का राज खुल सकता है। इस मामले में सदर थाने के हेड कानिस्टेबल संदीप कुमार ने छानबीन कर मोनू को गिरफ्तार किया है। वहीं कोतवाली थानाधिकारी रामगोपाल की भी विशेष भूमिका रही।

एम्बुलेंस में महिला का सुरक्षित प्रसव कराया

निवाई/गुंसी, (निसं)। गुरुवार की रात्रि में निवाई आते समय 108 एम्बुलेंस कर्मियों ने एम्बुलेंस में ही एक महिला का सुरक्षित प्रसव कराया। दत्तवास निवासी 22 वर्षीय राधा देवी को गुरुवार की रात करीब आठ बजे

- **राधा देवी ने एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया**

प्रसव पीड़ा शुरू होने पर पायलट देवराज गुर्जर व ईएमटी गुलबाज अहमद नकवी ने तत्काल मदद पहुंचाई। गांव से निवाई अस्पताल जाते समय प्रसव पीड़ा बढ़ने पर उन्होंने रास्ते में ही एंबुलेंस रोक दी और साहस दिखाते हुए सुरक्षित प्रसव कराया। रात 8:15 बजे राधा देवी ने एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया। मां और बेटी दोनों स्वस्थ हैं, जिन्हें बाद में उपजिला अस्पताल निवाई में भर्ती करवाया गया। स्थानीय लोगों ने दोनों कर्मियों की संवेदनशीलता और तत्परता की जमकर सराहना की।

एम्बुलेंस में सुरक्षित प्रसूता व परिजन।

एमबीबीएस छात्रा ने फांसी लगा आत्महत्या की

कोटा, (निसं)। नयापुरा थाना इलाके में एमबीबीएस थर्ड ईयर की छात्रा ने घर में फांसी का फंदा लगाकर सुसाईड कर लिया। नयापुरा थानाधिकारी विनोद कुमार ने बताया कि आकाशवाणी निवासी प्राची मीणा (21) जो मेडिकल कॉलेज की थर्ड ईयर की छात्रा थी।

थानाधिकारी ने बताया कि प्रथमदृष्टया से परिजनों से पूछने पर मामले में सामने आया कि प्राची की परीक्षाएं चल रही थी और एक पेपर बिगड़ने के बाद डिप्रेशन में थी, जिसके चलते उसने यह कदम उठाया है। थानाधिकारी ने बताया कि घटना के समय प्राची की बड़ी बहन घर में थी जब उसने प्राची को फंदे पर लटका देखा तो उसे नीचे उतारकर अस्पताल लेकर गई, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद छात्रा को मृत घोषित कर दिया। मृतक के पिता झालावाड़ आकाशवाणी में कार्यरत हैं। सूचना पाकर मृतक के पिता भी कोटा पहुंचे। मृतका के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। मामला दर्ज कर मामले में अनुसंधान किया जा रहा है।

प्रॉपर्टी डीलर पर हमले के मामले में 11वां आरोपी भी गिरफ्तार

अजमेर, (निसं)। गत दिनों कोटड़ा क्षेत्र में जमीन विवाद के चलते प्रॉपर्टी डीलर मनोज नानकानी पर हुए जानलेवा हमले के मामले में शुक्रवार को पुलिस ने फरार चल रहे 11वें आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान बोराज निवासी राहुल जोशी उर्फ आरजे के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया।

हरिभाऊ उपाध्याय नगर थाने के एएसआई राम सिंह ने बताया कि प्रोपर्टी कारोबारी मनोज नानकानी पर जानलेवा हमला किया गया था, जिसके चलते उसे गंभीर चोटें आई थीं और इलाज के दौरान उनका एक पैर भी काटना पड़ा था। हमले के बाद पीड़ित की पत्नी ने थाने में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने मामले में अब तक मुख्य आरोपी सहित 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जांच के

जमीन विवाद के चलते प्रॉपर्टी डीलर पर हुए हमले के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया।

दौरान फरार चल रहे राहुल जोशी को दबिश देकर गिरफ्तार किया है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। पुलिस ने कहा कि इस मामले में अन्य आरोपियों की भूमिका की भी जांच जारी है।

सामाजिक कुरीतियों को लेकर चर्चा

गुढ़ागौड़जी, (निसं)। ग्राम ककराना, दीपपुरा और ढाणी भैयावाली (गढ़ला) के तीनों गांवों से गुर्जर समाज के लोगों ने सामाजिक कुरीतियों को लेकर रतनजीवाली कोठी में समाज की मिटिंग पूर्व सरपंच प्रभातीलाल दौराता की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें गुर्जर समाज द्वारा निर्धारित 11 बिंदुओं पर चर्चा की गई और इनको सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। मिटिंग को ख्यालीराम गठिला, शीशराम पूर्व सरपंच, उमराव, मास्टर सागरमल, धर्मपाल गढ़ला कलां, मातादीन कोली आदि ने संबोधित किया एवं विकास पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष, मास्टर ओमप्रकाश खटाना आदि मौजूद थे।

शराब के लिए रूपए नहीं दिए तो मां पर किया हमला

बुजुर्ग मां गंभीर रूप से जख्मी, अस्पताल में भर्ती कराया

अजमेर, (निसं)। अलवरगेट थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। मां से शराब के रूपए मांगने पर नहीं देने पर बेटे ने अपनी 78 वर्षीय बुजुर्ग मां पर धारदार हथियार से हमला कर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। बुजुर्ग महिला को परिजन ने जवाहर लाल नेहरू अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उनके गाल पर 15 टांके लगाने के बाद

- **गाल पर 15 टांके लगाने के बाद भर्ती कर लिया**

भर्ती कर लिया।

धोलाभाटा इंदिरा कॉलोनी निवासी ओमवती देवी पर उनके बड़े बेटे विनोद ने हमला किया। परिजन ने बताया कि जब उन्होंने शराब के लिए पैसे देने से मना किया तो विनोद ने गुस्से में धारदार हथियार से वार कर दिया। हमले में ओमवती के चेहरे पर गहरी चोट आई। घटना के बाद परिजन उन्हें अस्पताल ले गए, जहां उनका उपचार जारी है। पीड़िता की ओर से थाने में लिखित शिकायत पेश की गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आरपीएससी सचिव बनकर फर्जी पोस्ट डालने पर एफआईआर दर्ज

आयोग सचिव ने सिविल लाइंस थाने में मामला दर्ज कराया, जांच शुरू

अजमेर, (निसं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग सचिव के पदनाम से सोशल मीडिया पर एक फर्जी पोस्ट डालने और आयोग की ख्याति को हानि पहुंचाने का प्रयास करने के संबंध में सिविल लाइंस पुलिस थाना, अजमेर में आयोग सचिव रामनिवास मेहता ने अज्ञात व्यक्ति/व्यक्तियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया है।

आयोग सचिव ने अपनी शिकायत में स्पष्ट किया है कि आयोग द्वारा 15 अक्टूबर 2025 को आरएएस परीक्षा 2023 का अंतिम परिणाम जारी कर आयोग की वेबसाइट पर अपलोड किया था। इसके पश्चात, 16 अक्टूबर 2025 को सोशल मीडिया पर किसी समाज कंटक द्वारा एक जाली पोस्ट डाली गई, जिसे आयोग सचिव के अधिकृत हस्ताक्षर से जारी किया जाना दर्शाया गया। आयोग सचिव के हवाले से जारी यह पोस्ट पूर्णतया फर्जी है और इस प्रकार का कोई भी दस्तावेज़ या रिकॉर्ड आयोग द्वारा जारी नहीं किया गया है। शिकायत में कहा गया है कि फर्जी पोस्ट डालने वाले व्यक्ति ने न केवल फर्जी रिकॉर्ड बनाया है, बल्कि ऐसा करके उसने सामाजिक सौहार्द पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है और लोक शांति में जानबूझकर विघ्न डालने का प्रयास किया है। इसके अलावा इस फर्जी पोस्ट ने आयोग और सचिव पद की प्रतिष्ठा एवं ख्याति को भी अपूरणीय क्षति पहुंचाई है।

विद्यालयों में दीपोत्सव मनाया

खिरोड़, (निसं)। टोंक छिलरी ग्राम पंचायत के राजकीय विद्यालयों में दीपोत्सव मनाया गया।

जानकारी के अनुसार पीईईओ संजू नेहरा ने बताया कि राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय टोंक छिलरी व भोजनगर, उच्च प्राथमिक विद्यालय चिपरूड़ी जोहड़ी, राजकीय प्राथमिक विद्यालय नया जोहड़ व डालाना जोहड़ के भवन एवं चारदीवारी पर शिक्षा विभाग के निर्देशों की पालना करते हुए रंग रोगन करवाया गया व उसके बाद पांच दिवसीय दीपोत्सव मनाते हुए लाइट व दीपों से सजाया गया। शिक्षा के ये मंदिर शिक्षा की ज्योत जलाने के साथ साथ बालकों में हिंदुस्तानी साहित्य व संस्कृति का भाव जागृत करने के लिए समय समय पर नवाचार करते रहते हैं।

ट्रेन से संदिग्ध हालत में महिला लापता

अजमेर, (निसं)। जीआरपी थाना क्षेत्र में ट्रेन यात्रा के दौरान एक महिला के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने का मामला सामने आया है। परिजनों ने अजमेर और आसपास के क्षेत्रों में तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। महिला की सास की रिपोर्ट पर जीआरपी ने गुमशुदगी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जीआरपी पुलिस के अनुसार गुजरात अरावली निवासी धन्नी बेन ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका बेटा रोहित, बहू रश्मि, बेटा आरव और जितेंद्र की पत्नी धर्मिष्ठा 20 अक्टूबर को अजमेर रेलवे स्टेशन से सामलाजी रोड जाने के लिए जयपुर-आसरवा ट्रेन में सवार हुए थे। रात 11:45 बजे ट्रेन रवाना हुई। सफर शुरू होते ही परिवार सो गया। रात करीब एक बजे धर्मिष्ठा ने देखा कि रश्मि अपनी सीट पर नहीं है। तब तक ट्रेन भीलवाड़ा पार कर चुकी थी। पास बैठे यात्रियों ने बताया कि रश्मि को नसीराबाद रेलवे स्टेशन पर उतरते देखा गया था। परिजन अजमेर लौटे और आसपास के क्षेत्रों में तलाश किया, लेकिन रश्मि का कोई सुराग नहीं मिला। जीआरपी थाना पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महेंद्र गुर्जर को भारतीय कुश्ती टीम की कमान

उदयपुरवाटी, (निसं)। महेंद्र गुर्जर को बहरीन में 22 से 31 अक्टूबर तक तक हो रहे यूथ एशियन गेम्स 2025 में भारत की कुश्ती टीम का कोच नियुक्त किया गया है। उनकी यह नियुक्ति भारतीय कुश्ती संघ के द्वारा की गई है। महेंद्र गुर्जर पूर्व में जुलाई 2025 में किर्गिस्तान में हुई अंडर 20 कुश्ती प्रतियोगिता में भारतीय टीम की कमान संभाल चुके हैं। भगेगा निवासी महेंद्र वर्तमान में आरपीएफ में सब इंस्पेक्टर के पद पर भोपाल तैनात हैं तथा खुद भी अंतरराष्ट्रीय पहलवान रह चुके हैं एवं रेलवे में कुश्ती कोच है।

हनीट्रैप में फंसाकर डॉक्टर का अपहरण, आरोपी गिरफ्तार

महिला के साथ अश्लील वीडियो बनाए, 30 लाख की फिरौती मांगी, चलती गाड़ी से फेंक गए

अलवर, (निसं)। अलवर में एक फिजियोथेरेपिस्ट डॉक्टर को आरटीओ ऑफिस के पास बुलाकर एक महिला और दो पुरुषों ने अपहरण कर लिया। आरोपियों ने डॉक्टर के कपड़े फाड़े, मारपीट की और 30 लाख रुपए की फिरौती की मांग की। साथ ही, आरोपियों ने डॉक्टर के साथ आपत्तिजनक फोटो और वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने की कोशिश की। डॉक्टर को लगभग 3-4 घंटे तक बंधक बनाकर अलग जगह ले जाया गया और रास्ते में गाड़ी से धक्का भी दिया गया।

पीड़ित डॉक्टर करनी सहाय ने बताया कि उनके हाथ, कोहनी और कमर में चोटें आईं, जिनके निशान अभी तक नहीं गए हैं। उन्होंने तुरंत शिवाजी पार्क थाना थानेदार विनोद सामरिया को कॉल किया। पुलिस मौके पर पहुंची और डॉक्टर को डॉक्टर को वापस ला कर आरोपियों का पीछा किया।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 12 घंटे के भीतर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में शामिल वसीम खान उर्फ मूसा, प्रियांशु चौधरी उर्फ गोंधू, शरुना (महिला) है।

डॉक्टर करनी सहाय, फिजियोथेरेपिस्ट ने बताया कि 22 अक्टूबर को शाम 5-30 बजे उन्हें मोबाइल पर एक महिला का फोन आया। महिला ने कहा कि उन्हें आरटीओ ऑफिस के पास मिलना है। डॉक्टर वहां गए। महिला और दो पुरुषों ने उन्हें अपने घर ले जाकर कपड़े फाड़ दिए और मारपीट की। उन्होंने 30 लाख रुपए की फिरौती मांगी और आपत्तिजनक फोटो-वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया। पुलिस ने बताया कि यह गिरोह पहले से सक्रिय था और कई अपराध कर चुका है। गिरफ्तारी से पहले एक आरोपी ने पहचान छिपाने के लिए अपना सिर गंजा करवा लिया था। पुलिस ने कहा कि आरोपियों से पूछताछ और साक्ष्य जुटाने का काम जारी है और घटना में शामिल अन्य लोगों की पहचान की जा रही है।

डेंगू से महिला की मौत : श्रीगंगानगर शहर में डेंगू से मौत का पहला मामला सामने आया है। पुरानी आबादी में लीला चौक के समीप रहने वाली 55 वर्षीय महिला की बठिंडा के एक निजी हॉस्पिटल में इलाज के दौरान मौत हो गई। जानकारी के अनुसार महिला को तबीयत बिगड़ने के कारण तीन अक्टूबर को श्रीगंगानगर के प्राइवेट हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया था। प्लेटलेट्स कम होने के कारण उन्हें पहले श्रीगंगानगर के एक अन्य मल्टीस्पेशिलिटी हॉस्पिटल ले जाया गया। इसके बाद बठिंडा स्थित प्राइवेट हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया।

युवक की मौत

कोटा, (निसं)। बोरखेड़ा थाना इलाके में गुरूवार देर रात्रि को अज्ञात वाहन की चपेट में आने से स्कूटी सवार युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार घर में शादी का माहौल चल रहा था, दो नवम्बर को मृतक युवक की बहन की शादी होने वाली थी और शुक्रवार को घर में लग्न कार्यक्रम था जिसकी तैयारी में परिवार के सदस्य लगे हुए थे।

युवक गुरूवार देर रात्रि को दुपहिया वाहन से भाई के फ्लैट से निकला और देबली अरब रोड़ पर तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने दुपहिया वाहन को टक्कर मार दी, हादसे में युवक की मौत हो गई घर में खुशी का माहौल मातम में बदल गया। बोरखेड़ा थाने के एएसआई सुरेश कुमार ने बताया कि दोस्तपुरा निवासी लव सिंह जो गुरूवार देर रात्रि को मुकंदरा प्राईम में रहने वाले अपने भाई के घर से स्कूटी से दोस्तपुरा के लिये निकला था, राड़ी के बालाजी के समीप अज्ञात वाहन ने स्कूटी सवार को टक्कर मार दी। एएसआई ने बताया कि युवक को उपचार के लिये अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सक ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। एएसआई ने बताया कि मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। मामला दर्ज कर अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है।

आपसी रंजिश में बदमाशों ने चार युवकों को पीटा

कैंपर गाड़ी में भी तोड़फोड़ की, वीडियो वायरल, पुलिस ने पांच आरोपियों को डिटेन किया

जोधपुर, (कासं)। कुड़ी भगतासनी थाना क्षेत्र में आपसी रंजिश को लेकर कुछ बदमाशों ने चार युवकों को घेर कर लाठी-डंडों से पीटा और उसकी कैंपर में तोड़फोड़ कर उसे पलट दिया। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। पुलिस ने मामले में पांच आरोपियों को डिटेन भी कर लिया है।

जानकारी के अनुसार मंगलवार रात को कुड़ी थाना क्षेत्र में आरोपियों ने एक बोलेरो कैंपर गाड़ी में तोड़फोड़ की और गाड़ी सवार लोगों के साथ मारपीट की। घटना का वीडियो अब सामने आया है। बलानी नगर गुडा विश्नोइयां निवासी विक्रम बिश्नोई ने कुड़ी भगतासनी थाने में दी रिपोर्ट में बताया कि वह अपने भाई मेकाराम, अकरम व रमेश के साथ घर जा रहे थे। तभी सेक्टर एक के पास में आरोपियों ने उन्हें रोककर मारपीट की। रिपोर्ट में विक्रम ने बताया कि हर्ष वैष्णव, राजू गुजराती, निखिल, पीयूष, मोंटी, रवि और 10-12 अन्य लोगों ने उन पर हमला किया और बोलेरो कैंपर को पूरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया। इस हमले में अकरम को चोट आई, जिसे प्राथमिक इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। वहीं, वीडियो में आरोपी युवक को पीटते हुए और गाड़ी पर डंडा बरसाते हुए नजर आ रहे हैं। इसके बाद बदमाशों ने गाड़ी को पलट दिया। मामले को लेकर कुड़ी भगतासनी थानाधिकारी हमीर सिंह ने बताया कि रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पांच लोगों को डिटेन किया है। इनमें आरोपी सेक्टर एक विवेक विहार निवासी मोंटू, सेक्टर तीन निवासी विशाल बोहरा व निखिल वाल्मीकि, सेक्टर पांच निवासी पीयूष राव व रोहित मेघवाल शामिल हैं।

भरतपुर की सेवर सेंट्रल जेल में हार्ट अटैक से कैदी की मौत

हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा था कैदी

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर की सेवर सेंट्रल जेल में एक कैदी की मौत हो गई। यह कैदी एक मर्डर केस में आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। जेल अधीक्षक का कहना है कि इस कैदी की मौत हार्ट अटैक आने के कारण हुई है।

जेल अधीक्षक परमजीत सिंह सिंधु ने बताया कि गुरुवार देर शाम नरेश सिंघल नाम के कैदी की हार्ट अटैक आने से मौत हो गई। वह मर्डर के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। उसके शव को गुरुवार देर शाम ही आरबीएम अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवा दिया गया था। शुक्रवार को शव के पोस्टमॉर्टम की कार्यवाही मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में हुई। मृतक के परिजन भी आरबीएम हॉस्पिटल पहुंचे। मेडिकल बोर्ड से सेवर थाना पुलिस ने पोस्टमार्टम की कार्यवाही कराई गई। बाद में शव परिजनों को सौंप दिया गया।

शव के पोस्टमॉर्टम की कार्रवाई मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में हुई।

जानकारी के अनुसार भरतपुर के बहुचर्चित संजय बिहारी हत्याकांड में नरेश सिंघल को कोर्ट ने दोषी ठहराया था। कोर्ट ने नरेश सिंघल को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। ढाई साल से ज्यादा पुराना यह मामला था। 28 जनवरी 2023 को कृष्ण कुमार उर्फ बेबी और नरेश सिंघल ने संजय बिहारी नाम के व्यक्ति को फोन कर अपने घर बुलाया था। जब संजय उनके घर पहुंचा तो वहां नरेश सिंघल, कृष्ण कुमार और बिट्टू चाय पी रहे थे। संजय भी उनके पास जाकर बैठ गया। तभी अचानक कृष्ण कुमार वहां से उठकर अपने कमरे में गया और कट्टा लाकर संजय बिहारी को पीछे से गोली मार दी। इलाज के दौरान संजय बिहारी की मौत हो गई। 19 सितंबर 2025 को जिला एवं सेशन न्यायाधीश केशव कौशिक ने फैसला सुनाते हुए कृष्ण कुमार उर्फ बेबी पर 60 हजार रुपए जुर्माना और आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। वहीं नरेश सिंघल पर 50-50 का अर्थदंड और आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी।

- **भरतपुर के बहुचर्चित संजय बिहारी हत्याकांड में नरेश सिंघल को कोर्ट ने दोषी ठहराया था**

नाबालिग से गैंगरेप

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर कमिश्नरेट के जिला पूर्व में एक नाबालिग के साथ गैंगरेप का मामला सामने आया है। बदमाशों ने नाबालिग के अश्लील वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए। जब पूरे मामले का पता पीड़िता के पिता को चला तो पिता ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

- **मामले का पता पीड़िता के पिता को चला तो थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है**

पीड़िता के पिता के मुताबिक घटना 20 जुलाई से 20 अक्टूबर के बीच की है। आरोप है कि कुछ युवकों ने उनकी नाबालिग बेटी के साथ गैंगरेप किया और उसका वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी देकर लगातार शोषण करते रहे। पिता ने पुलिस को दी गई रिपोर्ट में बताया कि उसकी बेटी मानसिक दबाव में थी और डर के कारण परिवार को यह बात नहीं बता पाई। जब घटना का पता चला तो परिवार ने पुलिस थाने पहुंचकर रिपोर्ट दी। रिपोर्ट में बताया कि आरोपी वीडियो वायरल करने की धमकी देकर बार-बार पीड़िता को परेशान और प्रताड़ित करते रहे। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सोनम वांगचुक से जुड़ा मामला नए मोड़ पर पहुंचा

जोधपुर, (कासं)। लेह-लद्दाख हिंसा मामले में गिरफ्तार समाजसेवी और पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक से जुड़ा मामला अब नए मोड़ पर पहुंच गया है। राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत गिरफ्तार किए गए वांगचुक इस समय जोधपुर सेंट्रल जेल में बंद हैं, जहां इस मामले की जांच के लिए गठित उच्चस्तरीय न्यायिक आयोग ने अपनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार आयोग ने शुक्रवार को जेल परिसर में सुनवाई की और सोनम वांगचुक के बयान दर्ज किए। बताया जा रहा है कि आयोग जल्द ही उनकी पत्नी के भी बयान दर्ज करेगा, जिन्होंने हाल ही में वांगचुक मामले को लेकर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। इस जांच की अध्यक्षता जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश और लेह-लद्दाख सलाहकार बोर्ड के अध्यक्ष एम.के. हंजूरा कर रहे हैं। उनके साथ लेह जिला न्यायाधीश मनोज परिहार और कारगिल जिला न्यायाधीश स्पल जयेश अंगमों भी जांच प्रक्रिया में शामिल हैं। तीनों न्यायाधीश गुरुवार को जोधपुर पहुंचे और जेल प्रशासन के साथ सुरक्षा एवं प्रक्रिया संबंधी तैयारियों का जायजा लिया।

- **जांच के लिए गठित उच्चस्तरीय न्यायिक आयोग ने कार्रवाई शुरू की, बयान दर्ज**
- **राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत गिरफ्तार वांगचुक इस समय जोधपुर सेंट्रल जेल में बंद हैं**

जोधपुर सेंट्रल जेल और पुलिस विभाग ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं, ताकि जांच कार्रवाई के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो। आयोग की यह जांच कार्रवाई संवेदनशील मानी जा रही है, क्योंकि यह लेह-लद्दाख हिंसा की पृष्ठभूमि और सोनम वांगचुक की भूमिका पर कई अहम खुलासे कर सकती है। गौरतलब है कि वांगचुक की गिरफ्तारी के बाद से ही लद्दाख और देशभर में विरोध प्रदर्शन हुए थे, जिनमें कई राजनीतिक और सामाजिक संगठनों ने उनकी रिहाई की मांग की थी।

राजस्थान सरकार
कार्यालय नगर पालिका, सादड़ी (जिला-पाली) राज.
(आपकी सेवा में सदैव तत्पर)
पताः मैन बस स्टेण्ड, सादड़ी
Ph.-02934-285022 email: npsadri1979@yahoo.com, gmail.com
क्रमांक : न.पा.सा./2025/3284-3286 दिनांक 14.10.2025

-:: Notice Inviting Bid ::-

Bid for subject matters of procurement are invited from intreseted bidders upto (date)& (time). Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal. (https://sppp.rajasthan.gov.in, eproc.rajasthan.gov.in) of the state departmental website.
UBN NO :- DLB2526WSOB22076
अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका सादड़ी
राज.संवाद/सी/25/12568

सतीश पूनियां को जन्मदिन की बधाई देने प्रदेश व हरियाणा से मंत्री और विधायक पहुंचे

भरतपुर में सतीश पूनियां को जनप्रतिनिधियों ने माला और साफा पहनाकर जन्मदिन की बधाई दी।

भरतपुर, (निसं)। भाजपा के राजस्थान के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनियां ने ब्रज क्षेत्र के आराध्यदेव गिरिराजजी महाराज की शरण में गोवर्धन में अपना 61वां जन्मदिन मनाया। इस दौरान पूनियां को राजस्थान और हरियाणा के भारी संख्या में बीजेपी नेता, मंत्री और विधायक बधाई देने के लिए पहुंचे।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह सतीश पूनियां ने अपने परिवार के साथ श्रीनाथजी और मुकुट मुखार बिंद पर अभिषेक किया। सैकड़ों की संख्या में बीजेपी कार्यकर्ता और लोग उन्हें बधाई देने के लिए पहुंचे। इस दौरान पूनियां ने कहा कि यह न तो आमसभा है और न ही यह शक्ति प्रदर्शन है, यह तो भक्ति प्रदर्शन है। श्री नाथजी के मंदिर के सामने बने प्रांगण में सतीश पूनियां के जन्मदिन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहां गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम, डीग-कुम्हेर विधायक डॉ. शैलेश सिंह ने संबोधित किया। पूनियां को बधाई देने के लिए हरियाणा और राजस्थान से कई बीजेपी नेता, कार्यकर्ता पहुंचे। सभी ने सतीश पूनियां के साफा बांधकर और उपहार देकर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। सतीश पूनियां ने कहा कि जब मैं बीजेपी युवा मोर्चा से जुड़ा था तब मैं गोवर्धन की परिक्रमा लगाने के लिए आया था। उस समय मेरे पैरों में छाले हो गए थे। तब मैंने संकल्प लिया था कि मैं गोवर्धन की परिक्रमा लगाऊंगा। इसलिए गोवर्धन में गिरिराज भगवान की परिक्रमा भी लगाई। भरतपुर को महाराजा सूरजमल के नाम से जाना जाता है। अपने जन्मदिन के मौके पर सतीश पूनियां ने सपरिवार अपना घर आश्रम में आवासरत प्रभुजनों को भोजन प्रसादी भी खिलाई।

- **सतीश पूनियां ने गिरिराजजी महाराज की शरण में गोवर्धन में 61वां जन्मदिन मनाया**

रक्षा मंत्री राजनाथसिंह ने तनोट व लोंगेवाला के फॉरवर्ड इलाकों का दौरा किया

जैसलमेर, (नि.सं.)। रक्षा मंत्री राजनाथसिंह ने शुक्रवार को राजस्थान के तनोट और लोंगेवाला के फॉरवर्ड इलाकों का दौरा किया और सैनिकों से बातचीत की। उन्होंने एक ज़बरदस्त "कैपेबिलिटी डेमोंस्ट्रेशन एक्सरसाइज" देखी, जिसमें भैरव बटालियन और अश्नी प्लाटून जैसे नए संगठनों के इंटीग्रेटेड इस्तेमाल के साथ-साथ ऑपरेशन के लिए भारतीय सेना में शामिल की गई लेटेस्ट टेक्नोलॉजी को दिखाया गया।

- **ऑपरेशन सिंदूर भारत की मिलिट्री ताकत और नेशनल कैरेक्टर का एक उदाहरण है : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह**

रक्षा मंत्री राजनाथसिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत की मिलिट्री ताकत और नेशनल कैरेक्टर का एक उदाहरण है और सैनिकों को यह दिखाना है कि उनकी ताकत सिर्फ़ हथियारों में नहीं, बल्कि उनके नैतिक अनुशासन और स्ट्रेटेजिक क्लैरिटी में भी है। यह इतिहास में सिर्फ़ एक मिलिट्री ऑपरेशन के तौर पर ही नहीं, बल्कि देश के साहस और संयम की निशानी के तौर पर भी याद किया जाएगा। आतंकवादियों के खिलाफ़ हमारी सेनाओं ने जो कार्रवाई की, वह पॉलिसी की सटीकता और इंसानी गरिमा, दोनों के हिसाब से थी। ऑपरेशन अभी खत्म नहीं हुआ है। शांति के लिए हमारा मिशन तब तक जारी रहेगा जब तक एक भी आतंकवादी सोच ज़िंदा है। उससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथसिंह ने प्रतिष्ठित लोंगेवाला युद्ध स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की और भारतीय सेना के बहादुरों को श्रद्धांजलि दी। रक्षा मंत्री ने मेजर (बाद में ब्रिगेडियर) कुलदीपसिंह चांदपुरी की स्मृति को समर्पित एक श्रव्य दृश्य कक्ष चांदपुरी हॉल का उद्घाटन किया, जिन्होंने 1971 में लोंगेवाला की लड़ाई के दौरान बहादुरी से रक्षा का नेतृत्व किया था। उन्होंने युद्ध में भाग लेने वाले दिग्गजों को भी सम्मानित किया।

रक्षा मंत्री राजनाथसिंह ने प्रतिष्ठित लोंगेवाला युद्ध स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की

कार्यालय नगर पालिका मावली, जिला उदयपुर (राज.)
Phone: 02955294135 Email : nagarpalikamavli@gmail.com
क्रमांक :- न.पा.मा./निर्माण/2025-26/152 दिनांक :- 15.10.2025

ऑन लाईन निविदा सूचना नं. 4/2025-26

नगरपालिका मावली द्वारा कुल 19 कार्यो हेतु नगर निकाय में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत एवं अन्य विभागो में 'ए' एवं 'एए' श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेन्ट प्रक्रिया से वेबसाईड eproc.rajasthan.gov.in पर ऑन लाईन निविदाएं आमन्त्रित की जाती है। निविदा शर्ते एवं निविदा प्रपत्र संवेदक sppp.rajasthan.gov.in & eproc.rajasthan.gov.in से प्राप्त कर सकेगें। उक्त निविदा वेबसाईट sppp.rajasthan.gov.in पर देखे जा सकते है।
UBN Code : DLB2526WSOB21992, 21994, 21996, 22005, 22008, 22013, 21890, 21891, 21892, 22020, 21893, 21894, 21895, 21896, 21897, 21898, 22029, 22032 है।
अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका, मावली
राज.संवाद/सी/25/12570

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता,
नर्मदा नहर परियोजना खण्ड प्रथम सांचौर
क्रमांक/लेखा/निविदा/2025-26/राजकाज दिनांक यथा ईहस्ताक्षर

अल्पकालिन ई-निविदा सूचना संख्या 02/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से विभिन्न कार्यों के लिये अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में राज्य सरकार के संशोधित आदेशों के अनुसार नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों / फर्मों से निविदा आमन्त्रित की जाती है निविदा में वर्णित 04 कार्य हेतु निविदा ऑनलाईन आमन्त्रित की जाती है। जल संसाधन विभाग राजस्थान सरकार में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत हो या के.लो.नि.वि.ए डाक, दूरसंचार, रेलवे में व अन्य राज्य सरकारो / केन्द्रीय सरकार के उपक्रमो / संगठनो के पास सूचिबद्ध ठेकेदार जो राजस्थान के पात्र श्रेणी के समतुल्य हो, भी कार्य के लिए निविदा हेतु विहित अग्रिम धनराशि देने के पश्चात पात्र है। निविदा प्रपत्र दिनांक 24.10.2025 प्रातः 09.30 बजे से दिनांक 30.10.2025 सांय 06.00 बजे तक ऑनलाईन अपलोड किये जा सकेगें।
निविदा दिनांक 31.10.2025 को सांय 3 बजे ऑनलाईन खोली जायेगी। कार्यों की अनुमानित लागत, धरोहर राशि, प्रोसेसिंग फिस व कार्य पूर्ण करने की अवधि तथा अन्य शर्ते https://sppp.rajasthan.gov.in पर देखें।
NIB code:- WRD2526A0480
UBIN No- 1. WRD2526WSOB01313, 2. WRD2526WSOB01314
3. WRD2526WSOB01315, 4. WRD2526WSOB01316
अधिशाषी अभियन्ता
नर्मदा नहर परियोजना
खण्ड प्रथम सांचौर
DIPR/C/15634/2025

सरकारी महिला टीचर से ट्रेवल एजेंसी मालिक ने दुष्कर्म किया

श्रीगंगानगर, (निसं)। सरकारी स्कूल की 38 साल की महिला टीचर से रेप का मामला सामने आया है। महिला टीचर ने ट्रेवल्स एंड कार्गो एजेंसी के मालिक के खिलाफ रेप का मामला दर्ज कराया है। टीचर ने आरोप लगाया है कि दिल्ली आने-जाने की टिकट बुक करवाने के दौरान आरोपी से पहचान हुई। बातचीत बढ़ने पर ट्रेवल्स एजेंसी मालिक अक्सर उसके घर आने-जाने लगा। फरवरी 2025 को एक दिन आरोपी कोल्ड ड्रिंक और चिप्स लेकर मेरे घर आया। इस दौरान मेरा बेटा घर पर नहीं था। आरोपी ने कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिला रखा था। कोल्ड ड्रिंक पीते ही मैं बेहोश हो गई। आरोपी ने बेहोशी में मेरे साथ रेप किया। मामला रायसिंहनगर थाना इलाके का है। मामले की जांच एसएचओ कलावती चौधरी कर रही हैं।

महिला टीचर ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि मैं दिल्ली की रहने वाली हूं और श्रीगंगानगर के एक सरकारी स्कूल में टीचर हूं। मैं दिल्ली आने-जाने के लिए चंद्रा ट्रेवल्स एंड कार्गो एजेंसी मालिक राजेश शर्मा उर्फ राजा से टिकट बुक करवाती थी। इस दौरान हमारी पहचान हुई। एक बार राजेश शर्मा ने मुझे अपना विजिटिंग कार्ड देकर कहा कि यह मेरा विजिटिंग कार्ड है और किसी सामान या मदद की जरूरत हो तो कॉल कर सकती हूं। महिला ने रिपोर्ट में बताया कि एक दिन मेरे घर में गैस सिलेंडर खत्म हो गया तो मैंने राजेश को बताया। तब राजेश शर्मा गैस सिलेंडर लेकर घर आया। इसके बाद हम दोनों में बातचीत शुरू हो गई। फरवरी 2025 में आरोपी महिला के घर खाने-पीने का समान चिप्स व कोल्ड ड्रिंक लेकर आया और कहा कि यह बच्चों के लिए लाया हूं। उस समय मेरा बेटा दिल्ली गया हुआ था। इस पर मैंने कोल्ड ड्रिंक पी ली। महिला ने आरोप लगाया- आरोपी कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर लाया था। इसके कारण वह बेहोश हो गई। मिहिला ने बताया कि बेहोशी की हालत में राजेश शर्मा ने मेरे साथ रेप किया। जब होश आया तो मैंने विरोध किया। इस पर आरोपी ने डराया कि धमकाया और कहा कि अगर इसके बारे में किसी को बताएगी तो तुम्हारी ही बेइज्जती होगी। आरोपी ने कहा कि मैं तुमसे शादी कर लूंगा। इसके बाद आरोपी लगातार शादी का झांसा देकर रेप करता रहा। महिला ने आरोप लगाया कि 15 अक्टूबर को आरोपी घर आया और मेरे साथ मारपीट कर रेप किया। आरोपी ने धमकी दी कि मैं तुम्हें और तुम्हारे बेटे को जान से मरवा दूंगा। जब मैंने पुलिस को कॉल करने की कोशिश की तो मोबाइल छीन लिया। इसके बाद धमकी दी कि अगर यह बात किसी को बताई तो नौकरी नहीं करने दूंगा। मेरे भाई जज और आईजी है।

बदमाशों ने टेप से मुंह बांधकर बुजुर्ग की हत्या की

पेस्टिसाइड छिड़क कर अन्य परिजनों को बेहोश किया

बीकानेर, (निसं)। यहां देर रात टेप से मुंह बांधकर बुजुर्ग की हत्या कर दी गई। वहीं पेस्टिसाइड छिड़क कर अन्य परिजनों को बेहोश कर दिया। यही नहीं, बदमाश बाड़े में बंधी 30 से ज्यादा भेड़-बकरियां चोरी कर ले गए। घटना छत्तरगढ़ थाना इलाके की है।

थाना प्रभारी अनिल कुमार ने बताया कि शुक्रवार सुबह छत्तरगढ़ कस्बे में धान मंडी के सामने बाड़े में उमाराम (70) का शव चारपाई पर पड़ा मिला। भेड़-बकरियां चोरी करने आए बदमाशों ने टेप से बुजुर्ग का मुंह बंद कर दिया था, जिससे वह सांस नहीं ले सके और उनकी मौत हो गई। बुजुर्ग से कुछ ही दूरी पर परिवार के अन्य सदस्य सो रहे थे। उन्हें पेस्टिसाइड छिड़क कर बेहोश कर दिया था। सुबह करीब आठ बजे जब उनको होश आया तो उन्हें बुजुर्ग की मौत का पता चला।

पुलिस जांच में सामने आया कि बुजुर्ग का मुंह प्लास्टिक टेप से बांधा हुआ था। आशंका जताई जा रही है कि मुंह और नाक पर टेप लगाने के कारण दम घुटने से उनकी मौत हुई है। परिजनों ने बताया कि उमाराम रात में अपने पशुओं की रखवाली के लिए बाड़े के पास ही सो रहे थे। सुबह उनका शव बाड़े के सामने चारपाई पर पड़ा मिला। चोरों से संघर्ष करते हुए उनके साथ मारपीट भी हुई है या नहीं इस बारे में पता लगाया जा रहा है। सूचना मिलने पर पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे थानाधिकारी अनिल कुमार ने फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया। आसपास के क्षेत्र में जांच की गई। बाद में डॉग स्क्वॉड भी मौके पर आई। पुलिस अब आसपास के तीन-चार किलोमीटर एरिया के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। लोगों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए दोषियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है।

- **बाड़े में बंधी 30 से ज्यादा भेड़-बकरियां चुरा ले गए**
- **सुबह करीब आठ बजे जब परिजनों को होश आया तो उन्हें बुजुर्ग की मौत का पता चला**
- **फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉड भी मौके पर पहुंची**

पुलिस का कहना है कि पूरे मामले का खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और विस्तृत जांच के बाद ही होगा। घर के बिल्कुल पास में ही बाड़ा बना हुआ है। बाड़े में 40 जानवर बंधे हुए थे, जिनमें 25 बकरी और 15 भेड़ थी। घटना का पता उमाराम के पोते राम को शुक्रवार सुबह सबसे पहले चला। रोजाना वह सुबह करीब 6 से 6:30 बजे उठ जाता है, लेकिन आज सुबह वह 7:30 बजे के बाद में उठा। उसने सबसे पहले उठकर खाट पर दादा को मृत अवस्था में देखा। इसके बाद पास में सो रही दादी को उठाया। वहीं पास में उमाराम की बेटी और पोती भी सो रही थी। इन लोगों को भी बाद में उठाया गया। इन सभी लोगों की आंख सुबह 7:30 बजे से पहले नहीं खुली थी। इन सभी को लग रहा था कि कुछ स्प्रे करके इनको बेहोश किया गया था।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता,
नर्मदा नहर परियोजना खण्ड द्वितीय सांचौर
क्रमांक / लेखा/निविदा/2025-26/ राजकाज दिनांक यथा ईहस्ताक्षर

अल्पकालिन ई-निविदा सूचना संख्या 02/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से विभिन्न कार्यों के लिये अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में राज्य सरकार के संशोधित आदेशों के अनुसार नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों / फर्मों से निविदा आमन्त्रित की जाती है निविदा में वर्णित 16 कार्य हेतु निविदा ऑनलाईन आमन्त्रित की जाती है। जल संसाधन विभाग राजस्थान सरकार में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत हो या के.लो.नि.वि.ए डाक, दूरसंचार, रेलवे में व अन्य राज्य सरकारो / केन्द्रीय सरकार के उपक्रमो / संगठनो के पास सूचिबद्ध ठेकेदार जो राजस्थान के पात्र श्रेणी के समतुल्य हो, भी कार्य के लिए निविदा हेतु विहित अग्रिम धनराशि देने के पश्चात पात्र है। निविदा प्रपत्र दिनांक 24.10.2025 प्रातः 09.30 बजे से दिनांक 30.10.2025 सांय 06.00 बजे तक ऑनलाईन अपलोड किये जा सकेगें।
निविदा दिनांक 31.10.2025 को सांय 3 बजे ऑनलाईन खोली जायेगी। कार्यों की अनुमानित लागत, धरोहर राशि, प्रोसेसिंग फिस व कार्य पूर्ण करने की अवधि तथा अन्य शर्ते https://sppp.rajasthan.gov.in पर देखें।
NIB code:- WRD2526A0481
UBIN No- WRD2526WSOB01317, WRD2526WSOB01318, WRD2526WSOB01319
WRD2526WSOB01320, WRD2526WSOB01321, WRD2526WSOB01322
WRD2526WSOB01323, WRD2526WSOB01324, WRD2526WSOB01325
WRD2526WSOB01326, WRD2526WSOB01327, WRD2526WSOB01328
WRD2526WSOB01329, WRD2526WSOB01330, WRD2526WSOB01331
WRD2526WSOB01332
अधिशाषी अभियन्ता
नर्मदा नहर परियोजना
खण्ड द्वितीय सांचौर
DIPR/C/15635/2025

मासूम से रेप के आरोपी को जल्द सजा दिलाने की पुलिस कर रही है तैयारी

केस ऑफिसर स्कीम में लिया जाएगा मामला, सात दिन में चालान पेश करने का प्रयास

जोधपुर, (कासं)। बिलाड़ा थाना क्षेत्र में अबोध मासूम बालिका के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी को जल्द से जल्द सजा दिलाने के लिए पुलिस ने तैयारी शुरू की है। सभी तरह के साक्ष्य एकत्रित करने के साथ ही सात दिन में आरोपी के खिलाफ कोर्ट में चालान पेश करने की तैयारी है। साथ ही जल्द सजा के लिए मामले को केस ऑफिसर स्कीम में लिया जाएगा।

जोधपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक राजेश मीणा ने बताया कि आरोपी साजिद को पाली से गिरफ्तार किया गया है। इस दरिंदगी के लिए उसे जल्द से जल्द सजा दिलाने के लिए प्रयास शुरू किए गए हैं। उसके खिलाफ सभी तरह के साक्ष्य एकत्रित किए जा रहे हैं। सात दिन के भीतर कोर्ट में उसके खिलाफ चालान पेश कर दिया जाएगा। केस ऑफिसर स्कीम में लेकर जांच व मॉनिटरिंग की जाएगी। कोर्ट में रोजाना सुनवाई के लिए मजिस्ट्रेट से आग्रह किया जाएगा। साथ ही कोर्ट में स्पेशल ऑफिसर भी लगाया जाएगा ताकि मामले की प्रतिदिन सुनवाई हो सके और जल्द ट्रायल पूरी करवाई जा सके। आरोपी को एक महीने या कम से कम समय में अधिक से अधिक सजा दिलाने के प्रयास किए जाएंगे।

- **आरोपी को पाली से गिरफ्तार किया**

जानकारी के अनुसार तीन साल की बालिका बुधवार सुबह घर के बाहर खेल रही थी। तभी आरोपी साजिद पुत्र अली मोहम्मद वहां आया। उसने बालिका को अकेले देखा तो नीयत खराब हो गई। वह उसे कुरकुरे व चॉकलेट दिलाने के बहाने अपने साथ ले गया। वह बाइक पर उसे कस्बे के बाहर सुनसान जगह ले गया, जहां उसके साथ बलात्कार किया। घटना की जानकारी मिलने पर परिजन पीड़िता को सरकारी अस्पताल ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उम्मेद अस्पताल रैफर किया गया। वारदात के बाद फरार आरोपी को पाली से पकड़ लिया गया।

BARMER LIGNITE MINING COMPANY LIMITED
Office No. 2&3, 7th Floor, Man Upasna Plaza, C-44, Sardar Patel Marg, C-Scheme, Jaipur-302001
TENDER No. :- BLMCL/MD/JPR/2025-26/051 Dated :- 24/10/2025

E- NOTICE INVITING TENDER

Electronic bids are invited for Preparation of Detailed Project Report (DPR) for Shifting and Relocation of Lignite Handling System of Kapurdi Lignite Mine of BLMCL, District – Barmer, Rajasthan through e-procurement portal of Government of Rajasthan.

The tender document with detailed conditions can be obtained through the web site https://eproc.rajasthan.gov.in and should only be submitted in electronic form through e-procurement portal. Manual offer bids for these tenders will not be accepted under any circumstances, otherwise than those required as per the tender document.

1.	Name of Work	Preparation of Detailed Project Report (DPR) for Shifting and Relocation of Lignite Handling System of Kapurdi Lignite Mine of BLMCL, District – Barmer, Rajasthan
2.	Time Period	03 months
3.	Cost of tender document	Rs.590/- (Rs. 500 plus 18% GST) Non - Refundable, payable in Demand Draft in favour of "Barmer Lignite Mining Company Limited" Jaipur
4.	Processing Fees	Rs 500/- payable by Demand Draft in favour of MD RISL, payable at Jaipur
5.	Earnest Money Deposit	Rs. 70,000
6.	Date of Issue/Upload Tender	24.10.2025
7.	Date of Receipt of Tender	17.11.2025 upto 3:30 PM
8.	Date of Tender Opening	18.11.2025 at 3:00 PM
9.	Website	https://eproc.rajasthan.gov.in

The detailed tender document will also be available on the website of Rajasthan State Public Procurement Portal www.sppp.rajasthan.gov.in and also on the Company's website www.blmcl.in.

For submission of e-tender, bidders are requested to get themselves registered with https://eproc.rajasthan.gov.in website along with Class III Digital Signature Certificate (DSC) issued by authorized agency under IT Act 2003. Further clarifications/corrigendum in this regard, if any, will be uploaded only on Government of Rajasthan's portal / BLMCL's website.
Raj.Samwad/C/25/12553 AVP (Operations)

राजस्थान पेट्रो जोन पचपदरा में भूखंडों की आवंटन प्रक्रिया शुरू

राजस्थान रिफाइनरी से निकलने वाले डाउनस्ट्रीम उत्पादों से लगेंगे नये उद्योग

- प्रत्यक्ष आवंटन योजना-2025 के तहत पॉलिमर-आधारित उद्योगों के लिये 11 भूखण्डों के ऑफर लेटर जारी किए जा चुके, इससे लगभग 65 करोड़ रूपये का निवेश होगा
- इसके अलावा 25 उद्यिमयों ने सरकार के साथ राइजिंग राजस्थान में एमओयू किए हैं, जिनसे राज्य में 200 करोड़ रूपये का निवेश के साथ रोजगार भी बढ़ेगा

-कार्यालय संवाददता-

जयपुर। पचपदरा (बालोतरा) में एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड द्वारा स्थापित की जा रही रिफाइनरी में शीघ्र ही वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होने जा रहा है। इस वजह से रिफाइनरी के निकट रीको द्वारा स्थापित राजस्थान पेट्रो जोन (आरपीजेड) में भी उद्यमियों का रूझान बढ़ रहा है, क्योंकि रिफाइनरी से निकलने वाले डाउनस्ट्रीम उत्पादों का उपयोग आरपीजेड में लगने वाले उद्योगों में ही कच्चे माल के रूप में हो सकेगा। इसके मद्देनजर आरपीजेड में भूखण्ड आवंटन के लिये उद्यमी रीको से लगातार संपर्क कर रहे है। रीको प्रशासन ने भी आरपीजेड एरिया में भूखण्डों के आवंटन की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है।

इसी कड़ी में प्रत्यक्ष आवंटन योजना-2025 के तहत पॉलिमर-आधारित उद्योगों के लिये 11 भूखण्डों के ऑफर लेटर भी जारी कर दिये गये हैं, जिससे लगभग 65 करोड़ रूपये का निवेश होगा। इसके अतिरिक्त 25 अन्य उद्यिमयों ने भी राजस्थान सरकार के साथ राइजिंग राजस्थान के तहत पेट्रोकेमिकल एवं प्लास्टिक उद्योग लगाने हेतु एमओयू निष्पादित किये हैं। इन एमओयू से राज्य में करीब 200 करोड़ रूपये का निवेश होगा तथा स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिलेगा। राजस्थान का क्रूड ऑयल तथा नेचुरल गैस के उत्पादन में देश में प्रमुख स्थान है। आरपीजेड में लगने वाले पेट्रोकेमिकल एवं प्लास्टिक उद्योगों से राजस्थान अब इस क्षेत्र में भी अग्रणी राज्य बनने जा रहा है। ऐसे उद्यमी जिनके पास पेट्रोकेमिकल एवं केमिकल्स में टेक्निकल योग्यता तो है, परंतु पूंजी की उपलब्धता नहीं है, उनके लिये रीको आरपीजेड में ही प्लग एवं प्ले फैक्ट्री शेड भी बना रहा है, जिससे इस तरह के तकनीकी उद्यमी अपना उद्योग शुरू कर सकें। रीको ऐसे करीब 8 प्लग एवं प्ले फैक्ट्री शेड्स का आरपीजेड में निर्माण कर रहा है। एक शेड की कीमत करीब 3 करोड़ रूपये है। इन उद्योगों के लिये फीडस्टॉक की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

राजस्थान पेट्रो जोन रिफाइनरी से मात्र 12 किमी की दूरी पर स्थित है तथा अमृतसर-जामनगर एक्सप्रेसवे और राष्ट्रीय राजमार्ग 25 से जुड़ा हुआ है। इस परियोजना से प्लास्टिक व पॉलिमर प्रोसेसिंग, रबड़ व पीयू मैन्युफैक्चरिंग, टेक्निकल टैक्सटाइल, रसायनिक एवं फार्मास्यूटिकल जैसे उद्योगों के जरिये राज्य में बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित होने की उम्मीद है। यह सभी उद्योग प्रोपलीन, बेंजीन, टोल्यून और ब्यूटाडाइन जैसे फीडस्टॉक का उपयोग करेंगे।

पेट्रो जोन के पहले चरण में "एलएलडीपीई और एचडीपीई" जैसे कच्चे माल पर आधारित डाउनस्ट्रीम उद्योगों की स्थापना पर विशेष ध्यान रहेगा। आरपीजेड विकसित होने से रिफाइनरी से निकलने वाले उत्पादों का बेहतर इस्तेमाल यहीं पर हो सकेगा तथा इससे रिफाइनरी को भी इन डाउनस्ट्रीम उत्पादों को अन्य शहरों एवं औद्योगिक क्षेत्रों में परिवहन नहीं करना पडेगा, जिससे रिफाइनरी को भी फायदा होगा।

राजस्थान में मनमाने ढंग से फीस नहीं वसूल सकेंगे निजी मेडिकल कॉलेज

चिकित्सा शिक्षा विभाग ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की पालना सुनिश्चित करने के आदेश जारी किए

- कुछ कॉलेज 15 प्रतिशत सीटों को मैनेजमेंट सीट्स बताकर कर रहे थे अतिरिक्त वसूली : चिकित्सा शासन सचिव
- अगर किसी ने ज्यादा शुल्क लिया तो ब्याज सहित लौटाना होगा, संबद्धता हो सकती है समाप्त : अम्बरीश कुमार

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में संचालित सभी निजी मेडिकल कॉलेजों को फीस संरचना के नियमों की कडाई से पालना सुनिश्चित करनी होगी। राज्य सरकार ने इस संबंध में एक महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है।

चिकित्सा शिक्षा विभाग के शासन सचिव अम्बरीश कुमार ने बताया कि पूर्व में कुछ निजी मेडिकल कॉलेजों द्वारा मनमाने ढंग से फीस वसूलने की शिकायतें मिली थी। इसके बाद राज्य सरकार ने विद्यार्थियों के हित में फीस वसूली के नियमों में पूर्ण पारदर्शिता रखने के उद्देश्य से यह आदेश जारी किया है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा इस्लामिक एकेडमी ऑफ एजुकेशन बनाम कर्नाटक राज्य मामले में दिए गए निर्णय की अनुपालना में यह आदेश जारी किया गया है, जिसमें निजी शैक्षिणक संस्थानों में शुल्क निर्धारण और प्रवेश प्रक्रिया को विनियमित करने पर जोर दिया गया है। आदेश के अनुसार राज्य स्तरीय शुल्क निर्धारण समिति द्वारा निर्धारित शुल्क संरचना का पालन सभी मेडिकल कॉलेजों के लिए अनिवार्य है।

चिकित्सा शिक्षा सचिव ने बताया कि यह आदेश मुख्य रूप से निजी चिकित्सा महाविद्यालयों द्वारा अनाधिकृत रूप से अतिरिक्त शुल्क वसूली की शिकायतों के आधार पर जारी किया गया है। विशेष रूप से यूजी काउंसलिंग बोर्ड की वेबसाइट पर कुछ निजी कॉलेजों द्वारा 15 प्रतिशत सीटों को मैनेजमेंट सीट्स बताकर अतिरिक्त शुल्क प्रदर्शित किया जा रहा है, जो शुल्क नियामक समिति द्वारा अधिकृत नहीं है। यह सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय की अवहेलना है, जिसमें शिक्षा को लाभकारी व्यवसाय बनाने पर रोक लगाई गई है।

कई मामलों में विद्यार्थियों से निर्धारित शुल्क से अधिक राशि वसूल करने की शिकायतें प्राप्त हुई थीं। राज्य सरकार को प्राप्त शिकायतों और निरीक्षणों से पता चला कि कुछ संस्थाएं व्यावसायीकरण की प्रवृत्ति अपनाकर विद्यार्थियों का शोषण कर रही हैं, जो संवैधानिक मूल्यों के विरूद्ध है। इस आदेश से ऐसी अनियमितताओं पर रोक लगाई जा सकेगी। आदेश के अनुसार निजी चिकित्सा महाविद्यालयों को अनुमोदित शुल्क संरचना का पालन करना होगा। सभी निजी चिकित्सा महाविद्यालयों एवं डेंटल महाविद्यालयों को समिति द्वारा निर्धारित शुल्क संरचना के अनुसार ही विद्यार्थियों से शुल्क वसूल करना होगा।

चिकित्सा शिक्षा सचिव ने बताया कि किसी भी संस्था द्वाराअनुमोदित शुल्क से अधिक कोई अन्य शुल्क वसूला जाता है तो प्रभावित विद्यार्थियों को 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ शुल्क वापस किया जाएगा। नियमों का अनुपालन न करने पर संस्था की संबद्धता आरयूएचएस एवं एमएमयू से समाप्त की जा सकती है, अतिरिक्त शुल्क कॉलेज की संपत्तियों से वसूल किया जाएगा और प्रभावित विद्यार्थियों को अन्य चिकित्सा महाविद्यालयों में स्थानांतरित किया जाएगा। ऐसी संस्थाओं के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई भी की जाएगी। इसकी जानकारी एनएमसी एवं डीसीआई को भी दी जाएगी। संबद्धता समाप्त होने पर विद्यार्थियों के शुल्क और वित्तीय भार की वसूली संबंधित संस्था से की जाएगी।

राज्य सरकार के इस आदेश से विद्यार्थियों से अनुचित फीस वसूली पर प्रभावी रोकथाम लगेगी। साथ ही, चिकित्सा शिक्षा अधिक सुलभ और किफायती बनेगी। इससे मेरिट आधारित प्रवेश प्रक्रिया मजबूत होगी और आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ेगी, व्यावसायीकरण पर रोक लगेगी और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा।

आम सूचना सभी जन साधारण को सूचित किया जाता है की मेरी मुवक्किला शहनाज बानो पत्नि जमील अहमद निवासीया प्लाट संख्या आर 3 बीबी फातिमा कॉलोनी, रामगढ मोड, जयपुर के पास से उनके प्लाट संख्या सी 13 (दक्षिणी हिस्सा) हजरत अली नगर, रामगढ रोड, जयपुर के दस्तावेजात जिनमे उक्त प्लाट से सम्बधित इकरारनामे व अंन्य दस्तावेजात थे वही कही गिर गए है यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्लाट के दस्तावेजात इकरारनाम व अन्य दस्तोवजात यदि मिले तो मेरे कार्यालय मे सूचित करे।

जयपुर (शमी अली) एडवोकेट
दिनांक-25/10/2025 मो.नम्बर 9828075086

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक-8127 दिनांक-24/10/25
जाहिर आम सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर सांगानेर योजना मे आवास संख्या 80/15(HIG),(एरिया 236.25 वर्गमीटर) प्रतापनगर सांगानेर का आवंटन श्रीमती अमिता शर्मा पत्नी श्री जैमिनी कुमार शर्मा को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 1511 दिनांक 30.04.1992 को जारी किया गया। श्री प्रभात कुमार गौड पुत्र श्री जे. एन. गौड एवं श्रीमती रश्मि गौड पत्नी श्री प्रभात कुमार गौड के पक्ष मे उक्त आवास का नियमितिकरण पत्र क्रमांक 223 दिनांक 25.03.2000 के द्वारा किया गया। श्री प्रभात कुमार गौड एवं श्रीमती रश्मि गौड के पक्ष मे उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 20.07.2011 को उप पंजीयक सांगानेर-द्वितीय जयपुर के यहां पंजीकृत करवाये गये। श्री प्रभात कुमार गौड एवं श्रीमती रश्मि गौड द्वारा उक्त आवास को दिनांक 20.07.2011 के द्वारा श्री सांवर मल चौधरी पुत्र श्री हनुमान राम एवं श्री भंवरलाल पुत्र श्री हनुमान राम को विक्रय कर उप पंजीयक सांगानेर द्वितीय, जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। श्री सांवर मल चौधरी के आवेदन पर कार्यालय आदेश क्रमांक 1888 दिनांक 18.02.2018 द्वारा नामदर्ज किया गया। श्री सांवर मल चौधरी एवं श्री भंवरलाल द्वारा उक्त आवास को दिनांक 09.12.2024 के द्वारा श्री बीरबल बाजिया पुत्र श्री हनुमान राम बाजीया को उपहार कर उप पंजीयक सांगानेर-द्वितीय, जयपुर के यहां उपहार पत्र का पंजीकृत करवाया गया। क्रेता/क्रेती श्री बीरबल बाजिया पुत्र श्री हनुमान राम बाजीया द्वारा आवासन मण्डल मे उक्त आवास मे अपना नाम मण्डल रिकार्ड मे दर्ज कराने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय मे 7 दिवस मे अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड मे नाम दर्ज करने मे किसी को कोई आपत्ति नहीं है. श्री बीरबल बाजिया पुत्र श्री हनुमान राम बाजीया का नाम मण्डल रिकॉर्ड मे दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज आवा. मण्डल, जयपुर

हवन-यज्ञ के साथ पंतजलि इमरजेंसी एण्ड क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल का अनौपचारिक शुभारंभ हुआ

अत्यंत जटिल मानी जाने वाली ब्रेन, हार्ट व स्पाइन की सर्जरी की भी यहाँ होगी व्यवस्था

हरिद्वार। पतंजलि योगपीठ में चिकित्सा विज्ञान का नया इतिहास गढ़ा गया। स्वामी रामदेव महाराज तथा आचार्य बालकृष्ण की उपस्थिति में यज्ञ-अग्निहोत्र के अनुष्ठान व वेदमंत्रों के साथ पंतजलि इमरजेंसी एण्ड क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल का अनौपचारिक प्रारंभ किया गया।

स्वामी रामदेव ने कहा कि आज चिकित्सा विज्ञान के अनुष्ठान का नया अध्याय प्रारंभ हो रहा है। पतंजलि की यह व्यवस्था चिकित्सकीय लोकतांत्रिक व्यवस्था है जो रोगियों के लिए न्यायप्रधान है। उन्होंने घोषणा की कि हरिद्वार में तो इस हॉस्पिटल का मात्र बीजारोपण है, दिल्ली, एन.सी.आर. में एम्स, अपोलो या मेदांता से भी बड़ा वर्जन बहुत जल्द सामने आएगा। विशेष बात यह रहेगी कि यह कॉरपोरेट हॉस्पिटल नहीं कॉपरेट हास्पिटल होगा, जिसमें व्यापार नहीं रोगियों की सेवा की जाएगी। हमारा उद्देश्य एकीकृत चिकित्सा पद्धित के तहत रोगियों को आरोग्य प्रदान करना है।

स्वामी रामदेव ने कहा कि यहां पर कैंसर की सर्जरी को छोड़कर अत्यंत जटिल मानी जाने वाली ब्रेन, हार्ट व स्पाइन की सर्जरी की भी व्यवस्था होगी। भविष्य में कैंसर की सर्जरी सुलभ कराने की भी हमारी योजना है। रोगियों को एम.आर.आई., सी.टी. स्कैन, एक्स-रे, अल्ट्रासाउण्ड, पैथोलॉजिकल जाँच आदि की सुविधा भी यहाँ मिल सकेगी।

पूरे विश्व के टॉप पैरामीटर्स का यहाँ अनुसरण किया गया है। यहाँ प्रतिदिन सैकड़ों मरीजों की सर्जरी तथा क्रिटिकल केयर की व्यवस्था है। पतंजलि में बहुत आवश्यक होने पर ही सर्जरी की जाएगी और रोगी हॉस्पिटलों के मनमाने पैकेज के बोझ से भी बच सकेंगे।

पतंजलि योगपीठ में स्वामी रामदेव महाराज तथा आचार्य बालकृष्ण की उपस्थिति में यज्ञ-अग्निहोत्र के अनुष्ठान व वेदमंत्रों के साथ पंतजलि इमरजेंसी एण्ड क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल का अनौपचारिक शुभारंभ किया गया।

- रोगियों को एम.आर.आई., सी.टी. स्कैन, एक्स-रे, अल्ट्रासाउण्ड व पैथोलॉजिकल जाँच की सुविधा भी मिलेगी
- यह हॉस्पिटल मात्र बीजारोपण है, दिल्ली-एन.सी.आर. में एम्स, अपोलो या मेदांता से भी बड़ा वर्जन बहुत जल्द सामने आएगा : स्वामी रामदेव
- चिकित्सा के लिए मॉडर्न मेडिकल साइंस की मात्र 20 प्रतिशत ही आवश्यकता : आचार्य बालकृष्ण

आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि चिकित्सा के लिए मॉडर्न मेडिकल साइंस की मात्र 20 प्रतिशत ही आवश्यकता है।

इसमें 80 प्रतिशत परंपरागत चिकित्सा को जोड़ दिया जाए तो चार से पाँच वर्षों में ही पूरी दुनिया में चिकित्सा व्यवस्था को व्यवस्थित करने में हम सफल हो जाएँगे। क्रिटिकल केयर के लिए जहाँ एक ओर मॉडर्न मेडिकल साइंस को हमें स्वीकारना होगा तो वहीं असाध्य समझे जाने वाले रोगों के लिए योग-आयुर्वेद को भी हमें समाधान के रूप में स्वीकार करना होगा। चरक व सुश्रुत संहिता में उल्लिखित है कि चिकित्सक को जो संकल्प दिलाया जाता है, वह किसी पैथी विशेष के लिए नहीं अपितु रोगी को निरोग करने के लिए दिलाया जाता है। आज हमारा चिकित्सकीय ज्ञान पैथियों में बंट चुका है, परंतु लक्ष्य तो पैथियों में बंटना नहीं था। लक्ष्य तो रोगी को निरामय करना था।

कार्यक्रम में डॉ. सुनील अहूजा, डॉ. एन.पी. सिंह, डॉ. साध्वी देवप्रिया, अंशुल शर्मा, पारूल शर्मा, डॉ. सम्भ्रांत, ब्रिगेडियर टी.सी. मल्होत्रा, डॉ. अनुराग वार्ष्णेय, इमरजेंसी विभाग से डॉ. अनिल दास, डॉ. नितिन कुमार चंचल, आई.सी.यू. विभाग से डॉ. श्वेता जायसवाल, डॉ. अंकित कुमार बोधखे, न्यूरो विभाग से डॉ. गौरव सिंह अभय, ऑर्थोपैडिक विभाग से डॉ. मनोज त्यागी, एनेस्थिसिया विभाग से डॉ. संजय महेश्वरी, कार्डियोलॉजी विभाग से डॉ. कृष्णा सी.के., जनरल सर्जरी विभाग से डॉ. कशीश सचदेवा, रेडियोलॉजी विभाग से डॉ. केशव चंद गुप्ता व डॉ. शोभित चंद्रा, दंत चिकित्सा विभाग से डॉ. कुलदीप सिंह तथा डॉ. गुरप्रीत ऑबराय तथा पैथोलॉजी विभाग से डॉ. एस. रेणुका रानी मौजूद थे।

आर्थिक अपराध से जुडे मामलों को अलग नजरिए से देखा जाए : हाईकोर्ट

- अदालत ने मेहंदीपुर बालाजी स्थित एसबीआई बैंक की शाखा में करोड़ों रुपए के सिक्कों के घोटाले से जुडे मुख्य आरोपी और तत्कालीन कैश ऑफिसर राजेश कुमार मीणा को जमानत देने से इनकार किया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने मेहंदीपुर बालाजी स्थित एसबीआई बैंक की शाखा में करोड़ों रुपए के सिक्कों के घोटाले से जुडे मुख्य आरोपी और तत्कालीन कैश ऑफिसर राजेश कुमार मीणा को जमानत देने से इनकार कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने आरोपी की जमानत याचिका को भी खारिज किया है। जस्टिस अनिल कुमार उपमन की एकलपीठ ने कहा कि आर्थिक अपराधों को सामान्य अपराधों से अलग नजरिए से देखा जाना चाहिए, क्योंकि इस अपराध का प्रभाव देश की अर्थव्यवस्था पर पडता है। ऐसे अपराधी अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए जनता के धन का दुरुपयोग करते हैं। जिससे समाज के कल्याण पर प्रतिकूल प्रभाव पडता है।

जमानत याचिका में कहा गया कि उसे प्रकरण में झूठा फंसाया गया है। प्रकरण में आरोप पत्र पेश हो चुका है। प्रकरण में वह लंबे समय से जेल में बंद है। इसलिए उसे जमानत पर रिहा किया जाए। जिसका विरोध करते हुए सीबीआई की ओर से अधिवक्ता जगमोहन सक्सेना ने बताया कि आरोपी ने जांच में सहयोग नहीं किया था और बार-बार समन दिए जाने के बाद भी पेश नहीं हुआ था। उसने गबन राशि को अपने परिजनों के बैंक खातों में ट्रांसफर की और बाद में उसका उपयोग स्वयं के लिए। ऐसे में उसे जमानत नहीं दी जाए। सीबीआई की ओर से कहा गया कि मेहंदीपुर बालाजी मंदिर ट्रस्ट में श्रद्धालुओं की ओर से चढाए जाने वाले सिक्कों को स्थानीय एसबीआई बैंक में जमा कराया जाता था। बैंक प्रबंधन ने इन सिक्कों की गिनती के लिए एक निजी फर्म को ठेका दिया था।

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 83/2025
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि महंत हनुमान दास अध्यक्ष / महंत ने पंजीकृत प्रन्यास श्री लक्ष्मी जगदीश जी मंदिर गोनेर जयपुर जिसका पंजीयन कमांक 293 जयपुर 1993 है के सम्बन्ध में राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अन्तर्गत सहायक आयुक्त प्रथम देवस्थान विभाग जयपुर के आदेश दिनांक 25.07.2025 की पालना में प्रन्यास की कार्यकारिणी में परिवर्तन कर नवीन कार्यकारिणी के सदस्यों के नाम प्रन्यास रिकार्ड में दर्ज अभिलेख किये जाने का निवेदन कर जांच किये जाने के लिए प्रपत्र-8 में आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 23 में प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास में हुए परिवर्तन / संशोधन जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है, कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नही की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 9/10/25 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी गया।
आइदा तारीख पेशी 14/11/25
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

OFFICE THE GRAM PANCHAYAT DIVRALA PANCHAYAT SAMITI AJEETGARH (SIKAR)
No.Eproc/2025-26/375 Date:-24/10/2025
E-Procurement Notice Inviting Bids
NIB No PAJ2526A0105 Date 17-10-2025 Bids for For the Installation of wire fencing and gates for pasture land under Hariyalo Rajasthan, Gram Panchayat DIVRALA Of Estimated Value RS 495000 Having UBN number PAJ2526WSLB00109 are invited from Interested bidders up to 11.00 AM OF 31-10-2025 The information on this bid is also available on http://sppp.raj.nic.in
ADMINISTRATOR GRAM PANCHAYAT DIVRALA PANCHAYAT SAMITI AJEETGARH
VILLAGE DEVELOPMENT OFFICER GRAM PANCHAYAT DIVRALA PANCHAYAT SAMITI AJEETGARH

डीजीपी कराए चेक बाउंस के आरोपी के गिरफ्तारी वारंट की तामील

जयपुर। चैक अनादरण मामलों की विशेष अदालत, महानगर प्रथम ने बीस लाख रुपए के चेक बाउंस के पांच साल पुराने मामले में आरोपी के खिलाफ जारी गिरफ्तारी वारंट की तामील नहीं होने को गंभीर माना है।

इसके साथ ही अदालत ने डीजीपी को कहा है कि वह आरोपी गोपाल सिंह बोहरा के खिलाफ जारी गिरफ्तारी वारंट की तामील कराए। पीठासीन अधिकारी ललिता कुमारी सोनी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट ने पांच व दस साल से ज्यादा पुराने केसों के जल्द निस्तारण के सख्त निर्देश दे रखे हैं। ऐसे में आरोपी के गिरफ्तारी वारंट की तामील सुनिश्चित करना जरूरी है। मामले से जुडे अधिवक्ता एसजे मूथा ने बताया कि आरोपी ने परिवादी रघुवीर सिंह से निजी जरूरतों के लिए 20 लाख रुपए उधार लिए थे। वहीं इस राशि के भुगतान के लिए उसे चेक दिए, लेकिन यह चेक 29 मई 2018 को आरोपी के हस्ताक्षर अलग होने के चलते बाउंस हो गया।

उसने आरोपी को विधिक नोटिस भी दिया, लेकिन फिर भी चेक राशि का भुगतान नहीं किया। जिस पर उसने आरोपी के खिलाफ एनआई एक्ट मामलों की विशेष कोर्ट में परिवाद दायर कर चेक राशि जुर्माने सहित दिलाने की गुहार की। मामले में अदालत की ओर से जारी वारंट की तामील नहीं होने से प्रकरण की ट्रायल आगे नहीं बढ पाई है।

दो शातिर वाहन चोर गिरफ्तार

जयपुर। शिप्रा पथ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दुपहिया वाहन चुराने वाले दो शातिर वाहन चोरों को पकडा है और उनके पास से चोरी के दुपहिया वाहन भी बरामद किए गए है। पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि शिप्रा पथ पुलिस ने दुपहिया वाहन चुराने वाले अमर अटल निवासी तुंगा हाल मुहाना और राहुल कुमार (20) निवासी बिस्फी मधुबनी (बिहार) को गिरफ्तार किया।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

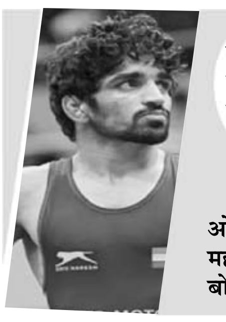

डब्ल्यएफआई अध्यक्ष संजय सिंह से मुलाकात करुंगा और उनसे महासंघ के फैसले पर पुनर्विचार करने का अनुरोध करुंगा।
– अमन सहरावत

ओलंपिक मेडलिस्ट, कुश्ती महासंघ द्वारा प्रतिबंध को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी कुलदीप यादव

भारत ने अब तक दोनों मैचों में कुलदीप यादव का रुख नहीं किया है। इस बात को लेकर चर्चा है कि भारत को कुलदीप के रूप में एक आक्रामक विकल्प के साथ जाना चाहिए या फिर ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों को देखते हुए बल्लेबाजी में गहराई सुनिश्चित करना ही एक बेहतर विकल्प है। तीसरे मैच में जीत दर्ज करने के लिए भारत को अपनी गेंदबाजी यूनिट में बदलाव करने की जरूरत है और इस बात की संभावना है कि शायद कुलदीप यादव की टीम में एंट्री हो। क्या भारत अपने तेज गेंदबाज़ी आक्रमण को भी धार देने की योजना बनाएगा और प्रसिद्ध कृष्णा को अंतिम वनडे के एकादश मे जगह मिलेगी?

क्या आप जानते हैं ?... ऑस्ट्रेलिया में खेले गए 56 मुकाबलों में 40 में कंगारू और 14 में भारत को जीत मिली है।

मेसी ने इंटर मियामी के साथ अपना अनुबंध 2028 तक बढ़ाया

मियामी, 24 अक्टूबर। लियोनेल मेसी ने इंटर मियामी के साथ अपने अनुबंध को अपने 41वें जन्मदिन के बाद तक बढ़ाने पर सहमति जताई है, एमएलएस क्लब ने यह जानकारी दी। 38 वर्षीय मेसी, जिनका पिछला अनुबंध दिसंबर में समाप्त होने वाला था, ने 2028 के अंत तक चलने वाले इस समझौते की व्यक्तिगत शर्तों पर सहमति जताई। सह–मालिक डेविड बेकहम ने एक बयान में कहा, ''हमारा लक्ष्य इंटर मियामी और इस शहर में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को लाना था, और हमने ठीक यही किया है।वह अब भी पहले की तरह ही प्रतिबद्ध हैं और अब भी जीतना चाहते हैं।'' 2023 में क्लब में शामिल होने के बाद से मेसी ने 82 मैचों में 71 गोल किए हैं और 37 असिस्ट दिए हैं, जिससे मियामी को 2023 लीग कप और 2024 सपोर्टर्स शील्ड जीतने में मदद मिली है। अर्जेंटीना के विश्व कप विजेता ने 29 गोल के साथ इस साल का एमएलएस गोल्डन बूट जीता और लीग के एमवीपी पुरस्कार के लिए चुने गए पांच खिलाड़ियों में से एक हैं। बेकहम ने कहा, ''लियो का इंटर मियामी के लिए अपना भविष्य समर्पित करना, हमारे यहां जो कुछ भी बन रहा है, उसमें उनके विश्वास को दर्शाता है।'' उन्होंने आगे कहा, ''उन्होंने इस देश में खेल का चेहरा बदल दिया है, और हमें इस बात पर बहुत गर्व है कि वह भविष्य में हमारे क्लब का नेतृत्व करेंगे।'' इंटर मियामी नियमित सत्र के अंत में एमएलएस ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में तीसरे स्थान पर रहा। फ्लोरिडा की यह टीम शुक्रवार को प्लेऑफ के पहले दौर में नैशविले से खेलेगी, जिसका फैसला तीन मैचों में होगा।

उन्नति और रोहन-रुथविका और कविप्रिया-सिमरन की जोड़ी फ्रेंच ओपन में हारी

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी उन्नित हुडा महिला एकल, रोहन कपूर–रुथविका गड्डे मिश्रित युगल और कविप्रिया सेल्वम–सिमरन सिंघी की जोड़ी को फ्रेंच ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट 2025 के युगल में मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। इसी के साथ भारत का टूर्नामेंट में अभियान समाप्त हो गया। गुरुवार को खेले गये मुकाबले के दूसरे राउंड में 18 साल की उन्नित हुड्डा को एकल मुकाबले में चीन की वांग झीयी से 21–14, 21–11 से हार का सामना करना पड़ा। महिला एकल बैडमिंटन रैंकिंग में 35वें नंबर पर रहीं उन्नित, मौजूदा वर्ल्ड नंबर 2 वांग झीयी के सामने टिक नहीं पाईं और 39 मिनट में मुकाबला हार गईं।

भारत की लड़कों और लड़कियों की कबड्डी टीमों ने जीते स्वर्ण पदक

मनामा (बहरीन), 24 अक्टूबर। भारत के लड़कों और लड़कियों की टीमों ने कबड्डी स्पर्धा के फाइनल में ईरान के खिलाफ अलग–अलग अंदाज में जीर्त दर्ज करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किये। ईसा स्पोर्ट्स सिटी में खेले गये मुकाबलों में भारतीय लड़कों की टीम ने ईरान को 35–32 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। जबकि लड़कियों की टीम ने ईरान के खिलाफ एकतरफा कबड्डी के दो हाफ के बाद 75–21 के बड़े अंतर से जीत हासिल की। भारतीय लड़कियों की कबड्डी टीम पहले ग्रुप स्टेज में भी अजेय रही थी। उन्होंने लीग मैचों में बंगलादेश को 46–18, थाईलैंड को 70–23, श्रीलंका को 73–10 और ईरान को 59–26 से हराया था। इसी तरह, भारतीय लड़कों की कबड्डी टीम ने भी ग्रुप स्टेज में अजेय रही। उन्होंने बंगलादेश को 83–19, श्रीलंका को 89–16, पाकिस्तान को 81–26, ईरान को 46–29, मेजबान बहरीन को 84–40 और थाईलैंड को 85–30 से हराया। इससे पहले दिन में, भारत ने ताइक्वांडो स्पर्धा में दो कांस्य पदक और एथलेटिक्स में एक रजत और एक कांस्य पदक भी जीता था।

एशियन यूथ गेम्स-बहरीन गिरिराज ने रतनसरा की कृष्णा व तेजस्वी गहलोत को दी बधाई

जयपुर, 24 अक्टूबर। जयपुर ओलंपिक संघ के अध्यक्ष गिरिराज खंडेलवाल ने बहरीन में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता में भारतीय महिला टीम द्वारा स्वर्ण पदक जीतने पर राजस्थान की बेटी कृष्णा (रतनसरा) सहित पूरी भारतीय टीम को हार्दिक बधाई दी है। खंडेलवाल ने कहा कि ईरान जैसी मज़बूत टीम को पराजित कर स्वर्ण पदक हासिल करना नारी शक्ति के साहस, अनुशासन और समर्पण का जीवंत उदाहरण है। कृष्णा ने न केवल राजस्थान बल्कि पूरे देश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने आगे कहा कि इस सफलता के पीछे राजस्थान ओलंपिक संघ एवं राजस्थान कबड्डी संघ के अध्यक्ष श्री तेजस्वी गहलोत का प्रेरणादायी नेतृत्व और खेलों के प्रति उनका दूरदर्शी दृष्टिकोण रहा है। उनके नेतृत्व में भारतीय टीम बहरीन रवाना हुई और ऐतिहासिक जीत दर्ज की – जो राजस्थान के खेल इतिहास में स्वर्णिम अध्याय के रूप में अंकित होगी। गिरिराज खंडेलवाल ने कहा कि तेजस्वी गहलोत ने प्रदेश में खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मंच उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभाई है। उनकी निरंतर प्रेरणा और संगठनात्मक दक्षता से राजस्थान के खिलाड़ियों को नई दिशा मिली है। जयपुर ओलंपिक संघ परिवार ने तेजस्वी गहलोत, भारतीय टीम की सभी खिलाड़ियों और कृष्णा (रतनसरा) के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएँ प्रेषित की हैं।

सम्मान बचाने उतरेगा भारत, विराट कोहली और शुभमन गिल पर होगी नजर

सिडनी, 24 अक्टूबर। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मुकाबले को जीत भारत सम्मान बचाने उतरेगा। पिछले दो मैचों में विफल रहे कप्तान शुभमन गिल और विराट कोहली पर सभी की नजर होगी।

पूर्व कप्तान और शानदार एंकर कोहली ने अभी तक इस सीरीज में अपना दबदबा नहीं दिखाया है, जबकि टीम की कप्तानी कर रहे गिल शीर्षक्रम में नियंत्रण बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उनके कंधों पर बहुत बड़ा बोझ है। रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की मौजूदगी में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हर मोर्चे पर पटखनी दी है। कोहली और रोहित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अब केवल एकदिवसीय मैच ही खेलते हैं, ऐसे में दोनों ही बल्लेबाज सीरीज के अंतिम मैच में बेहतर प्रदर्शन कर सीरीज का सुखद अंत करना चाहेंगे।

कप्तान शुभमन गिल के लिए यह दौरा कप्तानी के साथ ही बल्लेबाजी के दृष्टिकोण से भी अच्छा नहीं रहा है। गिल ने पहले दो मैच में कुल 19 रन ही बना पाए हैं। मध्य क्रम में के एल राहुल ने पहले और श्रेयस अय्यर ने दूसरे मैच में अच्छी बल्लेबाज़ी की थी लेकिन भारत इन दोनों के एक साथ प्रदर्शन करने की उम्मीद करेगा। सिडनी में भारत को सार्थक चुनौती पेश करने के लिए कोहली को अपनी लय, टाइमिंग और दबदबा वापस आना होगा और गिल को पारी की शुरुआत में उदाहरण पेश करते हुए नेतृत्व करना होगी, ताकि बाद में आने वालों के लिए माहौल सेट हो सके।

वहीं आत्मविश्वास से भरा हुआ ऑस्ट्रेलिया सीरीज का आखिरी मैच जीतकर क्लीन स्वीप के इरादे से मैदान में उतरेगा है। मिशेल मार्श और ट्रैविस हेड शुरुआती आक्रामकता प्रदान करते हैं, जबकि मैथ्यू शॉर्ट और मैट रेनशॉ बीच के ओवरों में पारी को स्थिरता देते हैं। कूपर कॉनली और मिशेल ओवेन फिनिशिंग पावर देते हैं, यह सुनिश्चित करते हैं कि मोमेंटम कभी रुके नहीं। जोश हेज़लवुड, मिशेल स्टार्क, ज़ेवियर बार्टलेट और एडम जम्पा की अगुवाई वाला गेंदबाजी आक्रमण सटीक और लगातार रहा है, जिससे पिछले दोनों मुकाबलों में भारतीय बल्लेबाज दबाव में रहे हैं।

एकदिवसीय प्रारूप में दोनों के बीच कुल 154 मैच खेले गए हैं, जिसमें से 86 में ऑस्ट्रेलिया और 58 में भारत को जीत मिली है। भारत में खेले गए 72 मुकाबलों में 34 में ऑस्ट्रेलिया और 33 में भारतीय टीम को जीत मिली है। ऑस्ट्रेलिया में खेले गए 56 मुकाबलों में 40 में कंगारू और 14 में भारत को जीत मिली है। तटस्थ स्थान पर 26 मैचों में से 11 में भारत और 12 में ऑस्ट्रेलिया ने जीते है।

भारत आक्रमण में धारा लेने के लिए कुलदीप यादव का रुख कर सकता है। बाएं हाथ के रिस्ट–स्पिनर की गेंद को दोनों तरफ घुमाने और इनिंग्स के आखिर में रफ पैच का फायदा उठाने की काबिलियत ऑस्ट्रेलिया के मिडिल ऑर्डर को परेशान कर सकती है, खासकर मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह के साथ नई गेंद से, और बीच के ओवरों में वाशिंगटन सुंदर के कंट्रोल से। यह काफी हद तक कोहली और गिल के फॉर्म और अथॉरिटी में वापस आने पर निर्भर करता है। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड की बात की जाये तो यह शुरुआत में सीम मूवमेंट और असमान उछाल ओपनर्स के लिए चुनौती पेश करते हैं। स्पिनर्स को बाद में फायदा मिलता है।

पिच और परिस्थितियां

शनिवार को सिडनी में मौसम साफ और सुहावना रहने की उम्मीद है। हालिया समय में सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर स्पिन को उतनी मदद नहीं देखी गई है लेकिन सपाट सतहों पर स्पिन गेंदबाज अपना प्रभाव छोड़ने में सफल रहे हैं। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने यहां की परिस्थितियों का भरपूर आनंद लिया है और यहां पिछले लगातार छह वनडे जीत में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने बड़े स्कोर बनाए हैं।

संभावित एकादश ऑस्ट्रेलिया:- मिशेल मार्श (कप्तान), ट्रैविस हेड, मैथ्यू शॉर्ट, मैट रेनशॉ, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), कूपर कॉनोली, मिशेल ओवेन, जेवियर बार्टलेट, मिशेल स्टार्क/बेन ड्वारशुइस, एडम ज़म्पा, जोश हेजलवुड/नाथन एलिस

संभावित एकादश भारत:- रोहित शर्मा, शुभमन गिल (कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर/कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह।

मोहसिन नकवी ने की एक और गिरी हुई हरकत
एशिया कप ट्रॉफी को एसीसी मुख्यालय से हटाया

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन और एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नकवी अपनी हरकतों से बाज़ नहीं आ रहे हैं। एशिया कप ट्रॉफी को लेकर अब पीसीबी चीफ ने एक और ओच्छी हरकत कर दी है। पहले तो 28 सितंबर को फाइनल मैच के बाद टूर्नामेंट की विजेता टीम इंडिया को ट्रॉफी सौंपने के बजाय वह उसे अपने साथ एसीसी मुख्यालय ले आए। उसके बाद अब रिपोर्ट आ रही है कि उन्होंने ट्रॉफी एसीसी मुख्यालय से हटाकर किसी अनजान जगह पर रखवा दी है।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद से भारतीय टीम ने एशिया कप के मैचों में पाकिस्तानी टीम से हाथ नहीं मिलाया था। टीम इंडिया ने 28 सितंबर को एशिया कप के फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान को कड़ी शिकस्त देकर खिताब अपने नाम किया था। जिसके बाद टीम इंडिया के खिलाड़ियों ने नकवी से ट्रॉफी और मेडल लेने से इनकार कर दिया था।

नकवी ने भी यूएई बोर्ड या किसी अन्य एशियाई बोर्ड के पदाधिकारी से ट्रॉफी दिलाने के बजाय खुद ही ट्रॉफी देने का अडियल रुख अपनाया। जिसके बाद नकवी ट्रॉफी चोरी करके ले गए। वह टीम इंडिया की ट्रॉफी और मेडल लेकर अपने होटल रूम पहुंच गए। क्रिकेट इतिहास में शायद ही ऐसा कभी हुआ हो जब विजेता टीम को ट्रॉफी दिए जाने के बजाय कोई उसे बेशर्मी से अपने पास रख ले।

नकवी की इस गिरी हुई हरकत के खिलाफ जब भारतीय बोर्ड ने कड़ा रुख अपनाया तो तब वह ट्रॉफी सौंपने के लिए तैयार हो गए लेकिन शर्त ये रखी कि लेना तो उनके हाथ से ही होगा। बीसीसीआई के कोई पदाधिकारी टीम इंडिया के कप्तान या किसी खिलाड़ी के साथ आएं और ट्रॉफी ले जाएं।

न्यूज एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से बताया है कि एशिया कप की ट्रॉफी दुबई स्थित एसीसी के मुख्यालय में है ही नहीं। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि, कुछ दिनों पहले भारतीय बोर्ड के एक अधिकारी ने एसीसी मुख्यालय का दौरा किया था। जब उन्होंने एसीसी ऑफिस में ट्रॉफी के बारे में पूछताछ की तब स्टाफ ने उन्हें बताया कि उसे यहां से हटा दिया गया है और ट्रॉफी अब मोहसिन नकवी के कब्जे में अबू धाबी में किसी जगह पर है।

राजस्थान के पूर्व रणजी खिलाड़ी पीयूष पांडे का निधन

जयपुर, 24 अक्टूबर। राजस्थान के पूर्व रणजी ट्रॉफी खिलाड़ी पीयूष पांडे का निधन आज हुआ। पीयूष पांडे जन्म 5 सितंबर 1955 को हुआ था। उन्होंने राजस्थान के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज़ के रूप में 5 रणजी ट्रॉफी मैच खेले हैं। उन्होंने 1977–78 में नई दिल्ली के करनैल सिंह स्टेडियम में रेलवे के खिलाफ अपना पहला मैच खेला था। उन्होंने राजस्थान के लिए कर्नल सीके नायडू (अंडर–22) के तहत 4 मैच भी खेले। 5 रणजी ट्रॉफी मैचों में उन्होंने 105 रन बनाए, जिसमें 28 रन उनका सर्वोच्च स्कोर है। उन्होंने 7 कैच और 2 स्टंप लिए हैं।

शमी, किशन, ईश्वरन आज से होंगे रणजी एक्शन में

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर। रणजी ट्रॉफी 2025–26 के शनिवार से शुरु हो रहे दूसरे दौर में अनुभवी टेस्ट खिलाड़ी मोहम्मद शमी, ईशान किशन और अभिमन्यु ईश्वरन अपनी–अपनी टीमों के लिए अहम भूमिका निभाएंगे। शमी की तेज गेंदबाजी और अनुभव ईडन गार्डन्स में बंगाल के आक्रमण की अगुवाई करेगा, जबकि ईशान नागपुर में झारखंड की बल्लेबाजी को संभालने का प्रयास करेंगे, और ईश्वरन बंगाल की पारी को मजबूती देने उतरेंगे। इन खिलाड़ियों की मौजूदगी घरेलू मुकाबले में टेस्ट–स्तर का कौशल और स्वभाव देखने को मिलेगा।

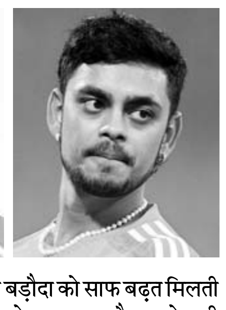

इसमें प्रशंसकों के साथ चयनकर्ताओं की भी विशेष दिलचस्पी होगी। विजयनगरम में, आंध्र प्रदेश उत्तर प्रदेश के खिलाफ ड्रॉ के बाद अपनी पहली जीत की तलाश में है, जिसमें टॉप–ऑर्डर के बल्लेबाज शेख रशीद और श्रीकर भरत ओपनिंग मैच में अपने शतक के प्रदर्शन को आगे बढ़ाना चाहेंगे।

तेज गेंदबाज केवी शशिकांत और त्रिपुरना विजय को एक आत्मविश्वास से भरी बड़ौदा टीम को चुनौती देने के लिए शुरुआती परिस्थितियों का फायदा उठाना होगा, जो ओडिशा पर सात विकेट की जीत के बाद आ रही है। महेश पिथिया के छह विकेट और शिवालिक शर्मा और मितेश पटेल के मजबूत योगदान से बड़ौदा को साफ बढ़त मिलती है, हालांकि आंध्र प्रदेश का घरेलू फायदा और बल्लेबाजी की गहराई मुकाबले को कड़ा बना सकती है। टॉस जीतने वाली टीमों से उम्मीद है कि वे पिच की शुरुआती परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाने के लिए पहले बल्लेबाजी करेंगी।

ईडन गार्डन्स में, बंगाल गुजरात की मेजबानी करेगा, जिसमें शमी, ईश्वरन और सुदीप चटर्जी कमान संभालेंगे। शमी की अगुवाई वाली बंगाल की गेंदबाजी गुजरात के शीर्ष क्रम को परेशान करने का प्रयास करेगी, जबकि उनके अनुभवी बल्लेबाज एक चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाने का लक्ष्य रखेंगे। गुजरात ने अपने पहले मैच में असम के खिलाफ ड्रॉ खेला था, अहम योगदान के लिए आर्य देसाई, सिद्धार्थ देसाई और जयमीत पटेल पर निर्भर रहेगा। उम्मीद है कि पिच शुरुआत में गेंदबाजो की मदद करेगी और फिर बल्लेबाजी के लिए आसान हो जाएगी, जिससे बंगाल को फॉर्म और घरेलू परिस्थितियों से परिचित होने का दोहरा फायदा मिलेगा।

अन्य मैचों में, चंडीगढ़ महाराष्ट्र की मेजबानी करेगा, विदर्भ झारखंड से भिड़ेगा, सौराष्ट्र मध्य प्रदेश से खेलेगा, उत्तराखंड रेलवे से , पंजाब केरल से भिड़ेगा, उत्तर प्रदेश ओडिशा से खेलेगा, और तमिलनाडु नागालैंड का दौरा करेगा। खास तौर पर झारखंड का ईशान पर निर्भर रहना अहम है, जिन्होंने पहले मैच में 173 रन बनाकर इस लेवल पर हावी होने की अपनी क्षमता दिखाई है। अलग–अलग मैदानों पर, पिचें शुरू में तेज गेंदबाजों और स्पिनरों को मदद दे रही हैं, जिसके बाद वे बल्लेबाजों के लिए अच्छी हो जाती हैं, जिससे पहली पारी का टोटल बहुत जरूरी हो जाता है। कई टीमें शुरुआती झटकों से उबरकर मोमेंटम बनाने की कोशिश कर रही हैं, ऐसे में कल के रणजी ट्रॉफी मैच में जबरदस्त मुकाबला, शानदार परफॉर्मेंस और एलीट ग्रुप स्टैंडिंग में पॉइंट्स के लिए निर्णायक मुकाबले देखने को मिलेंगे।

जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप के लिए भारत नहीं आएगी पाकिस्तान टीम, एशिया कप से भी रहा था बाहर

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर। बिहार के राजगीर में हुए इस साल एशिया कप हॉकी 2025 में पाकिस्तानी टीम ने हिस्सा नहीं लिया था। अब कुछ महीनों बाद पाकिस्तान ने जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप 2025 से भी अपना नाम वापस ले लिया है। जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप भी इस साल नवंबर–दिसंबर में भारत में ही होना है। अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ ने शुक्रवार को इसकी पुष्टी की है। एफआईएच ने इस दौरान कहा कि, पाकिस्तान की जगह नई टीम की घोषणा जल्द की जाएगी। एफआईएच ने ये भी कहा कि टूर्नामेंट में पूरी संख्या में टीम्स शामिल होंगी। जिससे प्रतियोगिता बिना किसी रुकावट के जारी रह सके। जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में खेला जाना है। वहीं इस टूर्नामेंट में 24 टीमें हिस्सा लेंगी। एफआईएच की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि, हम पुष्टि करते हैं कि पाकिस्तान हॉकी महासंघ ने अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ को सूचित किया है कि वे भारत में होने वाले एफआईएच मेन्स जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप में भाग नहीं लेंगे।

कुलदीप सिंह की शानदार गेंदबाजी से बिमल क्रिकेट एकेडमी विजयी

जयपुर, 24 अक्टूबर। मैत्री क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित आज एन. बी. क्रिकेट ग्राउण्ड जगतपुरा में चतुर्थ डॉ.ए.पी.जे अब्दुल कलाम स्मृति टी–20 क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज खेले गये पूल–बी के मुकाबले में बिमल क्रिकेट एकेडमी ने कुलदीप सिंह गुर्जर 16 रन पर 4 विकेट की शानदार गेंदबाजी मोहम्मद जैद 20 रन व 23 रन पर 2 विकेट के ऑलराण्डर प्रदर्शन से अण्डर–16 व अण्डर–14 खिलाडियों से भरी डायमण्ड क्रिकेट एकेडमी को मात्र 20 रन से हराकर 2 अंक अर्जित किये। टॉस जीतकर बिमल क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी की लेकिन तनुष शर्मा 21 रन पर 3 विकेट, सम्यक जैन 21 रन पर 2 विकेट व उत्सव 24 रन पर 2 विकेट ने शानदार गेंदबाजी करते हुये 80 रन पर 6 विकेट ले लिये। लेकिन डायमण्ड क्रिकेट एकेडमी की अनुभवहीनता व खराब क्षेत्ररक्षण का लाभ उठाते हुये बिमल क्रिकेट एकेडमी के निचले क्रम के बल्लेबाजों सैफ नकवी 31 रन, अंकित मनका 23 रन, विमल ठाकुर 21 रन, मोहम्मद जैद 20 रन नाबाद की मदद से निर्धारित 20 ओवर में स्कोर 149 पंहुचा दिया। डायमण्ड क्रिकेट एकेडमी की ओर से समर्थ गर्ग, सम्यक जैन 1 विकेट लेकर अन्य सफल गेंदबाज रहे।

जवाबी पारी में डायमण्ड क्रिकेट एकेडमी की ओर से अब्दुल सुब्हान 26 रन, तनुश शर्मा 24 रन, सम्यक जैन 17 रन नाबाद की मदद से निर्धारित 20 ओवर 9 विकेट खोकर 129 रन ही बना सके और 20 रन से मैच गवा दिया। गेंदबाजी में बिमल क्रिकेट एकेडमी की ओर से कुलदीप सिंह गुर्जर 16 रन पर 4 विकेट, मोहम्मद जैद 23 रन पर 2 विकेट, केशव शर्मा 23 रन पर 2 विकेट, निलेश कुमार 11 रन पर 1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे। इस मैच का मैन ऑफ दी मैच कुलदीप सिंह गुर्जर बिमल क्रिकेट एकेडमी रहे।

एक बार जब विराट तेजी से स्ट्राइक रोटेट करना शुरू कर देते हैं, तो फिर उन्हें रोकना बहुत मुश्किल हो जाता है : इरफान पठान

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर। एडिलेड में रोमांचक मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने वनडे सीरीज में 2–0 से अपराजेय बढ़त बना ली है, अब नजरें सिडनी में होने वाले आखिरी वनडे पर टिकी हैं। अपनी प्रतिष्ठा दांव पर लगाकर, भारत इस सीरीज़ का

अंत सकारात्मक अंदाज में करना चाहेगा। जियोस्टार पर एक्सक्लूसिव बातचीत में, विशेषज्ञ इरफ़ान पठान, अभिषेक नायर और आकाश चोपड़ा ने अपनी राय साझा की कि सीरीज के आखिरी मैच में सांत्वना भरी जीत हासिल करने के लिए टीम इंडिया को क्या करना होगा। इरफ़ान पठान ने विराट कोहली के फॉर्म और दृष्टिकोण पर बात करते हुए कहा, ''विराट कोहली का फॉर्म महत्वपूर्ण है। उन्हें स्ट्राइक रोटेट करने और स्कोरबोर्ड को आगे बढ़ाने की ज़रूरत है। क्योंकि एक बार जब वह ऐसा करने लगते हैं, तो किसी भी विरोधी टीम के लिए उन्हें रोकना बहुत मुश्किल हो जाता है। मुझे उम्मीद है कि विराट तेज़ी से स्ट्राइक रोटेट करना शुरू कर देंगे, बोर्ड पर कुछ रन बनाएंगे, और एक बार ऐसा हो जाने के बाद, उन्हें पीछे मुड़कर देखने की जरूरत नहीं होगी।'' अभिषेक नायर ने भारतीय तेज गेंदबाज़ों पर अपने विचार साझा करते हुए कहा,''भारत के तेज गेंदबाज़ों को ज़्यादा विकेट लेने होंगे। इन ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर उन्हें जिस तरह की मदद मिल रही है, उसे देखते हुए उन्हें परिस्थितियों का पूरा फ़ायदा उठाना होगा और अपने प्रदर्शन में इसे दिखाना होगा। मैं भारतीय तेज गेंदबाज़ों को, खासकर नई गेंद से, शुरुआत में ही स्ट्राइक करते और प्रभाव छोड़ते देखना चाहूँगा।'' आकाश चोपड़ा ने कुलदीप यादव को टीम में शामिल करने के बारे में कहा, ''सिडनी में तीन तेज गेंदबाज़ों की जरूरत शायद न पड़े, क्योंकि यह आमतौर पर स्पिन के लिए अनुकूल पिच होती है। कुलदीप यादव को यहाँ गेंदबाजी करना पसंद है; यह एक बड़ा मैदान है, और आप बीच के ओवरों में इसका फ़ायदा उठा सकते हैं। भारत को कुलदीप को खिलाना चाहिए और बीच के ओवरों का फ़ायदा उठाना चाहिए, जिससे विकेट लेने के मौके बनेंगे और स्पिन के जरिए दबाव बनेगा।'' भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे 2025 के तीसरे वनडे मैच का पूरा प्रसारण 25 अक्टूबर को भारतीय समयानुसार सुबह 9 बजे , जियोहॉटस्टार और स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर लाइव देखा जा सकता है।

भारत के खिलाफ टी-20 सीरीज में ग्लेन मैक्सवेल और बेन ड्वारश्विस की वापसी

सिडनी 24 अक्टूबर। ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ होने वाली टी–20 सीरीज के लिए ग्लेन मैक्सवेल और बेन ड्वारश्विस की वापसी बुलाया तथा तेज गेंदबाज माहली बियर्डमैन को भी टीम में जगह दी गई है। इसी के साथ तीसरे और अंतिम एकदिवसीय के लिए जैक एडवर्ड्स को टीम में बुलाया गया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अपने दोनों सफेद गेंद टीम में बदलाव की पुष्टि करते हुए तीसरे एकदिवसीय से मार्नस लाबुशेन को रिलीज कर दिया। लाबुशेन मंगलवार से गाबा में शुरू हो रहे क्वींसलैंड के लिए एनएसडब्ल्यू के खिलाफ शेफील्ड शील्ड मुकाबले की तैयारी करेंगे। इसके अलावा जॉश हेजलवुड और सीन एबट दोनों ही टी–20 सीरीज के अंतिम चरण के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। वह 10 नवंबर से एससीजी में शुरू हो रहे विक्टोरिया के लिए एनएसडब्ल्यु के खिलाफ शेफील्ड शील्ड मैच के लिए उपलब्ध होंगे। हेजलवुड पहले दो टी–20 ही खेलेंगे जबकि एबट होबार्ट में खेले जाने वाले तीसरे टी–20 के बाद दल से विदाई ले लेंगे।

मैथ्यू कूनेमन पहले वनडे में खेले थे लेकिन एडम जम्पा की वापसी के चलते उन्हें एडिलेड में दूसरे एकदिवसीय में जगह नहीं मिली थी, उन्हें तीसरे वनडे के लिए टीम में शामिल किया गया है। पर्थ वनडे खेलने वाले जॉश फिलिपे को भी एलेक्स कैरी की वापसी के चलते दूसरे वनडे से बाहर का रास्ता दिखाया गया था लेकिन जॉश इंग्लिस की फिटनेस पर असमंजस की स्थिति को देखते हुए उन्हें टी–20 सीरीज के लिए बैकअप विकेटकीपर के तौर पर दल में शामिल किया गया है। मैक्सवेल अंतिम तीन टी–20 के लिए ऑस्ट्रेलिया के दल में वापसी करेंगे, पिछले महीने के अंत में नेट्स में अभ्यास करने के दौरान उनकी कलाई चोटिल हो गई थी। ड्वारश्विस पिंडली में चोट के चलते वनडे सीरीज और तीन टी–20 मैचों के लिए बाहर हो गए थे लेकिन उन्हें क्वींसलैंड में खेले जाने वाले चौथे और पांचवें टी–20 के लिए दल में शामिल किया गया है।

तीसरे एकदिवसीय के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम:- मिचेल मार्श (कप्तान), ज़ेवियर बार्टलेट, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), कूपर कॉनली, जैक एडवर्ड्स, नेथन एलिस, जॉश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जॉश इंग्लिस, मैथ्यू कूनेमन, मिचेल ओवेन, जॉश फ़िलिपे (विकेटकीपर), मैट रेनशॉ, मैथ्यू शॉर्ट, मिचेल स्टार्क और एडम जम्पा।

टी–20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम:- मिचेल मार्श (कप्तान), सीन एबट (पहले तीन मैचों के लिए उपलब्ध), ज़ेवियर बार्टलेट, माहली बियर्डमैन (अंतिम तीन मैचों के लिए उपलब्ध), टिम डेविड, बेन ड्वारश्विस (अंतिम दो मैचों के लिए उपलब्ध), नेथन एलिस, जॉश हेज़लवुड (पहले दो मैचों के लिए उपलब्ध), ट्रैविस हेड, ग्लेन मैक्सवेल (अंतिम तीन मैचों के लिए उपलब्ध) जॉश इंग्लिस (विकेटकीपर), मैथ्यू कूनेमन, जॉश फिलिपे (विकेटकीपर), मिचेल ओवेन, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टॉयनिस और एडम जम्पा।

आईसीसी विमेंस वर्ल्ड कप 2025 : सेमीफाइनल में किस टीम से भिड़ेगी टीम इंडिया?

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर। भारत ने बीते गुरुवार न्यूजीलैंड को आईसीसी विमेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 के 24वें मुकाबले में 53 रनों से हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है। इसी के साथ अब विमेंस वर्ल्ड कप 2025 के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चारों टीमों की तस्वीर साफ हो चुकी है। वहीं भारत से पहले ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड की टीम ने नॉकआउट में अपनी जगह पक्की की थी। हालांकि, सेमीफाइनल का शेड्यूल अभी तक साफ नहीं हो पाया है लेकिन ये साफ है कि भारत पहला सेमीफाइनल खेलने वाला है। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम इंडिया फिलहाल 6 मैचों में इतने ही अंकों के साथ पॉइंट्स टेबल में चौथे पायदान पर है। वहीं भारत को अपना आखिरी मैच बांग्लादेश के खिलाफ खेलना है। टीम इंडिया अगर वह मैच जीत भी लेती है तो वह अधिकतम 8 अंकों तक ही पहुंच पाएगी। इंग्लैंड 9 पॉइंट्स के साथ तीसरे, साउथ अफ्रीका 10 पॉइंट्स के साथ दूसरे और ऑस्ट्रेलिया 11 पॉइंट्स के साथ पहले पायदान पर है। इसका मतलब है कि भारत चौथे नंबर पर रहकर ही सेमीफाइनल में प्रवेश करेगा। वहीं पहला सेमीफाइनल पॉइंट्स टेबल में पहले और चौथे पायदान पर रहने वाली टीमों के बीच होगा, जबकि दूसरा सेमीफाइनल दूसरे और तीसरे नंबर पर रहने वाली टीमों के बीच होगा। इसका मतलब ये है कि भारत के सेमीफाइनल खेलने की डेट कन्फर्म हो गई है लेकिन किस टीम के खिलाफ होगा इसकी तस्वीर साफ होना अभी बाकी है।

उत्तराखंड की कॉर्बेट नगरी रामनगर में पहली बार होगा रणजी ट्रॉफी का आयोजन

नैनीताल, 24 अक्टूबर। उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र में बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) के बैनर तले क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड (सीएयू) पहली बार रणजी ट्रॉफी मैच का आयोजन करने जा रहा है। यह मैच कॉर्बेट नगरी रामनगर के कोशिकी क्रिकेट अकादमी, मंगलार क्षेत्र के मैदान में खेला जाएगा।

प्रदेश की हर छात्रा को उच्च शिक्षा के पर्याप्त अवसर मिलेंगे - भजनलाल

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि 2025-26 में छात्राओं को 4,240 स्कूटियों का वितरण किया जाएगा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर दीपावली मिलन कार्यक्रम में आमजन से मुलाकात की। सभी से दीपावली की रामा-श्यामा करते हुए मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की और साधु-संतों से भी मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जनसेवा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी ध्येय के साथ जन समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने सभी से प्रदेश के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने का आव्हान भी किया। इस अवसर पर सांगानेर सहित विभिन्न क्षेत्रों के लोग उपस्थित थे।

जयपुर, 24 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि प्रदेश की प्रत्येक बेटी उच्च शिक्षा प्राप्त कर आत्मनिर्भर बने, जिससे राज्य महिला शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू सके। इसी क्रम में राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए देवनारायण छात्रा स्कूटी वितरण एवं प्रोत्साहन राशि योजना वर्ष 2011-12 में आरम्भ की गई थी। इस योजना के तहत, राजस्थान मूल की विशेष पिछड़ा वर्ग की वो छात्राएं,

- **राज्य सरकार देवनारायण छात्रा स्कूटी वितरण योजना के तहत अब तक 74 करोड़ 35 लाख रूपये व्यय करके 16 हजार 21 छात्राओं को लाभांवित कर चुकी है।**

जिन्होंने राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड या केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 12वीं परीक्षा में 50 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त किये हैं, तथा राजस्थान स्थित राजकीय महाविद्यालयों, राज्य वित्त पोषित विश्वविद्यालयों में स्नातक प्रथम वर्ष में नियमित अध्ययनरत हैं, उन्हें 12 वीं परीक्षा में प्राप्तांक प्रतिशत की वरीयता सूची के आधार पर स्कूटी प्रदान की जाती है।

मुख्यमंत्री की पहल पर इस योजना के तहत प्रतिवर्ष निर्धारित लक्ष्य के अलावा, अन्य समान कट ऑफ प्राप्तांक वाली छात्राओं को भी स्कूटी नि:शुल्क वितरित की जाती है। वर्ष 2019-20 से प्रतिवर्ष 1500 स्कूटी वितरण का लक्ष्य निर्धारित था, जिसे राज्य सरकार द्वारा बढ़ाया गया है और अब वर्ष 2025-26 से 4 हजार 240 स्कूटियों का वितरण किया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत, विशेष पिछड़ा वर्ग की वे छात्राएं, जो स्कूटी स्वीकृति की वरीयता सूची में नहीं आ पाती हैं, उनके लिए स्नातक प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष एवं तृतीय वर्ष में 50 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त करने पर 10,000 रूपये वार्षिक प्रोत्साहन राशि दी जाती है। राज्य सरकार द्वारा देवनारायण छात्रा स्कूटी वितरण योजना के तहत, अब तक 74 करोड़ 35 लाख रुपये व्यय कर 16 हजार 21 छात्राओं को लाभान्वित किया जा चुका है। साथ ही, प्रोत्साहन राशि में 9 करोड़ 76 लाख रुपए व्यय कर 19 हजार 100 छात्राएं लाभान्वित की जा चुकी हैं।

जम्मू-कश्मीर में राज्यसभा की तीन सीटें नैशनल कॉन्फ्रैंस ने व एक भाजपा ने जीती

शुक्रवार सुबह विधानसभा परिसर में हुई वोटिंग में 86 विधायकों ने वोट डाला

श्रीनगर, 24 अक्टूबर। जम्मू-कश्मीर में शुक्रवार (24 अक्टूबर) को राज्यसभा की चार सीटों के लिए चुनाव हुए। तीन सीटें नेशनल कॉन्फ्रेंस ने जीतीं वहीं एक सीट भाजपा ने जीत ली। केंद्र शासित क्षेत्र बनने के बाद जम्मू-कश्मीर में पहली बार राज्यसभा चुनाव हुए। भाजपा की जीत कुछ विधायकों की क्रॉस वोटिंग से संभव हुई है।

तीन सीटों पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के उम्मीदवार चौधरी मुहम्मद रमजान,सज्जाद किचलू और गुरुशरण (शमी) ओबेरॉय जीते हैं। एक सीट भाजपा के सत शर्मा ने जीती है।

इसके पहले आज सुबह विधानसभा परिसर में वोटिंग हुई। 86 विधायकों ने वोटिंग की। आप विधायक मेहरान मलिक जो हिरासत में हैं, का वोट डाक मतपत्र के माध्यम से डाला गया। पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और हंदवाड़ा के विधायक सज्जाद लोन ने मतदान में भाग नहीं लिया।

5 अगस्त, 2019 को आर्टिकल 370 हटाए जाने के बाद और जम्मू-कश्मीर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में बांटने के बाद से यह जम्मू-कश्मीर से पहला राज्यसभा चुनाव है।

- **हंदवाड़ा के विधायक सज्जाद लोन ने वोट नहीं डाला और आप विधायक ने मेहराज मलिक ने डाक मतपत्र का प्रयोग किया।**

ये सीटें 15 फरवरी 2021 में खाली हुई थीं, जब पूर्व सांसदों गुलाम नबी आजाद और नजीर अहमद लावे ने अपना कार्यकाल पूरा किया था। दो अन्य सदस्यों, फयाज अहमद मीर और शमशीर सिंह मन्हास ने उसी वर्ष 10 फरवरी को अपना कार्यकाल पूरा किया था।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में 90 सीटें हैं। बडगाम सीट से उमर अब्दुल्ला के इस्तीफे और नगरोटा सीट पर भाजपा के देविंदर राणा के निधन के कारण दो सीटें खाली हैं। इस तरह में कुल 88 विधायक हैं। इनमें से 86 विधायकों ने राज्यसभा चुनाव में वोटिंग की।

राज्यसभा चुनाव के नतीजों पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बयान दिया है। उन्होंने नेशनल कॉन्फ्रेंस के तीन उम्मीदवारों को राज्यसभा चुनाव में जीत दर्ज करने पर बधाई दी।

उमर ने कहा कि उनके किसी विधायक ने 'क्रॉस वोटिंग' नहीं की, इसलिए यह सवाल उठता है कि भाजपा को मिले चार अतिरिक्त वोट किसके हैं। मुख्यमंत्री जानना चाहते थे कि वे कौन विधायक थे जिन्होंने 'मतदान के दौरान गलत वरीयता संख्या डालकर जानबूझकर अपने वोट अमान्य कर दिए'। उन्होंने कहा, "क्या उनमें इतनी हिम्मत है कि वे हमें वोट देने का वादा करने के बाद भाजपा की मदद करने की बात स्वीकार करें? किस दबाव या प्रलोभन ने उन्हें यह रास्ता अख्तियार करने में मदद की? देखते हैं कि भाजपा की गुप्त टीम का कोई सदस्य अपनी आत्मा बेचने की बात स्वीकार करता है या नहीं!"

बिहार में सपा के स्टार प्रचारकों की लिस्ट में शिवपाल शामिल नहीं

लखनऊ 24 अक्टूबर।समाजवादी पार्टी (सपा) ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के दूसरे चरण के लिए अपने स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी द्वारा हस्ताक्षिरत यह सूची चुनाव आयोग को भेजी गई है। इस सूची में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव सहित कुल 20 प्रमुख नेता शामिल हैं। जबकि पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव को स्टार प्रचारकों की सूची से बाहर रखा गया है। आयोग को भेजे गए पत्र में कहा है कि रिप्रेजेंटेशन ऑफ द पीपुल एक्ट, 1951 की धारा 77 के तहत ये नेता समाजवादी पार्टी और इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों के प्रचार-प्रसार में भाग लेंगे। समाजवादी पार्टी ने यह भी स्पष्ट किया है कि ये सभी नेता गठबंधन के प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार करेंगे। जारी सूची में प्रमुख नामों में अखिलेश यादव (राष्ट्रीय अध्यक्ष), किरणमय नंदी (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष), मोहम्मद आज़म खां (राष्ट्रीय महासचिव), डिम्पल यादव (सांसद) और अफलाकुर रहमान अंसारी (सांसद) शामिल हैं।

तमिलनाडु में अगले सप्ताह शुरु होगा मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण

भारतीय चुनाव आयोग ने मद्रास हाईकोर्ट को गुरुवार को यह जानकारी दी

चेन्नई, 24 अक्टूबर। वर्ष 2026 में होने वाले तमिलनाडु विधानसभा के चुनावों से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया अगले सप्ताह से आरंभ होगी। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने यह जानकारी गुरुवार को मद्रास उच्च न्यायालय को दी। आयोग ने बताया कि यह प्रक्रिया पूरे देश में चलने वाले वार्षिक पुनरीक्षण कार्यक्रम का हिस्सा है। इसका उद्देश्य आगामी चुनावों से पूर्व मतदाता सूची को अद्यतन और सत्यापित करना है।

इस दौरान नए पात्र मतदाताओं के नाम जोड़े जाएंगे, अयोग्य हो चुके व्यक्तियों के नाम हटाए जाएंगे और सूची में मौजूद त्रुटियों को सुधारा

- **मद्रास हाईकोर्ट में अन्नाद्रमुक के विधायक सत्यनारायण ने याचिका दायर की व कहा कि चेन्नई के टी नगर निर्वाचन क्षेत्र से उनकी पार्टी के 13,000 समर्थकों के नाम हटाए गए।**

जाएगा।

यह जानकारी उच्च न्यायालय में उस याचिका की सुनवाई के दौरान दी गई, जिसे अन्नाद्रमुक के पूर्व विधायक सत्यनारायणन ने दायर किया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि चेन्नई के टी. नगर निर्वाचन क्षेत्र में द्रमुक के पक्ष में लगभग 13,000 अन्नाद्रमुक समर्थकों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं।

आयोग ने अदालत को भरोसा दिलाया कि आगामी विशेष पुनरीक्षण प्रक्रिया से याचिकाकर्ता की चिंताओं का समाधान होगा। इसके साथ ही, अदालत ने आयोग को निर्देश दिया कि वह बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण से संबंधित एक मामले में दिए गए उच्चतम न्यायालय के आदेश की प्रति प्रस्तुत करे।

आयोग ने कहा कि वह चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और सटीकता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

ट्रंप ने कैनडा के साथ सभी व्यापारिक वार्ताएं बंद कीं

ट्रंप ने ओंटारियो सरकार के रॉनल्ड रीगन सम्बंधी विज्ञापन को "धोखा" बताते हुए वार्ता समाप्त करने की घोषणा की

ओटावा, 24 अक्टूबर। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा है कि वे ओंटारियो सरकार के एक विज्ञापन को लेकर कैनडा के साथ सभी व्यापार वार्ताएं समाप्त कर रहे हैं। इस विज्ञापन में दिवंगत अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन के शब्दों का इस्तेमाल करके अमेरिकी दर्शकों को टैरिफ-विरोधी संदेश दिया गया है।

ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर अपने पोस्ट में उस विज्ञापन पर हमला किया, जिसका श्रेय उन्होंने ओंटारियो के बजाय कैनडा को दिया था, और इसे धोखाधड़ी तथा फर्जी बताया। ओंटारियो कैनडा का सीमावर्ती प्रांत है, जिसकी सीमाएं अमेरिका से लगती हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने लिखा, "अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा और अर्थव्यवस्था के लिए टैरिफ बहुत महत्वपूर्ण हैं। उनके घृणित व्यवहार के आधार पर कैनडा के साथ सभी व्यापार वार्ताएं समाप्त की जाती हैं।"

शुक्रवार सुबह एक और पोस्ट में ट्रंप ने दावा किया, "कैनडा ने धोखा दिया और पकड़ा गया!"

उन्होंने लिखा, "उसने धोखे से एक बड़ा विज्ञापन देकर यह कह दिया कि

- **ओंटारियो सरकार के विज्ञापन में रॉनल्ड रीगन के शब्दों का प्रयोग कर टैरिफ का विरोध किया गया है।**

रोनाल्ड रीगन को टैरिफ पसंद नहीं थे, जबकि असल में उन्हें अपने देश और उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए टैरिफ पसंद थे। कैनडा लंबे समय से टैरिफ के मामले में धोखा दे रहा है। हमारे किसानों से 400 प्रतिशत तक कर वसूल रहा है। अब वह और दूसरे देश अमेरिका का और फायदा नहीं उठा सकते।"

सिर्फ दो सप्ताह पहले कैनडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के वाइट हाउस दौरे के बाद ट्रंप ने अपने मंत्रिमंडल के दो वरिष्ठ सदस्यों को कैनडा के साथ स्टील, एल्युमीनियम और ऊर्जा पर एक समझौता करने का निर्देश दिया था।

फोर्ड के अमेरिकी व्यापार वार्ता के तरीके पर कार्नी ने कहा, "हम अभी भी एकमत हैं।" ट्रंप के साथ ओवल ऑफिस की बैठक के बाद कार्नी ने कहा, "हमें और भी बेहतर सौदा मिलेगा।" उन्होंने प्रधानमंत्री कार्यालय से टिप्पणी मांगी लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। गुरुवार देर रात एक वरिष्ठ संघीय सरकारी सूत्र ने रेडियो-कैनडा को बताया कि ओटावा को ट्रंप के सोशल मीडिया पर पोस्ट करने से कुछ समय पहले ही वार्ता रद्द करने के फैसले के बारे में सूचित कर दिया गया था।

मनीष गुप्ता आयरलैंड में भारत के नये राजदूत

नयी दिल्ली, 24 अक्टूबर। घाना में भारतीय उच्चायुक्त मनीष गुप्ता को आयरलैंड में भारत का नया राजदूत नियुक्त किया गया है। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को एक वक्तव्य जारी कर बताया कि गुप्ता के शीघ्र ही कार्यभार ग्रहण करने की संभावना है। गुप्ता भारतीय विदेश सेवा के 1998 बैच के वरिष्ठ अधिकारी हैं और अपने दो दशक से भी लंबे कार्यकाल के दौरान, वे मॉस्को, ताशकंद, प्राग, कोलंबो, जकार्ता और वैंकूवर स्थित भारतीय मिशनों में कार्य कर चुके हैं।

दिल्ली एनसीआर में ड्रग्स का अवैध कारोबार पकड़ा

नयी दिल्ली, 24 अक्टूबर। वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग के तहत काम करने वाली एजेंसी राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में नशीले पदार्थों में लिप्त एक बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए, करीब 109 करोड़ रुपये की अवैध सामग्री जब्त की है। इस सिलसिले में 26 विदेशी नागरिक गिरफ्तार किये गये हैं।

शुक्रवार को जारी एक विज्ञिप्त में कहा गया कि इस नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई जारी है। अब तक की कार्रवाई में 16.27 किलोग्राम मेथामफेटामाइन, 7.9 किलोग्राम कोकीन, 1.8 किलोग्राम हेरोइन, 2.13 किलोग्राम गांजा और 115.42 किलोग्राम प्रीकर्सर रसायन जब्त किया गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इनकी कीमत लगभग 108.81 करोड़ रुपये

- **राजस्व खुफिया निदेशालय के इस क्रम में 26 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है।**

आंकी गयी है।

डीआरआई ने इस नेटवर्क के खिलाफ इसी सप्ताह मंगलवार और बुधवार एक समन्वित अभियान चलाया। अधिकारियों ने ग्रेटर नोएडा में ऊँची आवासीय इमारतों के पास एक सुनसान खेत में चोरी छुपे मेथामफेटामाइन बनाने के एक ठिकाने पर छापा मारा। वहां उन्हें 11.40 किलोग्राम मेथामफेटामाइन और इसे बनाने में इस्तेमाल होने वाले 110.923 किलोग्राम रसायन मिले।

तलाशी के दौरान वहां से कई संदिग्ध व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है।

डीआरआई के अनुसार इस अभियान में उसके अधिकारियों को विभिन्न अधिकार क्षेत्रों (नोएडा (उत्तर प्रदेश), गुरुग्राम (हरियाणा) और दिल्ली) और चुनौतीपूर्ण जगहों पर कार्रवाई करनी पड़ी । यह जटिल अभियान खुफिया जानकारी और विभिन्न प्रवर्तन एजेंसियों के बीच समन्वय से किया गया।

बंगाल की खाड़ी में मोंथा चक्रवात की शुरुआत की चेतावनी

तमिलनाडु व आंध्र के तटवर्ती जिलों के लिए अलर्ट जारी

चेन्नई, 24 अक्टूबर। दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र अगले दो दिनों में गहरे दबाव के क्षेत्र में और फिर रविवार सुबह तक चक्रवाती तूफान मोंथा में तब्दील हो सकता है।

मौसम विभाग ने शुक्रवार को बताया कि अरब सागर के पूर्व-मध्य और दक्षिण-पूर्व हिस्से में भी एक दबाव का क्षेत्र सक्रिय है। इस बीच उत्तर-पूर्व मानसून के सक्रिय होने और पिछले सप्ताह की भारी वर्षा से कावेरी डेल्टा क्षेत्र में खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचा है। ऐसे में चक्रवात मोंथा के असर से तटीय जिलों सहित, भीतरी

- **मौसम विभाग ने बताया कि दक्षिण पूर्व बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र गहरा हो रहा है, रविवार सुबह तक यह चक्रवाती तूफान मोंथा में बदल सकता है।**

तमिलनाडु में भारी वर्षा की संभावना जतायी गयी है।

समुद्र में ऊंची लहरों और खराब मौसम को देखते हुए मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने की सलाह दी गयी है। पिछले सप्ताह बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव जब कमजोर होकर आंध्र प्रदेश तट की ओर बढ़ा था, तो इससे काफी राहत मिली थी।

गौरतलब है कि थाईलैंड द्वारा सुझाये गये नाम मोंथा का अर्थ थाई भाषा में "सुगंधित फूल" या "सुंदर फूल" होता है। उत्तर-पूर्व मानसून की सक्रियता के चलते तमिलनाडु के अधिकांश हिस्सों में बारिश हो रही है। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने सचिवालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर सभी जिलों में एहतियाती उपायों की तैयारियों की जानकारी ली है। इस बीच, विपक्ष ने राज्य सरकार पर वर्षा-पूर्व तैयारी में लापरवाही का आरोप लगाया है, क्योंकि डेल्टा जिलों के प्रत्यक्ष खरीद केन्द्रों (डीपीसी) पर किसानों द्वारा भारी मात्रा में रखा गया धान हाल की बारिश से भीग गया है। केन्द्र सरकार ने भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) द्वारा त्वरित खरीद सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार के अनुरोध के बाद अधिकारियों की एक टीम भेजी है, जो धान की नमी की सीमा 17 प्रतिशत से बढ़ाकर 21 प्रतिशत करने की आवश्यकता का आकलन करेगी।

50 लाख लोगों ने चार धाम यात्रा की

देहरादून, 24 अक्टूबर।उत्तराखंड के मुख्यमंत्री के अपर सचिव बंशीधर तिवारी ने शुक्रवार को बताया कि इस साल चार धाम यात्रा में लगभग 50 लाख श्रद्धालु दर्शनों के लिए पहुंचे।

तिवारी ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि वर्षा काल के दौरान विषम परिस्थितियों के बावजूद

- **सरकारी सूत्रों ने बताया, मानसून में भारी प्राकृतिक आपदा से खराब हुई सड़कों की त्वरित मरम्मत के बाद तीर्थ यात्रियों की संख्या तेजी से बढ़ा**

श्रद्धालुओं का यह आंकड़ा 50 लाख के आसपास पहुँचा है। उन्होंने कहा कि मानसून काल के दौरान भारी बारिश के कारण उत्तराखंड को आपदाएं भी झेलनी पड़ी। भारी बरसात के कारण चार धाम यात्रा मार्गो पर स्थित कई सड़कों को क्षति पहुंची। यात्रा काल में मौसम खराब होने से हेली सर्विस भी ढंग से संचालित नहीं हो पाई।

उन्होंने कहा कि मानसून काल समाप्त होने के बाद क्षितग्रस्त सड़कों की मरम्मत का काम तेजी से किया गया। प्रथम और द्वितीय चरण में रिकॉर्ड श्रद्धालु चार धाम यात्रा में पहुंचे।

अमेरिका के आर्थिक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वैसे भी, रूसी अर्थव्यवस्था अच्छी स्थिति में नहीं है और देश के पास निर्यात के लिए तेल के अलावा, ज्यादा कुछ नहीं है। तेल निर्यात से होने वाली आय सरकार के पास जाती है और इसी से युद्ध को वित्तीय सहारा मिलता है। ट्रंप और उनके सलाहकार समूह लंबे समय से इन आर्थिक रास्तों को बंद करने की योजना बना रहे थे, ताकि पुतिन के लिए युद्ध की फण्डिंग मुश्किल हो जाए।

डॉनल्ड ट्रम्प अब तक रूस और पुतिन के युद्ध के खिलाफ सीधी कार्रवाई करने से बचते रहे थे, इस उम्मीद में कि धमकियाँ काम करेंगी और पुतिन बातचीत की मेज पर आएँगे। हालाँकि, जब भी पुतिन और ट्रंप के बीच बातचीत हुई, कोई नतीजा नहीं निकला।

ट्रंप ने स्वयं पुतिन के साथ अपनी निजी कूटनीति की विफलता स्वीकार करते हुए कहा कि उनकी बातचीत बहुत अच्छी रही, लेकिन अभी तक कोई नतीजा नहीं निकला, इसलिए रणनीति में बदलाव किया गया है।

दूसरी ओर, इन प्रतिबंधों का असर भारतीय रिफाइनरियों पर पड़ने लगा है और ऐसी खबरें हैं कि कुछ बड़ी निजी तेल रिफाइनरियाँ अब रूसी कच्चे तेल से दूरी बना रही हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज, गुजरात स्थित अपनी रिफाइनरी के लिए सस्ता रूसी कच्चा तेल खरीदती थी। कच्चे तेल की आपूर्ति के लिए उसका रोसनेफ्ट के साथ बीस साल का अनुबंध है। भारत प्रतिदिन लगभग 17 लाख बैरल रूसी कच्चा तेल आयात करता था। इसमें से एक बड़ा हिस्सा विशाल रिलायंस रिफाइनरी के लिए था। अन्य निजी रिफाइनरियाँ और कुछ सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियाँ भी रूसी कच्चा तेल खरीदती थीं।

रिलायंस के लिए रूसी कच्चे तेल से दूरी बनाना बहुत अहम है, क्योंकि किसी भी तरह के वित्तीय प्रतिबंध या अंतर्राष्ट्रीय बैंकों और बाज़ारों तक उसकी पहुँच पर रोक लगने से गंभीर परिचालन समस्याएं पैदा हो सकती हैं। वैश्विक पूँजी बाजारों तक उसकी पूरी पहुँच बाधित हो सकती है। रिलायंस मध्य पूर्व के उत्पादकों और लैटिन अमेरिकी तेल कंपनियों से कच्चे तेल की आपूर्ति की तलाश कर रही है। कुछ अन्य भारतीय कंपनियाँ, जैसे नायरा एनर्जी, के पास बहुत कम विकल्प हैं, क्योंकि उस पर पहले ही प्रतिबंध लगा हुआ है।

उद्योग जगत के जानकार लोगों का मानना है कि शुरुआत में रूस से तेल की आवक में भारी गिरावट आ सकती है, लेकिन, मध्यम से लंबी अवधि में रूसी तेल की बिक्री के वैकल्पिक रास्ते सामने आ सकते हैं। ऐसी स्थिति में, आयात की औसत मात्रा लगभग 16 लाख बैरल प्रतिदिन पर ही बनी रह सकती है। लेकिन ऐसा लगता है कि अमेरिका द्वारा प्रतिबंधों को सख्ती से लागू करने के बाद, रूस के पास बातचीत की मेज पर आने के अलावा, अन्य कोई विकल्प नहीं होगा। आखिरकार, धन ही किसी भी युद्ध की रीढ़ होता है।

राहुल ने सीताराम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विधानसभा चुनाव के बीच केसरी की पुण्यतिथि पर पिछले 25 साल में शायद पहला अवसर है, जब गांधी ने उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

आँध्र प्रदेश में चलती बस आग लगी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मिनटों में बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई।

तेलंगाना सरकार ने शुक्रवार को हैदराबाद से बंगलूरू जा रही निजी बस के यात्रियों के परिवारों की सहायता के लिए एक हेल्पलाइन शुरू की है।

मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के निर्देश के बाद यह हेल्पलाइन शुरू की गई। उन्होंने सरकार के मुख्य सचिव के रामकृष्ण राव और पुलिस महानिदेशक शिवधर रेड्डी से बात की। मुख्यमंत्री ने आईएएस अधिकारी एस हरीश और पड़ोसी राज्य तेलंगाना के कुरनूल जिले के गडवाल जिले के कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को दुर्घटनास्थल पर पहुँचने और राहत कार्यों के समन्वय के निर्देश दिये।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बस में आग लगने के कारण हुई लोगों की मौत पर शोक प्रकट किया और इस दुर्घटना को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। राष्ट्रपति ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, आंध्र प्रदेश के कुरनूल में एक दुखद बस अग्निकांड में हुई मौतों की खबर बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। मैं शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करती हूं, और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने के लिये प्रार्थना करती हूं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कुरनूल सड़क हादसे पर दुख जताया है। प्रधानमंत्री कार्यालय के आधिकारिक एक्स हैंडल पर जारी संदेश के मुताबिक, पीएम मोदी ने कहा, आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में हुई दुर्घटना में जान-माल की हानि से अत्यंत दु:खी हूं।

इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं प्रभावित लोगों और उनके परिवारों के साथ हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने हादसे में मरे अपने राज्य के 6 लोगों के परिजनों को 5 लाख रूपये की राशि देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने हादसे के बाद शोक जताते हुए कहा, कुरनूल जिले के चिन्ना टेकुर गांव के पास हुई भीषण बस आग दुर्घटना के बारे में जानकर मुझे गहरा सदमा पहुंचा है। मेरी हार्दिक संवेदनाएं उन परिवारों के साथ हैं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। सरकारी अधिकारी घायलों और प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करेंगे। हादसे के बाद, गहरी नींद में सो रहे यात्रियों में चीख-पुकार मच गई, जबकि कई लोगों के आग में फंसने की भी खबर सामने आई।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को कुरनूल जनरल अस्पताल ले जाया गया। बताया जा रहा है कि ज्यादातर यात्री हैदराबाद शहर के थे। हादसे के तुरंत बाद ड्राइवर फरार हो गए थे। आंध्रप्रदेश पुलिस के सूत्रों ने बताया कि दोनों ड्राइवरों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

मोदी ने बेगुसराय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि अब वह झारखंड में इन दोनों पार्टियों के साथ अपने गठबंधन पर फिर से विचार करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "राजद ने पिछले दो दशकों में कोई चुनाव नहीं जीता, फिर भी वह अहंकार में जकड़ा हुआ है। यही घमंड था, जिसके चलते उन्होंने झामुमो को गठबंधन से बाहर फेंक दिया।

उन्होंने आगे कहा, "कांग्रेस बिहार में पिछले 35 साल से राजद की पिछलग्गू रही है। वे वीआईपी को भी गुमराह करते रहे। जब स्वार्थ प्रबल होता है और लूट का उद्देश्य होता है, तो यही होता है, जो राजद और कांग्रेस कर रहे हैं। पहले टिकट बेचते हैं, फिर घोटाले करते हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908